# ANNAMALAI UNIVERSITY

# 102 B.A. TAMIL

**2022 – 2023 ஆம் கல்வியாண்டுக்காண நடைமுறைப்படுத்தப்படும் முதன்மை, சார்பு, விருப்பப்பாடம், திறன்மேம்பாட்டுத் தேர்வுமுறைப் பாட அமைப்புகள்**

| **Course Code** | **Part** | **Study Components & Course Title** | **Hours/Week** | **Credit** | **Maximum Marks** | | |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **CIA** | **ESE** | **Total** |
|  |  | **SEMESTER – I** |  |  |  |  |  |
| **22UTAML11** | I | **Language Course – I : Tamil-I** | 5 | 3 | 25 | 75 | 100 |
| **22UENGL12** | II | **English Course – I : Communicative English I** | 5 | 3 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAMC13 | III | Core Course – I : இக்கால இலக்கியம் | 5 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAMC14 | Core Course – II : நன்னூல்- எழுத்ததிகாரம் (காண்டிகையுரை) | 5 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAMA15 | Allied Course – I | 5 | 3 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAMS16 | IV | Skill Based Course – I: தமிழரின் சித்த மருத்துவம் | 3 | 2 | 25 | 75 | 100 |
| **22UENVS18** | **Environmental Studies** | 2 | 2 | 25 | 75 | 100 |
|  | **Total** | | **30** | **21** |  |  | **700** |
|  |  | **SEMESTER – II** |  |  |  |  |  |
| 22UTAML21 | I | Language Course – II : Tamil-II | 5 | 3 | 25 | 75 | 100 |
| 22UENGL22 | II | English Course – II : Communicative English II | 5 | 3 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAMC23 | III | Core Course – III : சிற்றிலக்கியம் | 5 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAMC24 | Core Course – IV: நன்னூல்-சொல்-காண்டிகையுரை | 5 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAMA25 | Allied Course – II : | 3 | 3 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAMS26 | IV | Skill Based Course – II: மனித உரிமைகள் | 2 | 2 | 25 | 75 | 100 |
| 22UVALE27 | Value Education | 2 | 1 | 25 | 75 | 100 |
| 22USOFS28 | Soft Skill | 1 | 1 | 25 | 75 | 100 |
| **22UNMSD01** |  | **Language Proficiency for Employability:**  **EFFECTIVE ENGLISH** | **2** | **2** | **25** | **75** | **100** |
|  | **Total** | | **30** | **23** |  |  | **900** |

|  |  | **SEMESTER – III** |  |  |  |  | | |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 22UTAML31 | I | Language Course – III: Tamil-III | 5 | 3 | 25 | 75 | | | 100 |
| 22UENGL32 | II | English Course – III: English Through Literature-I | 5 | 3 | 25 | 75 | | | 100 |
| 22UTAMC33 | III | Core Course – V: சமய இலக்கியம் | 4 | **3** | 25 | 75 | | | 100 |
| 22UTAMC34 | Core Course – VI : யாப்பருங்கலக்காரிகை | 4 | 4 | 25 | 75 | | | 100 |
| 22UTAMA35 | Allied Course – III : தமிழிலக்கிய வரலாறு – 1 | 4 | **3** | 25 | 75 | | | 100 |
| 22UTAME36 | Internal Elective – I : இசைத்தமிழ் | 4 | 4 | 25 | 75 | | | 100 |
| 22UTAMS37 | IV | Skill Based Subject – III: கணினியில் தமிழ் பயன்பாடு | 2 | 2 | 25 | 75 | | | 100 |
| 22UTAMN38 | Non-Major Elective – I: ஆட்சித்தமிழ் – 1 | 2 | 2 | 25 | 75 | | | 100 |
|  |  | **Total** | **30** | **24** |  |  | | | **800** |
|  |  | **SEMESTER – IV** |  |  |  | |  |  | |
| 22UTAML41 | I | Language Course – IV: Tamil-IV | 5 | 3 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UENGL42 | I | English Course – IV: English Through Literature-II | 5 | 3 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UTAMC43 | III | Core Course – VII: காப்பிய இலக்கியம் | 4 | 4 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UTAMC44 | Core Course – VIII : நம்பியகப்பொருள் | 4 | 4 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UTAMA45 | Allied Course – IV: தமிழிலக்கிய வரலாறு – 2 | 4 | **3** | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UTAME46 | Internal Elective – II : நாடகத்தமிழ் | 4 | 4 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UTAMN47 | IV | Non-Major Elective – II: ஆட்சித்தமிழ் – 2 | 2 | 2 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UNMSD02 |  | **MS OFFICE FUNDAMENTALS** | 2 | **2** | 25 | | 75 | 100 | |
|  |  |  | **30** | **25** |  | |  | **800** | |
|  |  | **SEMESTER – V** |  |  |  | |  |  | |
| 22UTAMC51 | III | Core Course - IX: சங்கஇலக்கியம் – அகம்/ புறம் | 6 | 4 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UTAMC52 | Core Course - X : புறப்பொருள் வெண்பாமாலை | 6 | 4 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UTAMC53 | Core Course - XI: ஊடகவியல் | 6 | **3** | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UTAMC54 | Core Course - XII : திராவிடமொழிகளின் ஒப்பாய்வு | 6 | 4 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UTAME55 | Internal Elective - III : கோயிற்கலையும் பண்பாடும் | 4 | 4 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UGENS56 | IV | Gender Studies | **2** | **1** | **25** | | **75** | **100** | |
|  |  | **Total** | **30** | **20** |  | |  | **600** | |
|  |  | **SEMESTER – VI** |  |  |  | |  |  | |
| 22UTAMC61 | III | Core Course - XIII: அற இலக்கியம் | 6 | 5 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UTAMC62 | Core Course - XIV : தண்டியலங்காரம் | 6 | 5 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UTAMC63 | Core Course - XV: இலக்கியத் திறனாய்வியல் | 6 | 5 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UTAMC64 | Core Course - XVI : நாட்டுப்புற இலக்கியம் | 6 | 5 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UTAME65 | Internal Elective - IV : ஒப்பிலக்கியம் | 4 | 4 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UTAMS66 | IV | Skill Based Subject – IV: படைப்பிலக்கியம் | 2 | 2 | 25 | | 75 | 100 | |
| 22UEXTA67 | Extension Activities | **-** | **1** | **100** | | **-** | **100** | |
| 22UNMSD03 |  | **SDC-III: Employability Readiness (Naandi/Unnati/IBM Skillsbuild)** |  | **0** | **25** | | **75** | **100** | |
|  |  | **Total** | **30** | **27** |  | |  | **800** | |
|  |  |  | **180** | **140** |  | |  | **4600** | |

**List of Allied Courses (Choose 1 out of 3 in each Semester)**

| **Semester** | **Course Code** | **Course Title** | **H/W** | **C** | **CIA** | **ESE** | **Total** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| I | 22UTAMA15-1 | தமிழக வரலாறும் பண்பாடும் - 1 | 5 | 3 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAMA15-2 | தமிழ் இலக்கண வரலாறு | 5 | 3 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAMA15-3 | தமிழ்மொழி வரலாறு | 5 | 3 | 25 | 75 | 100 |
| II | 22UTAMA25-1 | தமிழக வரலாறும் பண்பாடும் - 2 | 4 | 3 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAMA25-2 | தமிழர் நாகரிகமும் பண்பாடும் | 4 | 3 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAMA25-3 | இந்திய இலக்கியம் | 4 | 3 | 25 | 75 | 100 |
| III | 22UTAMA35-1 | தமிழிலக்கிய வரலாறு - 1 | 4 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| IV | 22UTAMA45-1 | தமிழிலக்கிய வரலாறு - 2 | 4 | 4 | 25 | 75 | 100 |

**List of Internal Elective Courses (Choose 1 out of 3 in each Semester)**

| **Semester** | **Course Code** | **Course Title** | **H/W** | **C** | **CIA** | **ESE** | **Total** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| III | 22UTAME36-1 | இசைத்தமிழ் | 4 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAME36-2 | இதழியல் | 4 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAME36-3 | சித்தர் இலக்கியம் | 4 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| IV | 22UTAME46-1 | நாடகத்தமிழ் | 4 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAME46-2 | இந்திய நிர்வாகம் | 4 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAME46-3 | பதிப்பியல் | 4 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| V | 22UTAME55-1 | கோயிற்கலையும் பண்பாடும் | 4 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAME55-2 | விளம்பரக் கலை | 4 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAME55-3 | அறிவியல் தமிழ் | 4 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| VI | 22UTAME65-1 | ஒப்பிலக்கியம் | 4 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAME65-2 | மொழிபெயர்ப்பு | 4 | 4 | 25 | 75 | 100 |
| 22UTAME65-3 | அகராதியியல் | 4 | 4 | 25 | 75 | 100 |

**Credit Distribution**

| **Part** | **Study Components** | **Papers** | **Credits** | **Total Credits** | **Marks** | **Total Marks** |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| Part I | Languages | 4 | 3 | 12 | 100 | 400 |
| Part II | Communicative English & English | 4 | 3 | 12 | 100 | 400 |
| Part III | Core Courses | 16 | 4-5 | 68 | 100 | 1600 |
|  | Allied Courses | 4 | 3-4 | 14 | 100 | 400 |
|  | Internal Electives | 4 | 4 | 16 | 100 | 300 |
| Part IV | Environmental Studies | 1 | 2 | 2 | 100 | 100 |
|  | Value Education | 1 | 1 | 1 | 100 | 100 |
|  | Soft Skill | 1 | 1 | 1 | 100 | 100 |
|  | Gender Studies | 1 | 1 | 1 | 100 | 100 |
|  | Non Major Electives | 2 | 2 | 4 | 100 | 200 |
|  | Skill Based Courses | 4 | 2 | 8 | 100 | 400 |
| Part V | Extension Activities | 1 | 1 | 1 | 100 | 100 |
|  |  | **43** |  | **140** |  | **4300** |

**முதலாம் ஆண்டு - முதற்பருவம்**

**Part-III-Core Course -I**

**22UTAMC13: ,f;fhy ,yf;fpaq;fs**;

**fw;wypd; Nehf;fq;fs; (LEARNING OBJECTIVES)** தரப்புள்ளி - 4, மணி - 5

1. fhye;NjhWk; jkpopyf;fpa tsu;r;rpapd; mbg;gilapy; jw;fhy jkpo; ,yf;fpa tsu;epiyia mwpjy;.
2. rkfhyj;Jf; ftpij> ciueilapd; jiyaha gz;Geyd;fis czu;jy;.
3. eilKiw rKjhaj;jpd; gpur;ridfisAk; mjd; jPu;TfisAk; mwptjw;Fk; mJ njhlu;ghd rpe;jid Nkk;ghl;bw;Fk; top Vw;gLj;Jjy;.
4. rKjha gbepiy gFg;GfisAk; rpf;fy;fisAk; mwpjy;.
5. ,yf;fpa gilg;ghf;fj;jpd; Gjpa cj;jpfis czu;e;J gilg;ghw;wiy Cf;Ftpj;jy;.

**ghlj;jpd; ntspg;ghLfs;: (COURSE OUTCOMES)**

1. ftpijfs; fhye;NjhWk; fl;likg;ig khw;wpf;nfhs;s Ntz;bajd; mtrpaj;ijAk; mjd; cUthf;f cj;jpfspd; khWghl;ilAk; njupe;Jnfhs;sy;.
2. fij ,yf;fpaq;fs; rKjha ,aq;Fjsj;Jld; nfhz;bUf;Fk; njhlu;ig tpsq;fpf;nfhs;s itj;jy;.
3. rpWfij>Gjpdk; Nghd;w ,yf;fpatbtq;fs; NkiyehLfspd; tUifahf ,Ug;gpDk; ,d;iwa ,yf;fpa cyfpy; NkiyehLfSf;Nf rthy; tpLfpd;w epiyapy; tsu;r;rp ngw;wpUg;gij Ma;e;jwpa itj;jy;.
4. ciueil ,yf;fpaq;fs; kf;fNshL nfhz;bUf;Fk; kpfneUf;fkhd cwit ghlg;gFjpfshy; Gupaitj;jy;.
5. ,f;fhy ,yf;fpaq;fs; ,d;iwa rKjhag; gpur;ridfis Kd;itg;gjw;Fk; KbTfhz;gjw;Fk; rpwe;j topj;jlq;fs; vd;gij czuitj;J mjd;top gilg;ghf;fj;jpwid Cf;Ftpj;jy;.

**III-Core Course -I ,f;fhy ,yf;fpak; (22UTAMC13)**

**myF -1 kuGf;ftpij**

1.ghujpahu; - 3 ghly;fs;

1.fhiyg;nghOJ - 1-10 (ftpijfs; kl;Lk; )

2.epyhTk; tpz;kPd; fhw;Wk; - ( 1, 2 ftpijfs; )

3.kio ( Kjy; -10 mbfs; kl;Lk;)

2.ghujpjhrd; - 3 ghly;fs;

1. ,aw;if - ,URlUk; vd;tho;Tk; (jiyg;Gf; ftpij)

2. ngz;ZyF - ifk;ik ngz;epiy(jiyg;Gf; ftpij)

3. jpuhtplk; - ,irj;jkpo; (jiyg;Gf; ftpij)

3.Rujh - 3 ghly;fs;

1.JiwKfk; - (jiyg;Gf; ftpij kl;Lk;)

2.ntd;wtid ntd;wtd; (JiwKfk; E}y;)

3.ngUe;jiytu; fhkuhru; (JiwKfk; E}y;)

4.Kbaurd; ftpijfs; - 3 ghly;fs;

1.Foe;ij ,d;gk; (jiyg;gpy; mike;j ftpij)

2.njhopyhsp (jiyg;gpy; mike;j ftpij)

3.JiwNjhWk; jkpNo fhz;gPu; (jiyg;gpy; mike;j ftpij)

5.thzpjhrd; ftpijfs; - 3 ghly;fs;

1.gutl;Lk; jPNa ( njhFjp - 2)

2.Gjpa cyfk; ( njhFjp - 2)

3.tWik ( njhFjp - 2)

**myF -2 GJf;ftpij**

1.Nkj;jh - capu;g;ghLk; xg;ghup (E}y;: Mfhaj;Jf;F mLj;jtPL)

2.mg;Jy; uFkhd; - Nghl;b (E}y;: Myhgid)

3.ituKj;J - kuq;fisg; ghLNtd; (,e;j G+f;fs; tpw;gidf;F my;y)

4.,d;Fyhg; - vOf kdpjNd (E}y;: xt;nthU Gy;iyAk;)

5.,uh.kPdhl;rp - fhw;Nwh fhw;W (E}y;: RLG+f;fs;)

**myF -3 rpWfij:**

1.md;gspg;G - F.mofpuprhkp.

2epidTg;ghij - Gjikg;gpj;jd;

3.ehw;fhyp - fp.uh[ehuhazd;.

5.kdpjhgpkhdk; - jp.[hdfpuhkd;.

6.tiy - ghtz;zd;;.

7.me;jp - ghkh.

8.fhfpj cwT - R.rKj;jpuk;.

\* ghlE}y;: cjak;-rpWfijj;njhFg;G> gpurhl;gg;spNf\d;];> nrd;id-14 (tpiy&.60.00)

**myF - 4 Gjpdk;**

1.R.jkpo;r;nry;tp - fPjhup. (நாவல்) (NBH, Chennai - 98)

**myF - 5 ciueil**

1.ts;Stu; tFj;j ,y;ywk; - ehkf;fy; ftpQu;.

2.rq;f newpfs; - t.Rg.khzpf;fk;.

3.el;G fhyk; - Ntjhj;jpup kfup\p.

4.jkpou; gz;ghL xU tpsf;fk; - lhf;lu; Nrh.eh.fe;jrhkp.

5.rkaq;fs; tsu;j;j jkpo; - kapiy rPdp Ntq;flrhkp.

6.r%f kjpg;gPLfis cau;j;Jk; fy;tp - lhf;lu; fh. kPdhl;rp Re;juk;.

7.jPud; rpd;dkiy - Kidtu; nr.,uhR.

8.Gjpu; vjpu;fhyk; - rpw;gp ghyRg;gpukzpak;.

ghlE}y; :

1. Gjpu; vjpu;fhyk ;(fl;Liufs;-8 fl;Liufs;njhFg;G)> mwpTg;gjpg;gfk;>nrd;id-14.

**OUTCOME MAPPING**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 2 | 2 | 2 | 3 |
| C02 | 2 | 1 | 2 | 1 | 2 |
| C03 | 3 | 2 | 2 | 2 | 2 |
| C04 | 1 | 2 | 2 | 3 | 2 |
| C05 | 2 | 3 | 2 | 2 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

**முதலாம் ஆண்டு - முதற்பருவம்**

**Part-III-Core Course -III - (22UTAMC14)**

**தாள்-இலக்கணம்-1 : நன்னூல்- எழுத்ததிகாரம் (காண்டிகையுரை)**

**(முதன்மைப் பாடம்)**

**fw;wypd; Nehf;fq;fs; (LEARNING OBJECTIVES)** தரப்புள்ளி - 4, மணி -5

|  |  |
| --- | --- |
| LO 1. | நன்னூலின் எழுத்திலக்கணம், சொல்லிலக்கணத்தின் சிறப்பியல்புகளைக் கற்பித்தல் |
| LO 2. | தொல்காப்பிய எழுத்தியல், சொல்லியல் பார்வையுடன் ஒப்பிட்டுக் கற்பித்தல் |
| LO 3. | பதத்தின் இலக்கண வகையை அறிதல் |
| LO 4. | புணர்ச்சியின் இலக்கணத்தை முழுமையாக கற்பித்தல் |
| LO 5. | கல்வி கற்கும் முறை போன்ற தலைப்புகள் அடங்கிய பாயிரவியல் முழுமையும் கற்பித்தல் |

**கற்றலில் விளை பயன்கள்:** (COURSE OUTCOMES)

|  |  |
| --- | --- |
| CO 1. | நன்னூலின் தமிழ் இலக்கண அமைப்பைக் கற்றல் |
| CO 2. | தொல்காப்பியத்துடன் ஒப்பிட்டு நன்னூலின் சிறப்பியல்புகளை அறிதல் |
| CO 3. | பதத்தின் இலக்கண வகையைக் கற்றல் |
| CO 4. | புணர்ச்சியின் இலக்கணத்தை முழுமையாக உணர்தல் |
| CO 5. | கல்வி கற்கும் முறை போன்ற தலைப்புகள் அடங்கிய பாயிரவியல் முழுமையும் உணர்ந்து கொள்ளல் |

**அலகு 1.** **பாயிரவியல்**

பாயிரவகை - உத்தியின் இலக்கணம் - முப்பத்திரண்டு உத்திகள் - நூலின் இலக்கணம்-ஆசிரியர் இலக்கணம் - மாணவர் இலக்கணம் - நூலைக் கற்கும் முறை - ஆசிரியரிடம் மாணவர் பழகும் முறை - நூல் இயற்றும் முறை - கல்வி கற்கும் முறை போன்ற தலைப்புகள் அடங்கிய பாயிரவியல் முழுமையும்.

**அலகு 2.** **எழுத்தியல்**

எழுத்துக்களின் எண்ணிக்கை - எழுத்துக்களின் பிறப்பு - மொழி முதல் எழுத்துக்கள் - மொழி இறுதி எழுத்துக்கள் -போலி எழுத்துக்கள் - உயிர்மெய் எழுத்து- அளபெடைகள்- குற்றியலுகரம் - ஐ,இ, ஔ குறுக்கங்கள் -மகரக்குறுக்கம் -ஆய்தக்குறுக்கம் முதலிய தலைப்புகள் அடங்கிய எழுத்தியல் முழுமையும்.

**அலகு 3.** **பதவியல்**

பதத்தின் இலக்கணமும் வகையும்-பகுபத உறுப்புகள்-வடமொழியாக்கம்-ஓரெழுத்து ஒருமொழி-தொடர் எழுத்து ஒருமொழி-காலம் காட்டும் இடைநிலைகள் - தமிழ் மொழியின் சிறப்புகள் முதலிய தலைப்புகள் அடங்கிய பதவியல் முழுமையும்.

**அலகு 4. உயிரீற்றுப் புணரியல்**

புணர்ச்சியின் இலக்கணம் - உயிரீற்றுச் சொற்களின் புணர்ச்சி - எண்ணுப் பெயர் புணர்ச்சி - இயல்புப் புணர்ச்சி - விகாரப் புணர்ச்சி - செய்யுள் விகாரம் - மரபுப் பெயர்ப் புணர்ச்சி - திசைப் பெயர்ப் புணர்ச்சி தலைப்புகள் அடங்கிய உயிரீற்றுப்புணரியல் முழுமையும்.

**அலகு 5.** **மெய்யீற்றுப் புணரியல், உருபுப் புணரியல்**

தொழிற் பெயர், ஏவல், வினைமுற்றுப் புணர்ச்சி- மெய்யீற்றுச்சொற்களின் புணர்ச்சி - வேற்றுமை உருபுகள் புணருதல் ண, ன, ஈற்றுப் புணர்ச்சி-மகர ஈற்றுப் புணர்ச்சி - ல, ள ஈற்றுப் புணர்ச்சி-வகர ஈற்றுப் புணர்ச்சி- சாரியைகள் - இடப்பெயர்கள் உருபு ஏற்றல் - அவ் முதலிய சுட்டுப் பெயர்கள் உருபு ஏற்றல் - சாரியைகளைக் கண்டறியும் முறை முதலிய தலைப்புகள் அடங்கிய மெய்யீற்றுப் புணரியல், உருபு புணரியல் முழுமையும்.

**பாட நூல்:**

1. நன்னூல் - எழுத்ததிகாரம் - காண்டிகையுரை.

**பார்வை நூல்கள்:**

1. நன்னூல் மூலமும் உரையும், புலவர் கோ.வில்வபதி, பழனியப்பா பிரதர்ஸ், சென்னை.
2. நன்னூல் எழுத்ததிகாரம் - தேவிரா உரை (இரா.இராசேந்திரன்) நந்தினி பதிப்பகம், சென்னை.
3. வெள்ளைவாரணன். க., தொல்காப்பியம் நன்னூல் - எழுத்ததிகாரம், மெய்யப்பன் பதிப்பகம், சிதம்பரம் : 2001.
4. சாமுவேல் பிள்ளை, தொல்காப்பிய நன்னூல், கிறிஸ்து மதக்கியான விளக்கச் சங்கத்தார் அச்சுக்கூடம், சென்னை : 1858.
5. சண்முகம். சே.வை., எழுத்திலக்கணக்கோட்பாடு, உலகத்தமிழாராய்ச்சி நிறுவனம், சென்னை.
6. இளங்குமரன். இரா., இலக்கண வரலாறு, மணிவாசகர் பதிப்பகம், சென்னை: 2009.

OUTCOME MAPPING:

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 1 | 1 | 2 | 3 |
| C02 | 3 | 2 | 1 | 2 | 2 |
| C03 | 2 | 1 | 2 | 2 | 3 |
| C04 | 3 | 1 | 2 | 2 | 2 |
| C05 | 2 | 1 | 1 | 2 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

**Part-III- Allied Course – I - (22UTAMA15-1)**

**தாள் 1 : தமிழக வரலாறும் பண்பாடும் – பகுதி 1**

**(சார்புப் பாடம்)**

தரப்புள்ளி – 3

மணி – 5

**கற்றலின் நோக்கங்கள் (LEARNING OBJECTIVES)**

1. தமிழக வரலாற்றை இந்திய வரலாற்றின் பின்புலத்தில் இருந்து கற்பித்தல்
2. தமிழ்ப் பண்பாட்டின் தொன்மை, தொடர்ச்சிகளை வரலாற்று நிலையில் உணர்த்துதல்
3. சங்க காலத்தில் தமிழ்மொழியின் நிலையைப் பற்றி கற்பித்தல்
4. நிலவியல் கூறுகளைப் பற்றி கற்பித்தல்
5. மன்னர்கள் கால ஆட்சி முறைப் பற்றி உணர்த்துதல்

**கற்றலில் விளை பயன்**

1. இந்திய வரலாற்றுப் பின்புலத்தில் தமிழக வரலாற்றை அறிதல்
2. தமிழ்ப் பண்பாட்டின் தனித்தன்மை, தொடர்ச்சிகளை உணர்தல்
3. மொழியின் வளர்ச்சியைப் பற்றி உணர்தல்
4. நிலவியல் கூறுகளை அறிதல்
5. மன்னர்கள் கால ஆட்சி முறையைப் பற்றி அறிதல்

**அலகு--1.** **நிலவியல் கூறுகள் – வரலாற்றுச்சான்றுகள் – தொல்பழங்காலம்**

இலக்கிய ஆதாரங்கள் – இலக்கிய தொல்பொருள் ஆதாரங்கள் – உள் நாட்டு இலக்கியங்கள் – வெளிநாட்டினரின் குறிப்புகள் – இரட்டைக் காப்பியங்கள் – பல்லவர்கால பக்தி இலக்கியங்கள் – பாண்டியர் கால இலக்கியங்கள் – பிறமொழி இலக்கியங்கள் - சோழர்காலம் – விஜயநகர காலம் – யுவான் சுவாங், மார்க்கோபோலோ, அமீர்குஸ்ரூ – குறிப்புகள் – கல்வெட்டுகள் – பட்டயங்கள் – நாணயங்கள் – நினைவுச்சின்னங்கள் – தமிழக நிலை இயற்கைக்கூறுகள் – நிலப்பரப்பு – பிரிவுகள் – மலைப்பகுதிகள் – ஆறுகள் – சமவெளிகள் – அணைகளும் ஏரிகளும் – துறைமுகங்கள் – தமிழகத்தின் இனப்பரப்பு – தொல்பழங்காலம் முற்றும்.

**அலகு- 2. தமிழ்மொழி- சங்ககாலம்**

சங்ககால இலக்கியங்கள் – அகம், புறம், தொகை நூல்கள்- சங்கமருவியகாலம், சங்ககாலம் எது? ஆய்வு – சங்ககாலத்தில் சேரர்கள், சோழர்கள், பாண்டியர்கள், குறுநில மன்னர்களின் ஆட்சிமுறை – வெற்றிச்சிறப்பு – சங்ககாலப் பண்பாடு, சமுதாயம், வாழ்க்கை முறை, பெண்கள், பொருளாதாரம், உள்நாட்டு வாணிபம், வெளிநாட்டு வாணிபம் –சமயம் – பிறசமயங்கள் – நுண்கலைகள் – கட்டிடக்கலை – சிற்பம், ஓவியம், இசைக்கலை – சங்ககாலத்தின் வீழ்ச்சிக்கான காரணங்கள்.

**அலகு--** **3. பல்லவர் காலம்**

பல்லவர்கால வரலாறு - பல்லவர்களின் தோற்றம்- பல்லவர்கள் யார்? ஆய்வு –முற்காலப் பல்லவர்கள்–பிற்காலப் பல்லவர்கள் – மன்னர்களின் படையெடுப்புகளும் வெற்றிச்சிறப்புகளும் – அபராஜித வர்மனும் பல்லவர்களின் வீழ்ச்சியும்

**அலகு--** **4.** **பல்லவர்கள் உறவுகளும் கலைகளும்**

பல்லவர் சாளுக்கிய உறவு- பல்லவ பாண்டியர் உறவு, பல்லவர் இராஷ்டிரகூடர் உறவு – பல்லவர் காலப்பண்பாடு – பல்லவர்கால ஆட்சிமுறை – சமுதாயம் – பல்லவர்காலப் பொருளாதாரம் – பல்லவர்காலச் சமயம் – நாயன்மார்கள் – ஆழ்வார்கள் – பல்லவர்கால நுண்கலைகள் – கட்டிடக்கலை – சிற்பக்கலை – ஓவியக்கலை – இசைக்கலை – நடனக்கலை – நாடகக்கலை – இலக்கியக்கலை.

**அலகு--** **5. சோழர் காலம்**

சோழர்கள் வரலாறு -விஜயாலயன் முதல் பராந்தகன் வரை –வெற்றிச்சிறப்பு – முதலாம் இராசராசன் – முதலாம் இராஜேந்திரன் – முதலாம் குலோத்துங்கன் – போர் வெற்றிச்சிறப்பு – குலோத்துங்கனின் பின்தோன்றல்கள் – சோழர்காலப் பண்பாடு- ஆட்சிமுறை – கிராம ஆட்சி முறை – சமுதாயமும் பொருளாதாரமும் – சோழர்காலச் சமயம் – நுண்கலைகள் – சோழர்கால இலக்கியம் – கல்விமுறை – சோழப்பேரரசின் வீழ்ச்சி .

**பாடநூல்:**

1. பிள்ளை. கே.கே., தமிழக வரலாறும் பண்பாடும், உலகத் தமிழாராய்ச்சி நிறுவனம், தரமணி, சென்னை – 600 113.

**பார்வை நூல்**

1. சுவாமிநாதன். ஏ., தமிழக வரலாறும் பண்பாடும், தீபா பதிப்பகம், சென்னை.
2. வேதிச்செல்வம். தமிழக வரலாறும் பண்பாடும், மணிவாசகர் பதிப்பகம், சென்னை- 600 108.
3. தட்சணாமூர்த்தி. அ., தமிழர் நாகரிகமும் பண்பாடும், ஐந்திணைப் பதிப்பகம்.
4. இராசமாணிக்கனார். மா., தமிழ்ப் பண்பாட்டு வரலாறு, காவ்யா பதிப்பகம், சென்னை.
5. நீலகண்ட சாஸ்திரி. கே.ஏ., தென்னிந்திய வரலாறு, இலங்கை அரசாங்க வெளியீடு: 1966.
6. சதாசிவப் பண்டாரத்தார், பிற்காலச் சோழர் சரித்திரம், அண்ணாமலைப் பல்கலைக்கழகம், சிதம்பரம்: 1954.

தமிழ்நாட்டு வரலாறு- தமிழ்நாட்டு வரலாற்றுக்குழு, தமிழ்நாடு அரசு வெளியீடு, சென்னை.

**Part-III- Allied Course – I - (22UTAMA15-2)**

**தாள் 1 : தமிழ் இலக்கண வரலாறு**

**(சார்புப் பாடம்]**

தரப்புள்ளி – 3

மணி – 5

**பாடநோக்கம்:**

1.தொன்றுதொட்டுத் தமிழில் தோன்றிய இலக்கண நூல்களின் வரலாற்றை மாணவர்களுக்குக் கற்பித்தல்.

2.போட்டித் தேர்வுகளில் கலந்து கொள்ளும் விழிப்புணர்வை ஏற்படுத்துதல்.

**கற்றலில் விளை பயன்கள்:**

1. தமிழ் இலக்கணங்களை அறிந்து கொள்ளுதல்.

2. இலக்கண நூல்கள் மூலம் மொழியின் வளமையை உணர்தல்.

3. போட்டித் தேர்வுகளில் கலந்து கொள்ளும் வாய்ப்பு பெறுதல்.

**அலகு-1**

இலக்கண வரலாறு - அகத்தியம் - தொல்காப்பியம்.

**அலகு-2**

இறையனார் அகப்பொருள் - அவிநயம் - காக்கைப் பாடினியம் - புறப்பொருள் வெண்பாமாலை - தமிழ்நெறி விளக்கம் - யாப்பருங்கலக் காரிகை - வீரசோழியம் - வச்சணந்தி மாலை.

**அலகு-3**

நேமிநாதம் - வெண்பாப் பாட்டியல் - தண்டியலங்காரம் - நன்னூல் - அகப்பொருள் விளக்கம் - பன்னிரு பாட்டியல் - திவாகரம் - பிங்கலந்தை - உரிச்சொல் நிகண்டு - சூடாமணி.

**அலகு-4**

நவநீதப் பாட்டியல் - வரையறுத்தப் பாட்டியல் - சிதம்பரப் பாட்டியல் - மாறனலங்காரம் - மாறனகப்பொருள் - பா - பாவினம் - சிதம்பர செய்யுட் கோவை - பிரயேக விவேகம் - இலக்கண விளக்கம் - இலக்கணக் கொத்து.

**அலகு-5**

தொன்னூல் விளக்கம் - பிரபந்தத்தீபிகை - முத்துவீரியம் - சுவாமிநாதம் -சந்திராலோகம் - குவலயானந்தம் - மறைந்து போன நூல்கள்.

**பாடநூல்:**

சோம இளவரசு - `இலக்கண வரலாறு’

மெய்யப்பன் பதிப்பகம்,

53, புதுத் தெரு, சிதம்பரம்-608 001.

**பார்வை நூல்:**

புலவர் இரா. இளங்குமரன் - `இலக்கண வரலாறு’

மணிவாசகர் பதிப்பகம்,

31, சிங்கர் தெரு, பாரிமுனை,

சென்னை-600 108.

**முதலாம் ஆண்டு- முதற்பருவம் (Semester - I)**

**Part-III- Allied Course – I - (22UTAMA15-3)**

**தாள் 1 : தமிழ்மொழி வரலாறு (சார்புப் பாடம்]**

தரப்புள்ளி – 3

மணி – 5

**பாடநோக்கம்:**

1.தொன்மைக் காலத்திலிருந்து இக்காலம் வரை தமிழின் ஒலி, வரி வடிவ மாற்றங்களை உணர்த்துதல்.

2.காலந்தோறும் தமிழ்இலக்கணக் கூறுகள் அடைந்த மாற்றங்களை உணர்த்துதல்.

**கற்றலில் விளை பயன்கள்:**

1. தமிழ் மொழியின் ஒலி, வரி வடிவ மாற்றங்களைத் தெரிந்து கொள்ளுதல்.

2. காலந்தோறும் தமிழ் மொழியின் வளர்ச்சி குறித்து அறிதல்.

3. எழுத்துச் சீர்திருத்தம் பற்றி அறிதல்.

4. போட்டித் தேர்வுகளை எதிர் கொள்ளுதல்.

**அலகு-1**

மொழி அமைப்பும் வரலாறும் - வரலாற்றுச் சான்றுகள் - தொல் திரவிட மொழியும் தமிழும் - தமிழ்ப் பிராமிக் கல்வெட்டுத் தமிழ்.

**அலகு-2**

தொல்காப்பியத் தமிழ் - சங்க காலத்தமிழ் - சங்கம் மருவிய காலத் தமிழ்.

**அலகு-3**

பல்லவர் காலத் தமிழ் - சோழர் காலத்தமிழ் - நாயக்கர்காலத் தமிழ் - மராட்டியர் காலத் தமிழ்.

**அலகு-4**

பத்தொன்பது, இருபதாம் நூற்றாண்டுத் தமிழ் - அறிவியல் தமிழ் - கல்வெட்டுத் தமிழ்.

**அலகு-5**

தமிழ்க் கிளைமொழிகள் - சொற்பொருள் மாற்றம் - தமிழ் வரிவடிவ வரலாறு - எழுத்துச் சீர்திருத்தம்.

**பாட நூல்:**

டாக்டர் சு.சக்திவேல் - `தமிழ்மொழி வரலாறு’

மணிவாசகர் பதிப்பகம்

31, சிங்கர் தெரு,

பாரிமுனை,சென்னை-600 108.

**பார்வை நூல்கள்:**

1. டாக்டர் தெ.பொ.மீ. - `தமிழ்மொழி வரலாறு’

சர்வோதய இலக்கியப் பண்ணை

மதுரை.

2. டாக்டர் மு.வரதராசன் - `மொழி வரலாறு’

கழக வெளியீடு

154, டி.டி.கே. சாலை,

சென்னை-18.

**முதலாம் ஆண்டு- முதற்பருவம்**

**Part-IV-Skill Based Course - I - (22UTAMS16)**

திறன்சார் விருப்பப்பாடம் - தாள் 3 - முதல் பருவம்

**தமிழரின் சித்த மருத்துவம்**

**fw;wypd; Nehf;fq;fs; (LEARNING OBJECTIVES)** தரப்புள்ளி - 2, மணி – 3

|  |  |
| --- | --- |
| LO 1. | தமிழரின் மரபு மருத்துவ அறிவில் சிறந்து இருந்துள்ளதை இளையருக்கு உணர்த்துதல். |
| LO 2. | மறைந்து கொண்டிருக்கும் சித்த மருத்துவத்தை மாணவர்கள் அறிந்து கொள்ளச் செய்தல். |
| LO 3. | இயற்கைசார் வாழ்வியல் நோய்வராமல் வாழவும், வந்த நோயிலிருந்து மீளவும் பல வழிகளைக் கொண்டுள்ளமையை உணர்த்துதல். |
| LO 4. | காய்,கனி ,தளிர் மற்றும் மலர்களில் உள்ள மருத்துவத் தன்மையை தெளிவித்தல். |
| LO 5. | உணவும் வாழ்வியல் நல்லொழுகலாறுகளும் நோய் வராமல் காக்கும் காரணிகள் என விளங்கச்செய்தல். |

**கற்றலில் விளை பயன்கள்:** (COURSE OUTCOMES)

|  |  |
| --- | --- |
| CO 1. | தமிழரும் தமிழ்நூல்களும் மருத்துவ மூலங்கள் என்பதை தெளிதல். |
| CO 2. | சித்த மருத்துவம் குறித்து அறிதல். |
| CO 3. | நோய்க்கான காரணத்தை தாமே அறியும் திறனை அறிய செய்தல். |
| CO 4. | நோய் நீக்கும் மருந்துகள் குறித்தும் இயற்கையோடு இயைந்து வாழ்வு குறித்தும் அறிதல். |
| CO 5. | மூலிகைகளின் மகத்துவம் உணர்தல். |
| CO 6. | பருவ காலங்களுக்கேற்ப வாழ்வியல் முறைகளை அமைத்துக்கொள்ள அறிதல். |

அலகு – 1 சங்க இலக்கியத்தில் மருத்துவம்

நோய் - பிணி - மருந்து - மருத்துவர்கள் - மருத்துவ அறம் - மருநதாகப் பயன்படும் மரங்கள் - நோய் வகைகளும் தீர்வுகளும் - பசிப்பிணி - குட்ட நோய் - சுரம் - வேது பிடித்தல் - புண்களுக்கான மருத்துவம் - அறுவை மருத்துவம் - வயா நோய் - பூக்கள் வழி மருத்துத்துவம் - கனிகளும் மருத்துவ குணமும்.

அலகு – 2 அறஇலக்கியங்களில் மருத்துவம்

திருக்குறளில் மருத்துவச் செய்திகள் - நாலடியாரில் மருத்துவச் செய்திகள் - திரிகடுகத்தில் மருத்துவச் செய்திகள் - ஆசாரக்கோவையில் மருத்துவம் சார் ஒழுகலாறுகள் - உடல் தூய்மை - உள்ளத்தூய்மை - சிறுபஞ்சமூலம் - ஏலாதி - நூலக்ளில் மருத்துவச் செய்திகள் - ஔவை நூல்களில் மருத்துவச் செய்திகள்.

அலகு – 3 இடைக்கால இலக்கியங்களில் மருத்துவம்

சித்தர்களும் மருத்துவ முறைகளும் - திருமந்திரத்தில் மருத்துவச் செய்திகள் - திருக்கருவியல் வெளிப்படுத்தும் மருத்துவச் செய்திகள் - சிற்றிலக்கியங்களில் மருத்துவம் - சதக இலக்கியங்களில் மருத்துவச் செய்திகள்.

அலகு – 4 இக்கால இலக்கியங்களில் மருத்துவம்

கவிதைகளில் மருத்துவச் செய்திகள் - புதினங்களில் மருத்துவச் செய்திகள் - சுளுந்தீ புதினத்தில் மருத்துவச் செய்திகள் - திரைப்படப் பாடல்களில் மருத்துவச் செய்திகள்.

அலகு – 5 நாட்டுப்புற வழக்காறுகளில் மருத்துவம்

நாட்டுப்புறப் பாடல்களில் மருத்துவச் செய்திகள் - நாட்டுப்புற மருத்துவம் - மந்திர சமய மருத்துவம் - இயற்கை மருத்துவம்.

பாட நூல்கள் :

1. முனைவர் செ. காளிமுத்து, 2021, தமிழ் இலக்கியங்களில் மருத்துவம், அரசு பதிப்பகம், கும்பகோணம் - 1
2. முத்துநாகு. 2018, சுளுந்தி, ஆதி பதிப்பகம், பவித்திரம், திருவண்ணாமலை- 2
3. சு.சக்திவேல், 1993, நாட்டுப்புற இயல் ஆய்வு, மணிவாசகர் பதிப்பகம், சிதம்பரம் -

**பார்வை நூல்கள்:**

* + - 1. மருத்துவர் கு.சிவராமன், - நலம் காக்க வாங்க வாழலாம் நியூ செஞ்சுரி புக் ஹவுஸ் (பி) லிட், சென்னை-98.
      2. டாக்டர் கோ.மா.கோதண்டம் - இயற்கை உணவும் இயற்கையால் தீரும் நோய்களும் ,கற்பகம் புத்தகாலயம், சென்னை.
      3. மருத்துவர் கு.சிவராமன் - ஆறாம் திணை- ஏழாம் அறிவு
      4. டாக்டர் ஏ.இராமலிங்கம் - சித்த மருத்துவம் -நோயும் மருந்தும், கற்பகம் புத்தகாலயம், சென்னை.
      5. மாதர் நோயும் மருத்துவமும்,டாக்டர் சி.இராமகிருஷ்ணன்,NBH,சென்னை.
      6. ஊட்டம் அளிக்கும் உன்னத உணவுகள் - பேரா.செ.நெ.தெய்வநாயகம், பாவை பப்ளிகேஷன்,சென்னை.
      7. உணவே மருந்து(நிலமும் திணையும் உணவும்) - டாக்டர் எல்.மகாதேவன்,காலச்சுவடு பதிப்பகம்,சென்னை.
      8. சு.திருஞானம், 2003, - மூலிகை மருத்துவம், செல்வி பதிப்பகம், திருச்சி.
      9. இரா.முத்துநாகு, 2022, குப்பாமூளி அனுபவ வைத்திய முறை, உயிர் பதிப்பகம்.

**OUTCOME MAPPING:**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 2 | 2 | 2 | 2 |
| C02 | 3 | 3 | 2 | 3 | 2 |
| C03 | 2 | 3 | 3 | 2 | 2 |
| C04 | 2 | 3 | 3 | 1 | 1 |
| C05 | 3 | 3 | 2 | 2 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

**முதலாம் ஆண்டு- இரண்டாம் பருவம்-( II- Semester)**

**Part -III- Core Course -III சிற்றிலக்கியங்கள்; (22UTAMC23)**

jug;Gs;sp- 4, kzpNeuk;- 5;

**fw;wypd; Nehf;fq;fs; (LEARNING OBJECTIVES)**

|  |  |
| --- | --- |
| LO 1. | fhye;NjhWk; jkpopyf;fpa tsu;r;rpapd; mbg;gilapy; ehaf;fu;fhy jkpo; ,yf;fpa tsu;epiyia mwpjy;. |
| LO 2. | Ngupyf;fpafhy epiyf;Fk; rpw;wpyf;fpafhy epiyf;Fkhd murpay; khw;wq;fis czu;jy;. |
| LO 3. | NguuRfspd; cilghLfspy; Kisj;njOe;J rpw;wuRfs; jkpo;nkhop tsu;r;rpf;F ve;epiyapy; Jizepd;wd vd;gij rhd;Wfspd; njsptpj;jy;. |
| LO 4. | rKjha tu;f;f kw;Wk; ,dg;gFg;Gg; gbepiy gFg;GfisAk; rpf;fy;fisAk; mwpjy;. |
| LO 5. | ,yf;fpa gilg;ghf;fj;jpd; Gjpa tiffisAk; cj;jpfis czu;tpj;jy;. |

**ghlj;jpd; ntspg;ghLfs;: (COURSE OUTCOMES)**

|  |  |
| --- | --- |
| CO 1. | rpw;wpyf;fpaq;fs; fhye;NjhWk; fUj;jikg;ig khw;wpf;nfhs;s Ntz;bajd;  mtrpaj;ijAk; mjd; cUthf;f Nehf;fj;jpd; khWghl;ilAk; njupe;Jnfhs;sy;. |
| CO 2. | rpw;wpyf;fpaq;fs; rKjha gpujpepjpfspd; Neu;ik gz;ghl;il Gfo;tjw;F cfe;j Clfk; vd;gij tpsq;f itj;jy;. |
| CO 3. | Ngupyf;fpaq;fspd; rpWrpW cs;cWg;Gfspy; rpw;wpyf;fpaq;fs; tsu;r;rp ngw;wpUg;gij Ma;e;jwpa itj;jy;. |
| CO 4. | mwpTWj;Jk; ,yf;fpaq;fistpl ,d;GWj;Jk; ,yf;fpakhd rpw;wpyf;fpaq;fspy; mofpay; jd;ik kpfneUf;fkhd cwit ngw;wpUg;gijg; ghlg;gFjpfshy; Gupaitj;jy;. |
| CO 5. | jpiug;glg; ghly;fspd; gilg;gpw;Fr; rpw;wpyf;fpaq;fs; mbj;jsk; mikj;Jj; juf;$bait vd;gij czuitj;J mjd;top gilg;ghf;fj;jpwid Cf;Ftpj;jy;. |

**jhs;: rpw;wpyf;fpak; (22UTAE 23)**

**myF - 1**

1. kPdhl;rpak;ik gps;isj;jkpo; - mk;Gypg; gUtk; (10 ghly;fs;)

2. jkpo; tpLJ}J - 1-60 fz;zpfs; ( gpwg;Gk;> rpwg;Gk; czu;Jtd )

**myF -2**

1. jpUtuq;ff; fyk;gfk; - gps;isg; ngUkhs; (Kjy; 10 ghly;fs;)

2. rpwpa jpUkly; - KOtJk;

**myF -3**

1. Kf;$lw;gs;S- tpLjiytpsf;fk;(,isags;sp-khLfs;tiffs;tiu)

2. jpUf;Fw;whyf; FwtQ;rp - kiytsk; gFjp KOtJk; (10 ghly;fs;)

**myF -4**

1.fypq;fj;Jg; guzp - Nga;ghbaJ kl;Lk;.

2. %tUyh - tpf;ukd;Nrhod; cyh (1-220 tupfs;, Kjw;gFjp kl;Lk;)

**myF -5**

1.tPukhKdptu; - jpUf;fhtY}u; fyk;gfk; - Cry; (21 ghly;fs;)

2. Fzq;Fb k];jhd; rhfpG - Ki`jPd; rjfk; ( 1-10 ghly;fs;)

**பாடநூல்கள் :**

1. அலகுகளில் சுட்டப்பட்டள்ள நூல்கள்

**ghu;it E}y;fs**;:

1. jkpopy;rpw;wpyf;fpatuyhW>Kidtu;jh.<];tug;gps;is> jkpo;g;gy;fiyf;fofk;>jQ;ir.
2. jkpopyf;fpatiffs;(njh-2)rh.fpU\;z%u;j;jp>cyfj;jkpohuha;r;rp epWtdk;>nrd;id
3. rpw;wpyf;fpa tiffs;>K.rz;Kfk;gps;is>kzpthrfu; gjpg;gfk;> nrd;id.

**OUTCOME MAPPING**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 1 | 1 | 2 | 3 |
| C02 | 2 | 2 | 2 | 2 | 3 |
| C03 | 2 | 2 | 1 | 2 | 2 |
| C04 | 3 | 2 | 2 | 2 | 3 |
| C05 | 2 | 1 | 2 | 1 | 2 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

**முதலாம் ஆண்டு- இரண்டாம் பருவம் - ( II- Semester)**

**Part -III-Core Course -IV - (22UTAMC24)**

**தாள் - இலக்கணம் - 2 நன்னூல் - சொல்லதிகாரம் (காண்டிகையுரை)**

**(முதன்மைப் பாடம்)**

தரப்புள்ளி - 4, மணி - 5

**fw;wypd; Nehf;fq;fs; (LEARNING OBJECTIVES)**

|  |  |
| --- | --- |
| LO 1. | நன்னூலின் சொல்லதிகார அமைப்பின் நுட்பங்களை விரிவாகக் கற்பித்தல் |
| LO 2. | தொல்காப்பியச் சொல்லதிகாரப் போக்குடன் ஒப்பிட்டு விளக்கல் |
| LO 3. | பொதுவியல் வழி இலக்கணத்தின் பொது நிலையைக் கற்றல் |
| LO 4. | பெயரியல் அடிப்படையில் பல்வேறு வகையான பெயர்களை கற்பித்தல் |
| LO 5. | வினையின் அடிப்படையில் வினையியல் முழுமையும் கற்பித்தல் |

**கற்றலில் விளை பயன்கள்:** (COURSE OUTCOMES)

|  |  |
| --- | --- |
| CO 1. | சொல்லதிகார அமைப்பின் சிறப்பியல்புகளைக் கற்றல் |
| CO 2. | தொல்காப்பியத் தொன்மை மரபுடன் ஒப்பிட்டு ஒற்றுமை வேற்றுமைகளை அறிதல் |
| CO 3. | பொதுவியல் வழி இலக்கணத்தின் பல்வேறு பொது தன்மைகளை அறிதல் |
| CO 4. | வினை பற்றிய பல்வேறு தகவல்களை கற்றல் |

**அலகு - 1: பெயரியல்**

சொல்லின் பொது இலக்கணம் - மூவகை மொழி - மூவிடம் சொற் பாகுபாடு- இயற் சொல் - திரிசொல் - திசைச்சொல் - வடசொல்; பெயரச்சொல்லின் பொது இலக்கணம் -இருதிணைப் பொதுப் பெயர் - தொழிற் பெயரும் வினையாலணையும் பெயரும் - ஆகுபெயர் - வேற்றுமை - உருபு ஏலாப் பெயர்கள் -விளி ஏலாத பெயர்கள்; உருபு மயக்கம் - முதல், சினைப் பெயர்களில் வேற்றுமை உருபு நிற்கும் நிலை போன்ற தலைப்புகள் அடங்கிய பெயரியல் முழுமையும்.

**அலகு - 2.**: **வினையியல்**

தெரிநிலை வினையின் பொது இலக்கணம் - குறிப்பு வினையின் பொதுஇலக்கணம் - வினைமுற்றின் இலக்கணம் - தெரிநிலை வினைமுற்றின் பாகுபாடுகள் - இருதிணைப் பொதுவினை - தன்மை ஒருமை வினைமுற்று - தன்மை பன்மை வினைமுற்று - முன்னிலை ஒருமை வினைமுற்று - முன்னிலை பன்மை வினைமுற்று - வியங்கோள் வினைமுற்று - பெயரெச்சத்தின் இலக்கணம் போன்ற தலைப்புகள் அடங்கிய வினையியல் முழுமையும்.

**அலகு - 3:** **பொதுவியல்**

ஓன்றொழிப் பொதுச்சொல்- தொகை நிலைத் தொடர் மொழிகள் - வேற்றுமைத் தொகை- வினைத்தொகை- பண்புத்தொகை- உவமைத்தொகை- உம்மைத்தொகை- அன்மொழித்தொகை- தொகாநிலைத்தொடர்கள்- வழு- வழாநிலை - வழுவமைதி- திணைவழுவமைதி- பால் வழுவமைதி - இடவழுவமைதி - கால வழுவமைதி-அறுவகை வினா-அறுவகை விடை- மரபு வழா நிலையும் வழுவமைதியும் - சிறப்புப் பெயர்களின் முன் இயற்பெயர் வருதல் - சுட்டுப்பெயர் வரும் இடம் - அடுக்குத்தொடர் போன்ற தலைப்புகள் அடங்கிய பொதுவியல் முழுமையும்.

**அலகு - 4:** **இடையியல்**

இடைச்சொல்லின் பொது இலக்கணம் - இடைச்சொல்லின் பொருள்கள் - ஏகார இடைச் சொல் ஓகார இடைச்சொல் - என, என்று என்னும் இடைச்சொல் - உம் இடைச்சொல் - தில் என்னும் இடைச்சொல்- மன் என்னும் இடைச்சொல் -மற்று தில் என்னும் இடைச்சொற்கள் - கொல் என்னும் இடைச்சொல் - அம்ம என்னும் இடைச்சொல் போன்ற தலைப்புகள் அடங்கிய இடையியல் முழுமையும்.

**அலகு - 5:**  **உரியியல்**

உரிச்சொல்லின் பொது இலக்கணம் - பண்பின் இலக்கணம் - உயிருடைய பொருள் - உயிர்ப் பொருள்களின் தொழிற் பண்பு - உயிரல் பொருள்களின் குணப்பண்பு - ஒரு குணம் தழுவிய பல உரிச்சொல் - பல குணம் தழுவிய ஓர் உரிச்சொல் போன்ற தலைப்புகள் அடங்கிய உரியியல் முழுமையும்.

**பாடநூல்**

1. நன்னூல்-சொல்லதிகாரம் (காண்டிகையுரை)

**பார்வை நூல்கள்**

1. நன்னூல் மூலமும் உரையும், புலவர் கோ.வில்வபதி, பழனியப்பா பிரதர்ஸ், சென்னை.
2. நன்னூல் சொல்லதிகாரம் - தேவிரா உரை (இரா.இராசேந்திரன்) நந்தினி பதிப்பகம், சென்னை.
3. நன்னூல் சொல்லதிகாரம் - ச.திருஞானசம்பந்தம் கதிர் பதிப்பகம், திருவையாறு.
4. வெள்ளைவாரணன். க., தொல்காப்பியம் நன்னூல் - எழுத்ததிகாரம், மெய்யப்பன் பதிப்பகம், சிதம்பரம் : 2001.
5. சாமுவேல் பிள்ளை, தொல்காப்பிய நன்னூல், கிறிஸ்து மதக்கியான விளக்கச் சங்கத்தார் அச்சுக்கூடம், சென்னை : 1858.
6. சண்முகம். சே.வை., எழுத்திலக்கணக்கோட்பாடு, உலகத்தமிழாராய்ச்சி நிறுவனம், சென்னை.
7. சண்முகம். சே.வை., சொல்லிலக்கணக் கோட்பாடு, , உலகத்தமிழாராய்ச்சி நிறுவனம், சென்னை.

OUTCOME MAPPING:

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 1 | 1 | 2 | 3 |
| C02 | 3 | 2 | 1 | 2 | 2 |
| C03 | 2 | 1 | 2 | 2 | 3 |
| C04 | 3 | 1 | 2 | 2 | 2 |
| C05 | 2 | 1 | 1 | 2 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

**முதலாம் ஆண்டு- இரண்டாம் பருவம் - ( II- Semester)**

**Part -III- ALLIED COURSE – II – (22UTAMA25-1)**

**தாள் - தமிழக வரலாறும் பண்பாடும் - பகுதி 2**

**(சார்புப் பாடம்)**

தரப்புள்ளி – 3

மணி – 4

**கற்றலின் நோக்கங்கள்: (LEARNING OBJECTIVES)**

1. தமிழக வரலாற்றை இந்திய வரலாற்றின் பின்புலத்தில் இருந்து கற்பித்தல்
2. தமிழ்ப் பண்பாட்டின் தொன்மை, தொடர்ச்சிகளை வரலாற்று நிலையில் உணர்த்துதல்
3. மன்னர்களின் கால முறைப்படி ஆட்சிமுறையைக் கற்பித்தல்
4. அயலாரின் தலையீடு பற்றி உணர்த்துதல்
5. வாணிபம் பற்றி மாணவர்களுக்கு ஊக்குவித்தல்

**கற்றலில் விளை பயன்கள்:**

1. இந்திய வரலாற்றுப் பின்புலத்தில் தமிழக வரலாற்றை அறிதல்
2. தமிழ்ப் பண்பாட்டின் தனித்தன்மை, தொடர்ச்சிகளை உணர்தல்
3. மன்னர்களின் வழி நிர்வாகத் திறனை அறிதல்
4. அயலாரின் தலையீடு எதனால் என்று உணர்தல்
5. பண்பாடுகளில் ஒன்றான வாணிபத்தை அறிதல்

**அலகு– 1.** **பாண்டியர் காலம்**

முதலாவது பாண்டியப் பேரரசு – முதலாம் மாறவர்மன் சுந்தரபாண்டியன் – மாறவர்ம குலசேகர பாண்டியன் – மாலிக்காபூரின் படையெடுப்பு – மதுரையில் சுல்தானியர் ஆட்சி – பாண்டியர்கால சமுதாயம் – பொருளாதாரம் – சமயம் – பாண்டியர்களின் வெற்றிச்சிறப்பு – பாண்டியர்காலக் கலைகள்.

**அலகு– 2. தமிழகத்தில் விஜயநகர் ஆட்சி**

குமார கம்பணரின் தமிழகப் படையெடுப்பும் வெற்றிகளும் - தமிழகத்தில் விஜயநகர ஆட்சி நிலை பெற்றமை – தமிழக மக்களுக்கு உதவியமை, விஜயநகர காலத்துத் தமிழக ஆட்சிமுறை – சமூகம் - பொருளாதார நிலை -சமய நிலை- நுண்கலைகள் - கட்டிடக்கலை, இலக்கியக்கலை, ஓவியம் முதலியன.

**அலகு– 3. நாயக்கர் காலம்**

ஆரம்ப கால மதுரை நாயக்கர்கள் - திருமலை நாயக்கர் - சொக்கநாத நாயக்கர், இராணி மங்கமாள். தஞ்சை நாயக்கர்கள் - இரகுநாதநாயக்கர், செஞ்சி நாயக்கர் - இரண்டாம் கிருட்டிணப்ப நாயக்கர் ஆகியோர்களின் போர் வெற்றிச் சிறப்புகள். நாயக்கர் கால ஆட்சி முறை – சமுதாயம் - பொருளாதரம் - சமயம்- கல்வி- சமயநிலை – விவசாயம் -நுண்கலைகள்- பாளையக்கார முறை.

**அலகு– 4. ஐரோப்பியர் காலம் – 19ஆம் நூற்றாண்டில் தமிழகம்**

மறவர் ஆட்சி முறை - இராமநாதபுர சேதுபதிகள் தஞ்சை மராத்தியர்கள் - மராத்திய காலப் பண்பாடு – கலைகள் தமிழகத்தில் முகலாயர்கள், இராஜா தேசிங்கு – கர்நாடக நவாப்புகள், படையெடுப்புகளும் வெற்றிகளும்.

**ஐரோப்பியர் வருகையும் உள்நாட்டு எதிர்ப்புகளும்**

தமிழகத்திற்கு ஐரோப்பியர் வருகை – புலித்தேவர் - கர்நாடகப் போர்கள்- கான்சாகிப் - ஹைதர் அலி-திப்புசுல்தான் - வீரபாண்டியக் கட்டபொம்மன் - மருது பாண்டியர்கள்.

**அலகு– 5. ஆங்கிலேயர் ஆட்சி , விடுதலைக்குப் பின் தமிழகம்**

வேலூர்க் கலகம் - தேசிய சங்கங்கள், சென்னை சுதேசி சங்கம், சென்னை மகாஜன சபை – அரசியல் கட்சிகளின் எழுச்சி, இந்திய தேசிய காங்கிரஸ், சுயஆட்சி இயக்கம், நீதிக்கட்சி, திராவிடர் கழகம் - ஐரோப்பியர் கால இலக்கியமும் கல்வி வளர்ச்சியும் - ஆங்கிலேயர் ஆட்சியில் தமிழகம். விடுதலைப் போராட்டங்கள், போராட்டத் தலைவர்கள் - சுதந்திர இந்தியாவில் தமிழகம், காங்கிரஸ் ஆட்சி - இராஜாஜி, காமராஜ், பக்தவத்சலம் - திராவிட முன்னேற்றக் கழக ஆட்சி – அண்ணாதுரை, கருணாநிதி – அகில இந்திய அண்ணா திராவிட முன்னேற்றக் கழகம் எம்.ஜி. இராமச்சந்திரன்.

**பாடநூல்**

1. பிள்ளை. கே.கே., தமிழக வரலாறும் பண்பாடும், உலகத் தமிழாராய்ச்சி நிறுவனம், தரமணி, சென்னை – 600 113.

**பார்வை நூல்கள்**

1. செல்வம். வே.தி., தமிழக வரலாறும் பண்பாடும், மணிவாசகர் பதிப்பகம், சென்னை- 600 108.
2. சுவாமிநாதன். ஏ., தமிழக வரலாறும் பண்பாடும், தீபா பதிப்பகம், சென்னை.
3. தட்சணாமூர்த்தி. அ., தமிழர் நாகரிகமும் பண்பாடும், ஐந்திணைப் பதிப்பகம்.
4. இராசமாணிக்கனார். மா., தமிழ்ப் பண்பாட்டு வரலாறு, காவ்யா பதிப்பகம், சென்னை.
5. நீலகண்ட சாஸ்திரி. கே.ஏ., தென்னிந்திய வரலாறு, இலங்கை அரசாங்க வெளியீடு: 1966.
6. சதாசிவப் பண்டாரத்தார், பிற்காலச் சோழர் சரித்திரம், அண்ணாமலைப் பல்கலைக்கழகம், சிதம்பரம்: 1954.
7. கணியன் பாலன், பழந்தமிழ்ச் சமுதாயமும் வரலாறும், எதிர் வெளியீடு, பொள்ளாச்சி : 2016.
8. சர்மா. ஆர்.எசு., பண்டைகால இந்தியா (தமிழில் மாஜினி), NCBH வெளியீடு, சென்னை: 2004.

**முதலாம் ஆண்டு- இரண்டாம் பருவம் - ( II- Semester)**

**Part-III- Allied Course – I - (22UTAMA25-2)**

**தாள் 1 :** **தமிழர் நாகரிகமும் பண்பாடும்**

**(சார்புப் பாடம்]**

தரப்புள்ளி – 3

மணி – 5

**கற்பித்தல் நோக்கங்கள் :**

1.தமிழர் மரபினையும் பண்பாட்டினையும் இலக்கியச் சான்றுகள் வழி விவரித்தல்.

2.வேந்தர், குருநில மன்னர் அரசர்களின் ஆட்சி முறைகளை விளக்குதல்.

3.அயலவரின் படையெடுப்பால் தமிழர் பண்பாட்டில் நிகழ்ந்த மாற்றங்களைப் புலப்படுத்துதல். விடுதலைக்கு முந்தைய, பிந்தைய தமிழக வாழ்வியலை எடுத்துரைத்தல்.

4.தமிழக வரலாற்றினை கருத்தியல் ரீதியில் அறிமுகம் செய்தல்.

5.தமிழர் பண்பாட்டின் வளர்ச்சிப் போக்குகளை அறியவைத்தல்.

**அலகு - 1**

நாகரிகமும் பண்பாடும் - சங்க காலத்து அரசியல்நிலை - சங்ககாலப் போர்முறை - சங்ககாலத் தொழிற் பிரிவினரும் சமூக அமைப்பும் - பண்டைத் தமிழரின் திருமண முறை - குடும்ப வாழ்வு பற்றிய தமிழர்கொள்கை - தமிழ்நாட்டு வணிக வளம் - பண்டைத் தமிழரின் உணவு, உடை, உறையுள் - இறப்பு, ஈமச்சடங்கு நடுகல் - தென்புலத்தார்கடன் - பண்டைத் தமிழரின் கல்விநிலை.

**அலகு - 2**

பண்டைத் தமிழரின் வானியல் அறிவு - பண்டைத் தமிழரின் விளையாட்டும் பொழுது போக்கும் - சங்கத் தமிழரின் சமய வாழ்வு - ஆரிய வேள்வி நெறி - சங்க கால விழாக்கள் - சங்கப் புலவர் பண்பாடு - பழந்தமிழரின் நம்பிக்கைகள் - தமிழர் கண்ட நல்லறம் - இசைக்கலையின் வரலாறு - தமிழகச் சிற்பக்கலை.

**அலகு - 3**

தில்லைக் கூத்தனின் திருநடனம் - தமிழகக் கோயில் கட்டிடக்கலை வளர்ச்சி - ஓவியக்கலை - கூத்துக்கலை - மருத்துவக்கலை - நாடகக்கலை - சைவ சமயம் - தமிழ்ப் பண்பாட்டில் வைணவம் - தமிழ்ப் பண்பாட்டில் சமணம் - தமிழ்ப் பண்பாட்டில் பௌத்தம்.

**அலகு - 4**

தமிழ்ப் பண்பாட்டில் இசுலாம் சமயம் - நீதித்துறையின் வரலாறு - இடைக்காலக் கோயில்களின் பணிகள் - தமிழ் நாட்டரசியலில் வரிகள் - தமிழகக் காசுகளின் வரலாறு - உள்ளாட்சி மன்றங்களின் வரலாறு - இடைக்காலத் தொழிற்சங்கங்கள் - சங்க காலத்திற்குப்பின் சாதிகளின் வளர்ச்சி சாதியொழிப்பு முயற்சிகள் - மகளிர்நிலை.

**அலகு - 5**

மார்க்கோபோலோ கண்ட பாண்டிய நாட்டு நிலை - இந்திய நாகரிகத்தில் தமிழ்ப் பண்பாட்டுக் கூறுகள் - தமிழ்ப் பண்பாட்டில் ஆங்கில ஆட்சியின் செல்வாக்கு - மராட்டியர் செய்த நன்மைகள் - வாய்மொழி இலக்கியங்களும் தமிழ்ப் பண்பாடும் - பழமொழியும் பண்பாடும் - சமயப் பொது நோக்கு - பண்பாட்டு ஊடாட்டம்.

**கற்றலில் விளை பயன்கள்**

1.தமிழ், தமிழகம், தமிழர் சார்ந்த வரலாற்றச் சான்றுகளை மாணவர்கள் அறிந்துகொள்வர்.

2. தமிழக வரலாறு, தமிழர்களின் பண்பாடு குறித்து அறிதுகொள்வர்.

3.தமிழக வரலாற்றை தொல்லியல் மற்றும் இலக்கிச் சான்றுகளுடன் ஒப்பிட்டு அறிந்துகொள்வர்.

4.தமிழர் பண்பாட்டின் நாகரீக வளர்ச்சியைக் கல்வெட்டுகள் சிற்பங்கள் ஓலைச்சுவடிகள், நாணயங்கள், மண்பாண்டங்கள் இவற்றின் மூலமாக மாணவர்கள் அறிந்துகொள்வர்.

5.தமிழ் பண்பாட்டின் சமயம், நீதித் துறை கோயில் பணிகள், சாதிகளின் வளர்ச்சி நிலை, சாதி ஒழிப்பு, மகளிர் நிலைப் போன்றவற்றை மாணவர்கள் அறிந்துகொள்வர்.

**பாட நூல்கள் :**

தட்சிணாமூர்த்தி, அ. தமிழர் நாகரிகமும் பண்பாடும் -யாழ் வெளியீடு, சென்னை.

**பார்வை நூல்கள் :**

1.பிள்ளை கே. 2004. தமிழக வரலாறும் பண்பாடும், உலகத்தமிழாராய்ச்சி நிறுவனம், சென்னை.

2.செல்வம், டி. 2008. தமிழக வரலாறும் பண்பாடும், மணிவாசகர் பதிப்பகம், சிதம்பரம்.

3.சேதுராமன், தமிழகச் சமுதாயப் பண்பாட்டுக் கலைவரலாறு, நியூசெஞ்சரி புக் ஹவுஸ், சென்னை.

4.ராஜன், 2010. தொல்லியல் நோக்கில் சங்ககாலம், உலகத்தமிழாராய்ச்சி நிறுவம், சென்னை.

5.மயிலை சீனி. 2017. தமிழர் வளர்த்த அழகு கலைகள், வேங்கடசாமி, நியூசெஞ்சரிபுக் ஹவுஸ், சென்னை.

**முதலாம் ஆண்டு- இரண்டாம் பருவம் - ( II- Semester)**

**Part-III- Allied Course – I - (22UTAMA25-3)**

**தாள் 1 :** **இந்திய இலக்கியம்**

**(சார்புப் பாடம்]**

தரப்புள்ளி – 3

மணி – 5

இந்திய இலக்கியங்கள்

**நோக்கங்கள்**

* இந்திய மொழிகள் பற்றியும், அதன் தொன்மைகள் பற்றியும், வகைபாடுகள் குறித்தும் மாணவர்களை அறிந்துக் கொள்ளச் செய்தல்.
* தமிழ் வடமொழி இலக்கியங்களான சங்க இலக்கியம் தொட்டு இக்கால இலக்கியம் வரை புரிந்துக் கொள்ளச் செய்தல்.
* மலையாள இலக்கியங்களின் வவிங்களை அறியச் செய்தல்.
* கண்ணட இலக்கியம், மொழி, படைப்பாளர்கள் பற்றி அறியச் செய்தல்.
* தெலுங்கு இலக்கியம், புராண இதிகாசங்கள் குறித்தும் தற்கால இலக்கியம், நாட்டுப் புற இலக்கியம் குறித்தும் அறியச் செய்தல்.

**அலகு 1 :**

இந்திய மொழிகள் - ஓர் அறிமுகம். இந்திய மொழிகளின் எண்ணிக்கை – எழுத்து வவிம் பெற்றவை – தொன்மையான இலக்கியங்கள் உடையவை – அவற்றில் காணப்படும் பொதுவான இலக்கிய வகைப்பாடுகள் போன்றவை – தமிழ் வடமொழிச் சிறப்பியல்புகள்.

**அலகு 2 :**

தமிழ் வடமொழி இலக்கியங்கள். சங்க இலக்கியம் - நீதி இலக்கியம் – காப்பிய இலக்கியம் - பக்தி இலக்கியம் - சிற்றிலக்கியம் - இக்கால இலக்கியம் - வேதங்கள் - பிராமணங்கள் - உபநிஷதங்கள் - தரிசனங்கள் - இதிகாசங்கள் - புராணங்கள் - பெருங்காப்பியங்கள – பக்திப் பாடல்கள் - நாடகங்கள்.

**அலகு 3 :**

கன்னட இலக்கியம். மொழியின் தோற்றமும் வளர்ச்சியும் - இலக்கியத்தின் தோற்றம் - பழங்காலக் கன்னட இலக்கியம் (பம்பா, பொன்னா, ரன்னா) - இடைக்காலக் கன்னட இலக்கியம் (வசனங்கள், பாகவதங்கள்) தற்காலக் கன்னட இலக்கியம் (புதுக்கவிதை சிறுகதை, நாவல், நாடகம், கட்டுரை, உரைநடை)

**அலகு 4 :**

தெலுங்கு இலக்கியம். புராண இதிகாசங்கள் - காப்பியங்கள் - பிரபந்தங்கள் -   
பக்தி இலக்கியங்கள் - தென்னகத் தெலுங்கு இலக்கியங்கள் - தற்காலக் கவிதைகள் - நாவல், சிறுகதை, நாடகம், உரைநடை இலக்கியங்கள் - நாட்டுப்புற இலக்கியம்

**அலகு 5 :**

மலையாள இலக்கியம். ஆதிகால இலக்கியம் - பழைய மணிப்பிரவாள இலக்கியம் - பழைய பாட்டிலக்கியம் - உரைநடை இலக்கியம் – கதகளி இலக்கியம் - நாவல், சிறுகதை, நாடக இலக்கியங்கள் - கவிதை இலக்கியங்கள் - உரைநடை.

**கற்றல் விளைபயன்கள்**

|  |  |
| --- | --- |
| 1. | இந்திய இலக்கியங்கள் பற்றிய பொதுவான பார்வையை மாணவர்கள் பெற்றிருப்பர். |
| 2. | வடமொழி குறித்த இலக்கியங்களையும், வேதங்கள் பிராமணங்கள் உபநிஷதங்கள் பற்றியும் அறிந்திருப்பர். |
| 3. | கன்னட இலக்கியங்கள் தோற்றம் வளர்ச்சிப் பற்றியும், பழங்கால இலக்கியம் தொட்டு இக்கால இலக்கியம் வரை அறிந்திருப்பர். |
| 4. | தெலுங்கு இலக்கியம், புராண இதிகாசங்கள் குறித்தும், மாணவர்கள் அறிந்திருப்பர். பிற மொழிகளை கற்று ஒப்பிடுவதன் மூலமாக பிற நாட்டு இலக்கியங்களை அறிந்துக் கொள்ளவும், அவற்றின் மூலம் மாணவர்கள் வேலை வாய்ப்பினை பெறுவதற்கு இவ்விலக்கியங்கள் மூலம் பயன்பெறுவர். |
| 5. | மலையாள இலக்கியங்கள் வரலாற்றையும், மணிப்பிரவாள இலக்கியம் குறித்தும் அறிந்திருப்பர். |

பார்வை நூல்கள்

1. ஆனந்தகுமார், பா., இந்திய ஒப்பிலக்கியம் சூசன் பாசுனெட்டை முன்வைத்து

2. சுப்பிரமணியம். ச.வே., திராவிட இலக்கியம்

3. கார்த்திகேயன், தமிழ், பிராகிருத மொழி உறவுகள்

4. நவாலியூர் நடராசன், வடமொழி இலக்கிய வரலாறு

5. சுப்பிரமணியம். க.நா., சிறந்த பத்து நாவல்கள்

**முதலாம் ஆண்டு- இரண்டாம் பருவம்**

**Part-IV-** திறன்சார் விருப்பப் பாடம் **Skill Based Course - II - (22UTAMS26)**

தரப்புள்ளி - 2,மணி - 2

**மனித உரிமைகள்**

**fw;wypd; Nehf;fq;fs; (LEARNING OBJECTIVES)**

|  |  |
| --- | --- |
| LO 1. | தனி மனிதனுடைய உரிமைகள் பற்றி மாணவர்களை அறியச் செடீநுதல். |

**கற்றலில் விளை பயன்கள்:** (COURSE OUTCOMES)

|  |  |
| --- | --- |
| CO 1. | மனித உரிமை பற்றிய புரிதல். |
| CO 2. | மனித உரிமை வரலாறும் பண்புகளும் அறிதல். |
| CO 3. | மனித உரிமை ஆணையம் குறித்து அறிதல். |
| CO 4. | ஒவ்வொரு மனிதர்களுக்கும் உள்ள உரிமைகளைத் தெரிந்து கொள்ளுதல். |
| CO 5. | போட்டித் தேர்வுகளில் பங்கேற்கும் வாடீநுப்பினைப் பெறுதல். |

**அலகு**-1

மனித உரிமைகள் பொருள் விளக்கம் - இயல்பும் தன்மைகளும் - மனித உரிமைக் கோட்பாடுகள் - மனித உரிமைகளின் வகைகள்.

**அலகு**-2

மனித உரிமைகளின் வரலாறும் பண்புகளும் - பன்னாட்டு மனித உரிமைகள் பிரகடனம் - வாடிநவியல் மற்றும் அரசியல் உரிமைகள் சார்ந்த பன்னாட்டு உடன்படிக்கை - பொருளாதார, சமூக மற்றும் கலாச்சார உரிமைகள் பற்றிய பன்னாட்டு உடன்படிக்கை.

**அலகு**-3

தேசிய மனித உரிமைகள் ஆணையம் - மாநில மனித உரிமைகள் ஆணையம் அமைப்பும் செயல்பாடுகளும் - கைது, வாரண்ட் விளக்கம் - கைது செய்யப்பட்டவரின் உரிமைகள்.

**அலகு**-4

குழந்தைகளின் உரிமைகள் - இளங்குற்றவாளிகள், கொத்தடிமைகள் மற்றும் அகதிகளின் உரிமைகள் - இனப்பாகுபாடு ஒழிப்புக்கான பன்னாட்டு உடன்படிக்கை - சித்ரவதை, பிற கொடூரமான மனிதத்தன்மையற்ற நடத்தை மற்றும் தண்டனைகளுக்கு எதிரான உடன்படிக்கை.

**அலகு**-5

இந்திய மனித உரிமைகள் பாதுகாப்பும் சட்டம் - பெண்ணுரிமை - அகதிகள் உரிமைகள் - மனித உரிமை ஊடகங்களும் சுற்றுச் சூழலும்.

**பாடநூல்**:

1. முனைவர் ஜே.தியாகராஜன் - `மனித உரிமைகள்’ , நிர்மலா பதிப்பகம், மதுரை-1.

**பார்வை நூல்கள்:**

1. பேரா. இராஜ.முத்திருளாண்டி - `மனித உரிமைகள்’ , நியூ செஞ்சுரி புக் ஹவுஸ் (பி) லிட், 41-பி, சிட்கோ இண்டஸ்டிரியல் எஸ்டேட், அம்பத்தூர், சென்னை-600 098.
2. சு.பொ.அகத்தியலிங்கம் - `மனித உரிமைகள்’ , தமிடிநப் புத்தகாலயம், ப்ளாட் எண்:03/8, மாசிலாமணி தெரு, தி.நகர். சென்னை-600 017.
3. வ.நா. விஸ்வநாதன் - `மனித உரிமைகள்’ , பாவை பப்ளிகேசன்ஸ், 142, ஜானிஜான்கான் சாலை, இராயப்பேட்டை சென்னை-14.

**OUTCOME MAPPING:**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 3 | 2 | 3 | 3 |
| C02 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 |
| C03 | 2 | 2 | 2 | 2 | 3 |
| C04 | 3 | 2 | 2 | 1 | 3 |
| C05 | 2 | 3 | 3 | 2 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

**இளங்கலைத்தமிழ்**‌ - **இரண்டாம் ஆண்டு - மூன்றாம் பருவம்**

**Part-III-Course Course - V - (22UTAMC33)**

**சமய இலக்கியம்‌**

தரப்புள்ளி - 4,மணி - 4

**‌பாட நோக்கம் ‌:**

1. சமய இலக்கியங்களில்‌ நிலவும்‌ பொதுத்தன்மைகளைத் தெளிவு படுத்துதல்‌
2. சமய இலக்கியங்கள்‌ வழி சமுதாயச்‌ சிந்தனைகளை உணர்த்துதல்‌
3. சமயப்பாக்களின்‌ வழி சாத்திரக்‌ கருத்துக்களை உணர்தல்‌
4. மய இலக்கிங்கள் வெளிப்படுத்தும் வாழ்வியல் விழுமியங்கள் தெளிதல்.

**பயன்‌ ‌:**

1. பக்தி இலக்கிய வரலாற்றை மாணவர்கள்‌ அறிதல்‌
2. பல்வேறு சமயக்‌ கோட்பாடுகளை அறிதல்‌
3. சமயங்கள்‌ உணர்த்தும்‌ மனிதநேயப்‌ பண்புகளை உணர்தல்‌
4. சமயம் பல எனினும் பரம்பொருள் ஒன்றென தெளிதல்

அலகு - 1:

1. திருஞானசம்பந்தர்‌ - தேவாரம்‌ - கோயில்‌ பதிகம்‌

- கற்றாங்‌ கெரியோம்பிக்‌ கலியை வாராமே ..(1-‌ 11 பாடல்கள்‌)

1. திருநாவுக்கரசர்‌ - தேவாரம்‌ - திருப்பாதிரிப்புலியூர்‌ பதிகம்‌.

- ஈன்றாளு மாயெனக்‌ கெந்தையு மாயுடன்‌ …. (1-‌ 10 பாடல்கள்)‌

1. சுந்தரர்‌ -தேவாரம்‌ - திருமுதுகுன்றம்‌ பதிகம்‌

-பொன்‌ செய்த மேனியினீர்‌ புலித்தோலை ….(1-‌ 1௦ பாடல்கள்)‌

1. மாணிக்க வாசகர்‌ - திருவெம்பாவை - முழுவதும். ( 10 பாடல்கள்)‌

அலகு - 2 :-

1. ஆண்டாள்‌: திருப்பாவை (1-10 பாடல்கள்)‌
2. திருமங்கை ஆழ்வார் ‌- பெரிய திருமொழி - இரண்டாம்பத்து - பத்தாம்‌

திருமொழி - ” மஞ்சாடு வரை யேழும்…‌ ” முதலான‌ (10 - பாசுரங்கள்)

1. திருமங்கை ஆழ்வார் ‌- பெரிய திருமொழி - மூன்றாம்பத்து -

முதல்‌ திருமொழி - ”இருந்தண்‌ மாநிலம்..” முதலான (10 - பாசுரங்கள்)

1. திருமங்கை ஆழ்வார் ‌- பெரிய திருமொழி - மூன்றாம்பத்து -இரண்டாம்‌ திருமொழி - ” ஊன்வாட உண்ணது…” முதலான (10 - பாசுரங்கள்)
2. குலசேகர ஆழ்வார்‌ - பெருமாள்‌ திருமொழி -

”அங்கண்னெடு மதிள்‌ புடை சூழ …” முதலான (10 - பாசுரங்கள்)

அலகு -3.

1. அவிரோதிநாதர் ‌- திருநூற்றந்தாதி (1 - 25 பாடல்கள்‌ )
2. ஆசிய ஜோதி - சித்தார்த்தன்‌ துறவு - 35 பாடல் முதல் - 45 பாடல் வரை - (10 பாடல்கள்‌),
3. புத்தரும்‌ சுஜாதையும்‌ உரையாடல்‌ - 54 பாடல் முதல் - 64 பாடல் வரை (10 பாடல்கள்‌ ).

அலகு 4.

1. குணங்குடி மஸ்தான்‌ சாகிபு - பராபரக்கண்ணி - (முதல்‌ 10 கண்ணிகள்)‌
2. ‌இமாம்‌ காசிம்‌ - படைப்போர்‌ (10 பாடல்கள்‌)

**அலகு** - 5 :

1. வேதநாயக சாஸ்திரி - பெத்தலகம்‌ குறவஞ்சி -

(ii)பந்தடிக்கும்‌ தரு (7)

(ii) கிறித்தவர்களின்‌ மகிமை (13)

2. வேதநாயகப்‌ பிள்ளை - திருவருள்‌ அந்தாதி (1-25 பாடல்கள்‌ )

**பார்வை நூல்கள்‌...**

1.பன்னிரு திருமுறைகள்‌ - வர்த்தமான பதிப்பகம்‌

2.நாலயிர திவ்ய பிரபந்தம்‌ - வர்த்தமான பதிப்பகம்‌.

3.தா ஈ.சுவரப்பிள்ளை - பக்கி இலக்கியத்தில்‌ சமுதாயப்‌ பார்வை, தஞ்சைப்‌ பல்‌ கலைக்‌ கழகம்‌ - தஞ்சாவூர்‌.

4.மயிலை சீனி.வேங்கடசாமி - கிறித்துவமும் தமிழும் - பாரி நிலையம், சென்னை.

5.குணகுடியார்‌ பாடற்‌ கோவை - நேஷனல்‌ பப்ளிகேசன் - ‌ சென்னை

6.கவிமணி தேசிய விநாயகம்பிள்ளை - ஆசிய சோதி. பாரி நிலையம்‌ சென்னை.

**OUTCOME MAPPING:**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 2 | 2 | 1 | 2 |
| C02 | 3 | 2 | 1 | 1 | 2 |
| C03 | 2 | 2 | 2 | 1 | 3 |
| C04 | 2 | 2 | 2 | 2 | 3 |
| C05 | 2 | 3 | 3 | 2 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

இரண்டாம் ஆண்டு - மூன்றாம் பருவம்

Part-III -Core Course VI - (22UTAMC34)

தாள் - இலக்கணம் - : யாப்பருங்கலக்காரிகை

**(முதன்மைப் பாடம்)**

**(யாப்பருங்கலக்காரிகை - உறுப்பியல், செய்யுளியல் )**

**நோக்கம்:** தரப்புள்ளி - 4,மணி - 4

* 1. யாப்பருங்கலக்காரிகையின் யாப்பியல் அமைப்பை விரிவாகக் கற்பித்தல்
  2. தொல்காப்பியச் செய்யுளியல், பாவகைகளை யாப்பருங்கலக் காரிகையுடன் ஒப்பிட்டுக் கற்பித்தல்

**பயன்**

* 1. யாப்பருங்கலக்காரிகையின் யாப்பமைப்பின் நுட்பங்களைத் தொல்காப்பியத்தோடு ஒப்பிட்டுக் கற்றல்
  2. தொல்காப்பியச் செய்யுளியல், உவமையியலோடு யாப்பருங்கலக் காரிகையையும் தண்டியலங்காரத்தையும் ஒப்பிட்டுக் கற்றல்
  3. தொல்காப்பியச் செய்யுளியல், பாவகைகளை யாப்பருங்கலக் காரிகையுடன் ஒப்பிட்டு உணர்தல்

**அலகு - 1.** **யாப்பருங்கலக்காரிகை - உறுப்பியல்**

அசைக்கு உறுப்பாகும் எழுத்துகள் (குறில், நெடில், உயிர், குற்றியலுகரம், குற்றியலிகரம், ஐகாரக் குறுக்கம், ஆய்தம், மெய், வல்லினம், மெல்லினம், இடையினம், உயிர்மெய், அளபெடை); **அசை** (நேரசை நான்கு, நிரையசை நான்கு); **சீர்** (ஈரசைச்சீர்கள், மூவசைச்சீர்கள், நாலசைச்சீர்கள், ஓரசைச்சீர்கள்); **தளை**(நேரொன்று ஆசிரியத்தளை, நிரையொன்று ஆசிரியத்தளை, இயற்சீர் வெண்டளை, வெண்சீர் வெண்டளை, கலித்தளை, ஒன்றிய வஞ்சித்தளை, ஒன்றாத வஞ்சித்தளை); **அடி** (குறளடி, சிந்தடி, அளவடி, நெடிலடி, கழிநெடிலடி); **தொடை** (மோனை, எதுகை, முரண், இயைபு, அளபெடை, அந்தாதி, இரட்டை, செந்தொடை ஆகியனவும் இணை, பொழிப்பு, ஒரூஉ, கூழை, மேற்கதுவாய், கீழ்க்கதுவாய், முற்று ஆகிய தொடைவிகற்பங்களும்).

**அலகு - 2.** **யாப்பருங்கலக்காரிகை - செய்யுளியல் - ஒப்பீடு தொல்காப்பியச் செய்யுளியல்:**

நாற்பா, ஒவ்வொரு பாவுக்குமுரிய ஓசைகள், அவற்றின் வகைகள், வெண்பா வகைகள் (குறள்வெண்பா, சிந்தியல் வெண்பா, நேரிசை சிந்தியல் வெண்பா, இன்னிசை சிந்தியல் வெண்பா, நேரிசை வெண்பா, இன்னிசை வெண்பா, பஃறொடை வெண்பா), வெண்பா இனங்கள் (குறள்வெண்பா இனங்கள், குறள்வெண் செந்துறை, குறட்டாழிசை, பிற வெண்பாக்களுக்குரிய இனங்கள், வெண்டாழிசை, வெண்டுறை, வெளிவிருத்தம்),

**அலகு - 3.**

ஆசிரியப்பா வகைகள் (நேரிசை ஆசிரியப்பா, நிலைமண்டில ஆசிரியப்பா, இணைக்குறள் ஆசிரியப்பா, அடிமறிமண்டில ஆசிரியப்பா), ஆசிரியப்பா இனங்கள் (ஆசிரியத் தாழிசை, ஆசிரியத்துறை, ஆசிரிய விருத்தம்);தொல்காப்பியச் செய்யுளியல்**:** வடிவ அடிப்படையிலானவை -மாத்திரை, எழுத்தியல், அசை, சீர், தொடை, யாப்பு; அடிவரையரை அல்லாதன - அகப்பாடல் மரபிற்குரிய திணை, துறை, களம், காலம் முதலியன; பாவகை- எண்வகை வனப்புகள்- யாப்பருங்கலக்காரிகையுடன் ஒப்பீடு

**அலகு - 4.** **யாப்பருங்கலக்காரிகை-கலிப்பா வகைகள்**

ஒத்தாழிசைக்கலிப்பா - நேரிசை ஒத்தாழிசைக் கலிப்பா, அம்போதரங்க ஒத்தாழிசைக்கலிப்பா, வண்ணக ஒத்தாழிசைக் கலிப்பா, கொச்சகக் கலிப்பா - தரவு கொச்சகக் கலிப்பா, தரவிணை கொச்சகக் கலிப்பா, சிஃறாழிசை கொச்சகக் கலிப்பா, பஃறாழிசை கொச்சகக் கலிப்பா, மயங்கிசை கொச்சகக் கலிப்பா, வெண்கலிப்பா - கலிவெண்பா) கலிப்பா இனங்கள் (கலித்தாழிசை, கலித்துறை, கலி விருத்தம்).

**அலகு - 5.**

வஞ்சிப்பா வகைகள் (குறளடி வஞ்சிப்பா, சிந்தடி வஞ்சிப்பா), வஞ்சிப்பா இனங்கள் (வஞ்சித் தாழிசை, வஞ்சித்துறை, வஞ்சி விருத்தம்), மருட்பா (சமனிலை மருட்பா, வியநிலை மருட்பா - கைக்கிளை, வாயுறைவாழ்த்து, புறநிலை வாழ்த்து, செவியறிவுறூஉ)

**பாடநூல்கள்**

1. யாப்பருங்கலக்காரிகை - குணசாகரர் உரை, கழக வெளியீடு, சென்னை..

**பார்வை நூல்கள்:**

1. கணேசையர் (பதிப்பு), தொல்காப்பியப் பொருளதிகாரம் முன்னைந்தியல்கள் & பின்னான்கியல்கள் பேராசிரியர் உரை, உலகத்தமிழாராய்ச்சி நிறுவனம், சென்னை.
2. அடிகளாசிரியர் (பதிப்பு), தொல்காப்பியப் பொருளதிகாரம் இளம்பூரணர் உரை, தமிழ்ப்பல்கலைக்கழகம், தஞ்சாவூர்.
3. சிவலிங்கனார். ஆ., தொல்காப்பியம் பொருளதிகார உரைவளம், உலகத்தமிழாராய்ச்சி நிறுவனம், சென்னை.
4. சண்முகம், செ. வை., யாப்பும் நோக்கும் (தொல்காப்பியரின் இலக்கியக் கோட்பாடுகள்), மெய்யப்பன் தமிழாய்வகம், சிதம்பரம்.
5. சண்முகம், செ.வை. ., பொருளிலக்கணக் கோட்பாடு தொல்காப்பியம் (தொகுதி- 1,2,3), மெய்யப்பன் பதிப்பகம், சிதம்பரம்.
6. சண்முகம், செ.வை., கவிதைக் கட்டமைப்பு, மெய்யப்பன் பதிப்பகம், சிதம்பரம்:2003.
7. சண்முகம், செ.வை., பொருளிலக்கணக் கோட்பாடு உவமவியல் தொல்காப்பியம், நியூ செஞ்சுரி புக்ஹவுஸ்,சென்னை.
8. கோபாலையர். தி.வே., தமிழ் இலக்கணப் பேரகராதி- 17 தொகுதிகள், தமிழ்மண் வெளியீடு, சென்னை: 2005.
9. வெள்ளைவாரணன். க., தொல்காப்பியச் செய்யுளியல் உரைவளம், மதுரை காமராசர் பல்கலைக்கழகம், மதுரை: 1989.
10. கந்தசாமி. சோ.ந., தமிழ் யாப்பியலின் தோற்றமும் வளர்ச்சியும், தமிழ்ப் பல்கலைக்கழகம், தஞ்சாவூர்.
11. ய. மணிகண்டன், தமிழில் யாப்பிலக்கண வளர்ச்சி, காலச்சுவடு, சென்னை.

**OUTCOME MAPPING:**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 2 | 2 | 1 | 2 |
| C02 | 2 | 1 | 2 | 2 | 3 |
| C03 | 2 | 2 | 1 | 1 | 2 |
| C04 | 2 | 2 | 2 | 1 | 2 |
| C05 | 3 | 2 | 2 | 3 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

**இரண்டாம் ஆண்டு – மூன்றாம் பருவம்**

**Part-III –Alied Course III - (22UTAMA35-1)**

**தாள் - தமிழிலக்கிய வரலாறு பகுதி - 1**

**(சார்புப் பாடம்)**

**நோக்கம் :** தரப்புள்ளி – 4, மணி – 4

1. தமிழ் இலக்கியங்களின் போக்குகளை வரலாற்றுப் பின்புலத்தில் கற்பித்தல்
2. தமிழ் இலக்கியங்களின் பல்வேறு தன்மைகளையும் தனிச்சிறப்புகலையும் உணர்த்துதல்
3. இலக்கியங்களில் காப்பியங்களை கற்பித்தல்
4. தமிழ் இலக்கியமும் சமய இலக்கியமும் பற்றி உணர்த்துதல்
5. உரையாசிரியர்களின் திறனை மாணவர்களுக்கு வளர்த்தல்

**பயன் :**

1. தமிழ் இலக்கியங்களின் வரலாற்றுப்பின்னணியை அறிதல்
2. பல்வேறு இலக்கியங்களின் தனிச்சிறப்புகளை உணர்தல்
3. காப்பியங்களின் நயங்களை உணர்தல்
4. தமிழும் சமயமும் இரண்டறக் கலந்தது என்பதை உணர்தல்
5. உரை வகுக்கும் பாங்கினை உரையாசிரியர்கள் வழி அறிதல்

**அலகு- 1 பழந்தமிழ்ச் செவ்வியல் இலக்கியமும் அற இலக்கியமும்**

அக இலக்கியம் – புற இலக்கியம் – மொழியை, இலக்கியத்தைத் தரப்படுத்தும் தொல்காப்பியம் – பொருளதிகாரமும் கவிதையியலும் – சங்க இலக்கியத் திணைமரபு – அகப்பாடல்களின் அமைப்பு – புறப்பாடல்களும் அரசுருவாக்கமும்; அற இலக்கியம் – பதினெண்கீழ்க்கணக்கு நூல்கள் – அற இலக்கியங்கள் – காதற்பாடல்கள் – புறப்பாடல்கள்; பிற நூல்கள் – பிற்கால அற இலக்கியங்கள்

**அலகு- 2 காப்பியங்கள்**

ஐம்பெருங்காப்பியங்கள் – சிலப்பதிகாரம் - மணிமேகலை- சீவகசிந்தாமணி -வளையாபதி- குண்டலகேசி; ஐஞ்சிறுகாப்பியங்கள்- உதயணகுமார காவியம்- நாககுமார காவியம்- யசோதர காவியம் – சூளாமணி – நீலகேசி

**அலகு- 3** **தமிழ் இலக்கியங்கள் சமயமாதல்**

களப்பிரர், பல்லவர் ஆட்சியில் சமூக மாற்றம் – சமயங்களின் எழுச்சி – பக்தி இலக்கியங்கள் – பன்னிரு திருமுறை – நாலாயிர திவ்யபிரபந்தம்

**அலகு- 4 தமிழ் இலக்கியம் சமஸ்கிருத மயமாதல்**

**பிற்காலச் சோழர்காலச் சமூகமும் இலக்கியமும் -** சமஸ்கிருதமும் தனிமனிதரின் இலக்கியங்களும் – கம்பராமாயணம்- மகாபாரதம் – பெருங்கதை – நைடதம் – நளவெண்பா – இரகுவம்சம்; **புராண நூல்கள்** – பெரியபுராணம் – திருவிளையாடல் புராணம் – கந்தபுராணம் – அரிச்சந்திர புராணம் – தல புராணங்கள்.

**அலகு- 5 மொழி இலக்கியங்களைத் தரப்படுத்தும் முயற்சி**

மொழி இலக்கண நூல்- **பொருளிலக்கண நூல்கள்** – இறையனாரகப்பொருள் – மாறனகப்பொருள் – தமிழ்நெறி விளக்கம் – நம்பியகப்பொருள் – புறப்பொருள் வெண்பாமாலை – யாப்பருங்கலக்காரிகை – யாப்பருங்கலம்; அணியிலக்கண நூல்கள் – தண்டியலங்காரம் – மாறனலங்காரம் ; **ஐந்திலக்கண நூல்கள்** – வீரசோழியம் – இலக்கண விளக்கம் – தொன்னூல் விளக்கம் – முத்துவீரியம் - சாமிநாதம்; நிகண்டுகள் – திவாகர நிகண்டு – பிங்கல நிகண்டு – சூடாமணி நிகண்டு - உரிச்சொல் நிகண்டு – கயாதர நிகண்டு – ஆசிரிய நிகண்டு; **இலக்கண இலக்கிய உரைகள் -** இலக்கண உரையாசிரியர்கள் – நக்கீரர்- இளம்பூரணர், பேராசிரியர் – தெய்வச்சிலையார் – கல்லாடர் – நச்சினார்க்கினியர் – மயிலை நாதர் – சங்கர நமச்சிவாயர் – சிவஞான முனிவர்**; இலக்கிய உரையாசிரியர்கள் -**  அரும்பதவுரைகாரர் – அடியார்க்கு நல்லார் – பரிமேலழகர் – நாலாயிர திவ்ய பிரபந்த உரைகள்.

**பாடநூல் :**

1. பஞ்சாங்கம்.க., புதிய வெளிச்சத்தில் தமிழ் இலக்கிய வரலாறு, அன்னம் வெளியீடு, தஞ்சாவூர்.2017.

**பார்வை நூல்கள் :**

1. இந்திராகாந்தி , தமிழிலக்கிய வரலாறு , NCBH, சென்னை.
2. தமிழண்ணல், புதிய நோக்கில் தமிழிலக்கிய வரலாறு.
3. மு.வரதராசன், தமிழிலக்கிய வரலாறு, சாகித்திய அகாதெமி, புது டில்லி.
4. சா.வெ. சுப்பிரமணியன், தமிழிலக்கிய வரலாறு, உலக தமிழாராய்ச்சி நிறுவனம், சென்னை.அருணாச்சலம். மு., தமிழ் இலக்கிய வரலாறு – நூறாண்டுமுறை (14 தொகுதிகள்), தி பார்க்கர் வெளியீடு, சென்னை: 2005.
5. மது. ச. விமலானந்தம், தமிழ் இலக்கிய வரலாறு, அபிராமி பதிப்பகம்.
6. ஜான் மனுவேல், வைணவ விழுதுகள், திருப்பதி தேவஸ்தான வெளியீடு.

**இசைத்தமிழ் ( 22UTAME36 )**

**நான்காம் பருவம் - தரப்புள்ளி - 4,மணி - 4**

**விருப்ப முதன்மைப்பாடம் - I ( INTERNAL ELECTIVE - I)**

**பாட நோக்கம் :**

1. முத்தமிழில் ஒன்றான தமிழிசையின் ஆழ அகலங்களைக் கற்றுத் தெளிவதோடு கேட்கும் திறனை வளர்த்துக் கொண்டு இரசிக மனோபாவத்தை உருவாக்கல்.
2. காலந்தோறும் தமிழிசையின் நிலைப்பாட்டினை அறிந்து கொள்வர்.
3. தமிழரின் இசைக்கருவிகளின் பயன்பாட்டு அறிவைத் தெரிந்து கொள்வர்.
4. இசைக்கலைஞர்களும் இசை ஆய்வாளர்களும் தமிழிசையின் நிலைபேற்றுக்கு ஆற்றிய பங்கு பணியினை அறிவர்.
5. தமிழிசையின் வேரையும் விழுதுகளையும் அறிவர்.

**அலகு** – 1 தமிழிசை தோற்றம் வளர்ச்சி வரலாறு :

சங்ககாலம் - பல்லவர் காலம் - சோழர் காலம் - பாண்டியர் காலம் - நாயக்கர் காலம் - மராட்டியர் காலம் - தற்காலங்களில் தமிழிசையின் நிலை

**அலகு** – 2 இலக்கியங்களில் இசை :

தொல்காப்பியம் - சங்க இலக்கியம் - சிலப்பதிகாரம் - காப்பியங்கள் - பக்தி இலக்கியங்கள் - சிற்றிலக்கியங்கள்.

**அலகு** – 3 இசைக்கருவிகள் :

இசைக்கருவிகள் - யாழ், குழல், தாளக்கருவிகள்,

**அலகு** – 4 இசையாளர்களின் இசைப்பணி :

பாணர் - விறலி - சீர்காழி முத்துத் தாண்டவர் - மாரிமுத்தாப்பிள்ளை - அருணாசலக் கவிராயர் - மாயூரம் வேதநாயகம் பிள்ளை - கோபாலகிருஷ்ண பாரதி - ஆபிரகாம் பண்டிதர் - விபுலானந்த அடிகள் - மு.அருணாசலம் - அண்ணாமலை அரசர் தண்டபாணி தேசிகர் -

**அலகு** – 5 இசை ஆய்வாளர்கள் :

ஆபிரகாம் பண்டிதர் - குடந்தை ப.சுந்தரேசனார், து.ஆ.தனபாண்டியன் – வரகுணபாண்டியன்.

**பாடப் பயன்கள்**

1. காலந்தோறும் தமிழிசையின் வளர்ச்சி மாற்றங்களைத் தெரிந்து கொள்வர்.

2. இயலும் இசையும் இணைந்து வளர்ந்துள்ள வளர்த்துள்ள தமிழிசையின் சிறப்பினை அறிந்து கொள்வர்.

3. தமிழிசைக் கருவிகளின் பயன்பாடு வன்மை மென்மைகளை அறிந்து கொள்வர்.

4. இசைத்தகைமையாளர்கள் வளர்த்தெடுத்த இசை நெறிகளை அறிந்து தெளிவு பெறுவர்.

5. தமிழிசை நுகர் பண்பினை வளர்த்தெடுத்துக் கொள்வர்.

**பாட நூல்கள்**

1. து.ஆ.தனபாண்டியன், 1994, இசைத்தமிழ் வரலாறு பகுதி ஒன்று, தமிழ்ப் பல்கலைக்கழகம், தஞ்சாவூர்.
2. து.ஆ.தனபாண்டியன், 2001, இசைத்தமிழ் வரலாறு பகுதி மூன்று, தமிழ்ப் பல்கலைக்கழகம், தஞ்சாவூர்.

**பார்வை நூல்கள்**

1. இரா.கலைவாணி, 2005, சங்க இலக்கியத்தில் இசை, ஏழிசைப் பதிப்பகம், மயிலாடுதுறை- 609305.
2. இராச.கலைவாணி, 2014, தொல்காப்பியத்தில் இசை தொன்மையும் தொடர்ச்சியும், ஏழிசைப் பதிப்பகம், மயிலாடுதுறை - 609305.
3. முனைவர் த.கனகசபை, 2010, தமிழிசை மரபும் தேவார திவ்விய பிரபந்தப் பண்களும், பாரதிதாசன் பல்கலைக்கழகம், திருச்சி - 24.

**OUTCOME MAPPING:**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 2 | 2 | 3 | 2 | 3 |
| C02 | 2 | 1 | 3 | 2 | 3 |
| C03 | 2 | 2 | 3 | 2 | 3 |
| C04 | 2 | 1 | 2 | 3 | 3 |
| C05 | 2 | 2 | 3 | 2 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

**விருப்ப முதன்மைப்பாடம் - 2**

**22UTAME36-2: இதழியல்**

**பருவம் -3 4 தரப்புள்ளி**

**விருப்ப முதன்மைப்பாடம் 4 மணி நேரம்**

**நோக்கம்**

இலக்கியத்தோடு மிக நெருங்கிய தொடர்பு கொண்டுள்ள இதழியியல் தொடர்பான தகவல்களை மாணவ ர்கள் அறியும்படி செய்தல்.

**பயன்**

சமுதாயம் தொடர்பான பொதுசெய்திகள், அரசியல், ஆன்மீகம்,விளையாட்டு, பொதுஅறிவு இன்னும்பிற அனைத்துச் செய்திகளை ஆராய்ந்து சேகரிப்பதற்கும். சேகரித்த செய்திகளை அழகுற வடிவமைப்பதற்கும், பல்துறை சார்ந்த வல்லுநர்களை நேர்காணல் செய்வதற்கும் களம் அமைத்துக் கொடுப்பதாக இதழியல் துறை உள்ளது என்பதை மாணவ சமுதாயத்திற்கு அறிவுறுத்தி வேலைவாய்ப்புகளி அமர்வதற்கான சூழலை ஏற்படுத்திக் கொடுத்தல்.

**அலகு – 1 இதழியல் :**

இதழியல் விளக்கம் – மக்கள் தொடர்பு சாதனங்கள் – மக்கள் தொடர்புக் கருவிகளில் பத்திரிக்கைகள் – பத்திரிக்கைகளின் பணிகள் – இதழியல் விதிகள் – பத்திரிக்கைகளின் பொறுப்புகளும் கடமைகளும் – மக்களாட்சியில் பத்திரிக்கைகளின் பங்கு

**அலகு- 2 செய்தி வகை :**

செய்தித்தாளின் தோற்றம் – இந்திய இதழியல் – இந்திய விடுதலைப் போராட்டத்தில் இதழ்களின் பங்கு – தமிழ் இதழ்கள் செய்தி வகைகள் – களங்கள் செய்தியாளர்கள் – செய்தி சேகரிப்பு – செய்திகள் எழுதும் முறை

**அலகு – 3 இதழியல் சட்டம் :**

தலைப்பு – தலையங்கம் – பக்க அமைப்பு – செய்தி நிறுவனங்கள் – இதழியல் சட்டங்கள் – பத்திரிக்கைகள் கவுன்சில் – இதழ்களின் சுதந்திரம்.

**அலகு – 4 இதழ்கள் – நிர்வாக அமைப்பு:**

இதழ்கள் – இன்றைய இதழியல் – நிர்வாக அமைப்பு – இதழ்களின் பகுப்பும் அமைப்பும் – இதழ்களில் இடம்பெறுவன – விளம்பரங்கள் – புலனாய்வு இதழ்கள் – நச்சு இதழ்கள்.

**அலகு – 5 இன்றைய பத்திரிக்கை போக்கு:**

பேட்டி – புகைப்படங்கள் – துணுக்குகள் – கேலி மற்றும் கருத்துப் படங்கள் – மொழிநடை – தலையங்க உருவாக்கம் - E-Journals – மின்னிதழ் – சிற்றிதழ்கள்.

**பாடநூல் :**

1. மா.பா.குருசாமி , இதழியல் கலை, குரு – தேமொழி பதிப்பகம் – 2009.
2. மக்கள் தகவல் தொடர்பியல் , டாக்டர் எஸ்.ஸ்ரீ.குமார். செண்பகா பதிப்பகம், சென்னை -2002.

**விருப்ப முதன்மைப்பாடம் - 3**

**22UTAME36-3: சித்தர் இலக்கியம்**

**4 தரப்புள்ளி**

**4 மணி**

கற்பித்த**ல்** நோக்க**ங்கள்**

1. சைவ சிந்தாந்தக் கொள்கைகளின் அறிமுகம்
2. சித்தர்கள் பற்றிய விளக்கம், சித்தர்களின் எண்ணிக்கை போன்றவற்றை அறிதல்
3. சைவ சிந்தாந்தத்தின் முப்பொருள் விளக்கம், ஆன்மாவின் நிலைகளை அறிதல்
4. சித்தர்களின் சித்தாந்தம், பாடல்முறை போன்றவற்றை அறிதல்
5. திருமூலரின் சிறப்புகளை அறிதல்

**அலகு - 1**

சித்தர் சொல் விளக்கம் – வரலாறு – சித்தர் சொல்விளக்கம் – முனிவர் – ரிஷி – சன்னியாசி - ஞானி – முத்தர் – சித்தர் – சித்தம் – சொல் விளக்கம் – சொல் திரிபு – சித்தம் இலக்கியச் சான்று – சித்தி வகைகள் – சித்தர்களின் காலம் – இலக்கிய அறிஞர்களின் சித்தர்கள் பற்றிய சிந்தனை – சித்தர்களின் தொகை – சித்தர்களின் நெறி - மறைபொருள்.

**அலகு – 2**

சித்தர்களின் வரலாறு – அகத்தியர், அகப்பேய்ச் சித்தர், அழுகணிச் சித்தர், இடைக்காட்டுச் சித்தர், இராமதேவர், உரோமரிஷி, கடுவெளிச் சித்தர், காகபுசுண்டர், குதம்பைச் சித்தர், கொங்கணச் சித்தர், சட்டைமுனி, சிவ வாக்கியர், சுப்பிரமணியர், திருமுலர், நந்தீசுவரர், பட்டினத்தார், பத்திரகிரியார், பாம்பாட்டிச் சித்தர்.

**அலகு – 3**

சாத்திர நூல்களுக்கு முன் தோன்றிய சித்தர்களின் சித்தாந்தம் – அகத்தியர் பசித்தாந்தம் – அகப்பைச் சித்தர்களின் சித்தாந்தம் – 18 சித்தர்களின் சித்தாந்தம் – சிவனே முதல் சித்தன்.

**அலகு - 4**

திருமூலரின் திருமந்திரங்கள் முதல் ஐந்து தந்திரங்கள்

**அலகு – 5**

பட்டினத்தாரின் பாடல்களில் நிலையாமைப் பகுதி

**கற்றல் விளைபயன்கள்**

|  |  |
| --- | --- |
| CO1: | **சைவ சிந்தாந்தக் கொள்கைகளையும் சாத்திர நூல்களின் அறிமுகத்தையும் மாணவர்கள் பெறலாம்.** |
| CO2: | **சித்தர்களின் சொல் விளக்கம், சித்தர்களின் எண்ணிக்கை, அவர்களின் வரலாறு, சித்திகளின் எண்ணிக்கை, அவற்றை அடையும் முறைகள் போன்றவற்றை அறியலாம்.** |
| CO3: | **சைவ சித்தாந்தத்தின் முப்பொருள் உண்மை பற்றிய விளக்கம், இறைவனை அடையும் நிலைகள் ஆகியவற்றை அறியலாம்.** |
| CO4: | **பதினெண் சித்தர்களின் பெயர்கள் மற்றும் வரலாற்றை அறிவதுடன் அவர்களின் பாடலின் தன்மைகளையும் பாடுபொருளையும் அறியலாம்.** |
| CO5: | **சாத்திர நூல்களுக்கு முன்தோன்றிய சித்தர்களின் வரலாறு பற்றி அறியலாம். திருமூலரின் சிறப்புகளை அறிந்துகொள்ளலாம்.** |

**பாட நூல் :**

1. சித்தர்களின் சித்தாந்தம், முனைவர் பழ. சம்பத்து, இளம்பிறை பதிப்பகம், 18ஏ, இந்திரா நகர், மயிலம் சாலை, திண்வினம்.

**பார்வை நூல்கள்**

1. அருணாசலம், ப. 1976. இந்து சமயம் ஓர் கையேடு. மலேயாப் பல்கலைக்கழகம்.
2. அருணாசலம், ப. – சைவ சமயம், பாரி நிலையம், சென்னை-1
3. அருணை வடிவேல் முதலியார் 1984. சிவஞானபோதச் சிற்றுரை விளக்கம், ஞானசம்பந்தம் பதிப்பகம். தருமையாதீனம்.
4. இரத்தினசபாபதி, வை. 1979. திருமுறைத் தெளிவே சிவஞானபோதம், மெய்யுணர்வுக் மேல்நிலைக்கல்வி நிறுவனம், சென்னை.
5. இராசமாணிக்கனார், மா. சைவ சமய வளர்ச்சி, பாரி நிலையம், சென்னை-1.
6. இராமநாதன் அரு. (ப.ஆ) சித்தர் பெரிய ஞானக்கோவை என வழங்கும சித்தர்
7. பாடல்களின் முதல் இரண்டாம் பகுதி. பிரேமா பிரசுரம். சென்னை-24.
8. சிதம்பரனார் சாமி, சித்தர்கள் கண்ட விஞ்ஞானமும் தத்துவமும், இலக்கிய நிலையம், சென்னை.
9. சுப்பிரமணிய பிள்ளை, பொ. சித்தாந்தச் செம்பொருள் விளக்கம், திருவிடைமருதூர், தேவஸ்தானம்.
10. டி.எண்.கணபதி, தமிழ்ச்சித்தர் மரபு, ரவி பப்ளிகேஷன்ஸ்,சென்னை 2005.

இரண்டாம் ஆண்டு - மூன்றாம் பருவம்

Part-III -Skill Based Subject III - (22UTAMS37)

**கணினியில் தமிழ்ப்பயன்பாடு**

தரப்புள்ளி - 2,மணி - 2

**பாட நோக்கம்:**

தமிழ் இலக்கியம் பயிலும் மாணவர்கள் கணினி சார்ந்த உலகளாவிய கல்விச் சூழலை எதிர்கொள்ளும் வகையில் கணினி மற்றும் - கணினியில் தமிழ் மொழி வாயிலான பயன்பாடுகள் குறித்த அறிவை மாணவர்களுக்குக் கற்பித்தல்.

**மாணவர் பெறும் திறன்:**

1. நவீனத் தொழில் நுட்பக்கருவிகளையும், அதன் பயன்பாடுகளையும் அறிதல்.
2. உலகளாவிய கல்விச்சூழலை எதிர்கொள்ளும் திறன்களைப் பெறுதல்.
3. தாய்மொழிக் கல்வி வாயிலாகக் கணினியைப் பயன்படுத்தக் கற்றுக்கொள்ளுதல்.

**அலகு 1.** **கணினி அறிமுகம்**

கணினியின் வரலாறு - கணினியின் வளர்ச்சி நிலைகள் - கணினியின் வகைப்பாடுகள் - கணினியின் கட்டமைப்பு - உள்ளீட்டகம் - வெளியீட்டகம் - கணினியில் வன்பொருள் - மென்பொருள்.

**அலகு 2.** **கணினியில் தமிழ்**

கணினியில் தமிழ் அறிமுகம் **-** விசைப்பலகை - எழுத்துருக்கள் - குறியேற்றம் - உலாவிகள் - தேடுபொறிகள் - மைக்ரோப்சாஃப்ட் வேர்டு, எக்சல், பவர் பாய்ண்டு பயன்பாடுகள் - கணினியில் தமிழ் மொழி வாயிலாகத் தட்டச்சு செய்ய உதவும் மென்பொருள்கள் - கணினியில் தமிழ் மொழியைத் தட்டச்சு செய்யும் முறைகள் - தமிழில் பிழைத்திருத்திகள் - தமிழ் எழுத்துருக் குறியேற்ற மாற்றி - எந்திர மொழிபெயர்ப்பு**.**

**அலகு 3. இணையமும் தமிழும்**

இணையம் அறிமுகம் - இணையத்தின் பயன்கள் - இணையத் தொழில் நுட்பத்தின் அடிப்படைகள் - தமிழ் இணைய மாநாடுகள் - தமிழ்க்கணினி வல்லுநர்கள்- கணினித்தமிழ் ஆய்வு சார்ந்த அமைப்புகளும் செயல்பாடுகளும்**.**

**அலகு 4. இணையமும் தமிழ்ப்பயன்பாடும்**

மின்னஞ்சல் -வலைப்பூ - மின் நூலகம் - மின் குழுக்கள் - மின்னாளுமை - மின் நூல்கள் உருவாக்கமும் பயன்பாடுகளும் - கணினித் தமிழ் இதழ்கள் - விக்கிப்பீடியா - கையடக்கக் கணினி மற்றும் செல்பேசி சார்ந்த குறுஞ்செயலிகள்.

**அலகு 5. இணைய வழியில் கற்றல் கற்பித்தல்:**

மின் கற்றல் - இணைய வழிக் கற்றலின் பண்பும் பயனும் - இணையவழிக் கற்றலின் வகைகள் - சமூக ஊடகங்களும் தமிழ்க்கல்வியும் - கற்றல் கற்பித்தலில் தொழில்நுட்பத்தின் பங்கு.

**பாட நூல்கள்:**

1. முனைவர் இல. சுந்தரம், கணினித்தமிழ், பதிப்பு :2015 (ISBN :978-81-8476-660-8 ) விகடன் பிரசுரம், 757.அண்ணாசாலை, சென்னை – 600002.
2. முனைவர் துரை .மணிகண்டன்: தமிழ்க் கணினி இணையப் பயன்பாடுகள், பதிப்பு:2012, (மற்றும்) த. வானதி (ISBN :978-81-922882-2-2) கமலினி பதிப்பகம், கச்சமங்கலம், தஞ்சை மாவட்டம் - 613102
3. முனைவர் க. துரையரசன் : இணையமும் தமிழும், பதிப்பு: 2009 (ISBN :978-81-908398-0-8), இசை பதிப்பகம், 24. சபரி நகர், கும்பகோணம் - 612001.

**பார்வை நூல்கள்:**

1. மு.பொன்னவைக்கோ : கணிப்பொறி அறிவியல் தகவல் தொடர்பு தொழில் நுட்பம், தமிழ்வளர்ச்சிக்கழகம், சென்னைப்பல்கலைக்கழக வளாகம்,சென்னை- 600005.
2. க. அபிராமி: கணினி ஓர் அறிமுகம், தமிழ்ப் புத்தகாலயம், சென்னை.
3. மா. அண்டோ பீட்டர : தமிழும் கணிப்பொறியும், (பதிப்பு: 2002), கற்பகம் புத்தகாலயம், 50/18. ராஜா பாதர் தெரு, சென்னை - 600005.
4. இராதா செல்லப்பன் : தமிழும் கணினியும், கவிதை அமுதம் வெளியீடு, திருச்சி. பதிப்பு 2011.
5. இரா. பன்னிருகை வடிவேலன்: தமிழ் மென்பொருள்கள், (பதிப்பு: 2014) நோக்கு, நேரு நகர், கொட்டிவாக்கம், சென்னை – 600096.

**OUTCOME MAPPING:**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 2 | 2 | 3 | 2 | 3 |
| C02 | 1 | 2 | 3 | 3 | 3 |
| C03 | 2 | 3 | 3 | 2 | 3 |
| C04 | 2 | 2 | 3 | 3 | 3 |
| C05 | 1 | 2 | 3 | 3 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

**முதலாம் ஆண்டு - %d;whk; gUtk; - பிரிவு - IV**

Non Major Elective-I ஆட்சித்தமிழ்-I - 22UTAMN 38

தரப்புள்ளி – 2, மணி – 2

**fw;wypd; Nehf;fq;fs; (LEARNING OBJECTIVES)**

1.பண்டைய மன்னர் காலத்து ஆட்சிமுறை தொடங்கி காலந்தோறும் ஆட்சிமுறை மாற்றங்களை எடுத்துக்கூறி ஆங்கிலேயே ஆட்சிமுறை வரையிலான் நடப்புகளை அறியச் செய்தல்.

2. செய்தல்.தமிழ் ஆளுமைகள் பிரகடனப்படுத்திய தமிழ் ஆட்சிமொழி விழிப்புணர்வைப் பெறச் செய்தல்..

3.தமிழுக்கான சங்கங்கள் இயக்கங்கள் வழி தமிழுக்குத் தகுமிடத்தை துறைதோறும் பெற விழிப்புணர்வை ஏற்படுத்துதல்.

4.ஆட்சிமொழிக் குழுவின் பணிகளின்வழி தமிழ்ப்பயிற்சிகளை வழங்கி ஆட்சிமொழி கலைச்சொற்கள் மற்றும் அகராதி உருவாக்கங்களை செய்யும் ஆர்வத்தைத் தூண்டல்.

**ghlj;jpd; ntspg;ghLfs;: (COURSE OUTCOME)**

1. தாய்மொழிக்கான அடையாளத்தை பிறமொழிகள் அழிக்காத வண்ணம் தாய்மொழி அறிவின் தகுதிப்பாடு உயர்வது,

2. தனிநபரின் செயல்பாடால் சாதிக்க முடியாத செம்மையை அரசால் தாய்மொழிக்கு செய்ய முடியும் என்பதை சாத்தியப் படுத்துதல்.

3. தட்டச்சுப்பொறி முதல் கணினிப்பொறி வரையிலான அதிகாரத்தை தாய்மொழியாம் தாய்மொழிக்குக் கொடுத்து வளர்க்கும் விழிப்புணர்வை பெறச்செய்தல்

4. நீதிமன்றம் முதல் அனைத்து நிறுவனங்களிலும் தாய்மொழிக்கான இடத்தை பெறச்செய்தல்.

5.கருத்தகருத்தரங்குகள், போட்டிகள் போன்றவற்றை நடத்தி தாய்மொழிக்கான உணர்வை பல்லாற்றானும் பெற்று இயங்கவைத்தல்.

அலகு-1

ஆட்சிமொழித்திட்டம் – பண்டைய தமிழகத்தில் ஆட்சி மொழி – சோழர் பாண்டியர் பல்லவர் காலம் – நாயக்கர் காலம் – ஆங்கிலேயர் வருகை – ஆங்கிலேயர் காலம் – தமிழ் ஆட்சிமொழி விழிப்புணர்வு – பாரதி, பாரதிதாசன், மறைமலையடிகள் பயன்படுத்தியுள்ள சொற்கள் – தமிழ்த்தென்றல் திரு.வி.க. பேரறிஞர் அண்ணா, மு.வரதராசனார் ஆட்சிமொழிக் கருத்தாக்கங்கள்.

அலகு-2

தமிழ்ச் சங்கங்களும் தொண்டுகளும் – தமிழ் இயக்கங்களும் தொண்டுகளும் – ஆங்கிலேயர் ஆதிக்கம் – வட்டார மொழிகளுக்கு ஏற்றம் – இந்திய விடுதலையும் ஆட்சிமொழித் தோற்றமும் – ஆட்சிமொழித் தோற்றமும் வளர்ச்சியும் அரிமா நோக்கு – இரட்டை ஆட்சி – தாய்மொழி உரிமை வட்டார மொழியில் சட்டங்கள் – தமிழ் ஆட்சிமொழி – ஆட்சி மொழிக்குழு – அலுவலர்கள் – தமிழ் வளர்ச்சி இயக்கத் தோற்றம் – தமிழ் ஆட்சிமொழித் திட்டத் தொடர்பு அலுவலர்.

அலகு-3

சட்டங்கள் – ஆணைகள் – ஆட்சிமொழித் திட்டச் செயற்பாடு முதல் நான்கு நிலைகள் – ஆட்சி மொழிக்குழுவின் பணிகள் – மொழிபெயர்ப்பு தொடர்பான பணிகள் – தட்டச்சு, தட்டச்சர், சுருக்கெழுத்தர் தட்டச்சர் – தமிழ்த்திட்டம் தொடர்பான பயிற்சி வகுப்புகள் – ஆய்வுப் பணிகள் – எழுத்தும் சீர்திருத்தம் – மூவாண்டு முனைப்புத் திட்டம் – நீதிமன்றங்களில் தமிழ்த்திட்டம்.

அலகு-4

ஆட்சிமொழியும், தமிழ் வளர்ச்சித் துறையும் – தட்டச்சுகள் மாற்றம் – அலுவலரும் தமிழும் – முதன் நான்கு நிலைகள் – தமிழ் வளர்ச்சி இயக்கத் தோற்றம் – துணை நூல்கள் தயாரிப்புப் பணி – ஆட்சிச் சொல்லகராதி – சிறப்புச் சொல் துணையகராதி – தமிழ் எழுத்துச் சீரமைப்பு – மூவாண்டு முனைப்புத் திட்டம் - தமிழ் வளர்ச்சி உயர்நிலைக் குழு – குழுவின் பயன்கள் – மொழிப்பெயர்ப்பு தமிழ்த் தட்டச்சில் அரசுத் தட்டச்சர்களுக்குப் பயிற்சியளித்தல் – தமிழில் போதிய தேர்ச்சி பெற்றிராத அரசுப் பணியாளர்களுக்குப் பயிற்சியும் தேர்வும் – இளநிலை இ.ஆ.ப. இ.கா.ப அலுவலர்களுக்கு பயிற்சி – ஊக்கத்திட்டம்.

அலகு-5

திட்டச் செயலாக நிலை – மொழி பெயர்ப்பு, அகராதிகள் – பயிற்சி – பரிசளிப்பு – தட்டச்சு மன்றம், ஆய்வு- ஆட்சி மொழிக் கருத்தரங்குகள் – ஊர் மற்றும் தெருப் பெயரமைப்பு – தீர்மானத்தின் வாசகம்.

பாடநூல் : டாக்டர் த.பெரியாண்டவன், ஆட்சித் தமிழ் வளர் தமிழ்ப்   
 பதிப்பகம், சென்னை-95.

பார்வை நூல்கள் :

1.இராதா.செல்லப்பன் – கலைச்சொல்லாக்கம்,நாவல் பிரிண்டர்ஸ்.சென்னை.

2.கீ.இராமலி்ங்கனார் – என் வரலாறு,சைவசித்தாந்தநூற்பதிப்புக்கழகம்,சென்னை.

3.கீ.இராமலி்ங்கனார் – ஆட்சித்துறைத்தமிழ்,சைவசித்தாந்தநூற்பதிப்புக்கழகம்,சென்னை.

4.சு.சண்முகவேலாயுதம்- மொழிபெயர்ப்பியல்,உலகத்தமிழாராய்ச்சிநிலையம்,சென்னை.

5.துரை.சுந்தரேசன்-தமிழ்ஆட்சிமொழிஒருவரலாற்றுநோக்கு,தமிழ்ப்பல்கலைக்கழகம், தஞ்சை,

6. இராம.பெரியகருப்பன்- உங்கள் தமிழைத் தெரிந்து கொள்ளுங்கள், சிந்தாமணிப்பதிப்பகம், மதுரை.

7.கோ.முத்துப்பிள்ளை– அன்னைமொழியும் ஆட்சித்துறையும், சைவசித்தாந்த நூற்பதிப்புக்கழகம் , சென்னை

8.மணவை.முஸ்தபா. – காலம் தேடும் தமிழ், மீரா பதிப்பகம், சென்னை

9.வ.ஜெயதேவன் – தமிழ் அகராதியியல் வளர்ச்சி வரலாறு, ஐந்திணைப்பதிப்பகம், சென்னை

10.ஆட்சி சொல்லகராதி – தமிழ் வளர்ச்சித் துறை (வெளியீடு)

இரண்டாமாண்டு -- நான்காம் பருவம் CORE COURSE- VII,

(PART -III -) - தாள் - காப்பிய இலக்கியம் 22UTAMC43

**நோக்கம்:** தரப்புள்ளி - 4,மணி - 4

> தமிழ் இலக்கிய வரலாற்றில் காப்பியப் பின்புலத்தைக் கற்பித்தல்.

> தமிழ்க் காப்பியங்களின் பல்வேறு தன்மைகளையும் தனிச்சிறப்பு களையும் உணர்த்துதல்.

> சமணம்,பெளத்தம்,சைவம்,வைணவம்,இஸ்லாமியம்,கிறித்துவ காப்பியத் தனித்தன்மைகளைக் கற்பித்தல்.

**பயன்:**

> தமிழ்க் காப்பியங்களின் வரலாற்றுப் பின்னணியை அறிதல்.

> பல்வேறு காப்பியங்களின் தனிச்சிறப்புகளை உணர்த்தல்.

**அலகு-1**

சிலப்பதிகாரம் - புகார்க்காண்டம்-கனாத்திறம் கண்ட காதை

மணிமேகலை - மலர் வனம் புக்க காதை

**அலகு- 2**

சூளாமணி -தூதுவிடு சருக்கம்

உதயண குமார காவியம் -உஞ்சைக் காண்டம்

**அலகு-3**

சீவக சிந்தாமணி -கேமசரியார் இலம்பகம்

நளவெண்பா -சுயம்வர காண்டம்

**அலகு -4**

கம்பராமாயணம் - பாலகாண்டம் -ஆற்றுப்படலம்

பெரியபுராணம் -கண்ணப்ப நாயனார் புராணம்

**அலகு -5**

சீறாப்புராணம் - நுபுவ்வத்துக் காண்டம் -விடமீட்ட படலம்

தேம்பாவணி -மூன்றாம் காண்டம்-முடி சூட்டுப் படலம்

**பாட நூல்கள்:**

1. பன்னிரு திருமுறைகள் - வர்த்தமனன் பதிப்பகம்,சென்னை.

2. உ.வே.சாமிநாதய்யர்.,சீவக சிந்தாமணி மூலமும் நச்சினார்க்கினியர் உரையும்,உ.வே.சா.நூல் நிலையம்,சென்னை.

3. ந.மு.வேங்கடசாமி நாட்டார்., சிலப்பதிகாரம் உரை,கழக வெளியீடு,சென்னை.1999

4. ந.மு.வேங்கடசாமி நாட்டார்., மணிமேகலை உரை,கழக வெளியீடு,சென்னை.1955

5. கம்பராமாயணம்,கம்பன் கழகம்,கோயம்புத்தூர், 2004.

6. உமறுபுலவர்,சீறாப்புராணம்,மரைக்காயர் பதிப்பகம்,1987.

7. வீரமாமுனிவர்,தேம்பாவணி,பாரிநிலையம்,சென்னை, 2010.

**பார்வை நூல்கள்;**

1. மு.அருணாச்சலம்,தமிழ் இலக்கிய வரலாறு -நூறாண்டு முறை [14 தொகுதிகள்] தி பார்க்கர் வெளியீடு,சென்னை, 2005.

2. க.வெள்ளைவாரணனார்,பன்னிரு திருமுறை வரலாறு, அண்ணாமலைப் பல்கலைக்கழகம், சிதம்பரம்.

3. து.சீனிச்சாமி.,தமிழில் காப்பியக் கொள்கை,தமிழ்ப் பல்கலைக்கழகம்,தஞ்சாவூர்,1994.

4. வ.ஐ.சுப்பிரமணியம்,காப்பியக் கட்டுரைகள்,மீனாட்சி புத்தக நிலையம்,மதுரை,1987.

5. எஸ்.வையாபுரிப்பிள்ளை., காவிய காலம், தமிழ்ப் புத்தகாலயம், சென்னை.1962.

6. ந.பிச்சமுத்து., திறனாய்வும் தமிழ் இலக்கியக் கொள்கைகளும், சக்தி வெளியீடு, சென்னை, 2002.

OUTCOME MAPPING:

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 2 | 2 | 1 | 2 |
| C02 | 3 | 2 | 1 | 1 | 2 |
| C03 | 2 | 2 | 2 | 1 | 3 |
| C04 | 2 | 2 | 2 | 2 | 3 |
| C05 | 2 | 3 | 3 | 2 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

**,uz;lhkhz;L - ehd;fhk; gUtk;- IV - 22UTAMC44**

**(Core Course - VIII)- ek;gpafg; nghUs;**

**நோக்கம் :** தரப்புள்ளி - 4,மணி - 4

1. வாழ்வியல் நெறிமுறைகளை வகுத்துக்கொண்டு வாழ்ந்த தொடக்க கால தமிழர்களின் பெருமையைப் புலப்படுத்தல்.
2. பழந்தமிழரின் அகவாழ்வியல் செம்மையை அறியச்செய்தல்.
3. புனைவு இல்லாத காதலால் குடும்ப வாழ்க்கை மேலோங்கி இருந்த தன்மையை உணரச்செய்தல்.
4. காதலில் எல்லைகளைத் தாண்டாத நெறியில் நின்று அதேவேளை காதல் புரிந்தவரையே மணம் செய்துகொள்வதில் தீவிரம் காட்டியதையும் அறியச்செய்தல்

**பயன்:**

1. சமுதாயம் காட்டும் நெறியைப் பிறழாத செம்மையை அகவாழ்வில் தமிழர்கள் பின்பற்றியதை அறிதல்.
2. குடும்பநெறியை அகவாழ்வில் காத்துள்ள தமிழ்க்குணத்தை உணர்தல்.
3. தோழர்,தோழியர் என்போர் மணவாழ்வை அமைத்துக்கொடுப்பதில் பெருந்துணை ஆற்றியுள்ளமையை அறிதல்.

**myF -1** mfj;;jpizapay;

**myF -2** fstpay; - ghq;fpaw; $l;lk; Kba

**myF -3** fstpay; - gfw;Fwp Kjy; tiutpil itj;J nghUs; tapw; gphpjy; Kba

**myF -4** tiutpay;

**myF -5** fw;gpay;> xopgpay;

**ghlE}y;**

1. KidtH r.Rgh~; re;jpu Ngh];> ,ay; ntspaPL>23gp / 2739 njhg;Gs; gps;isahH Nfhtpy; njU>new;fypq;fk;> jQ;ir - 613001.

**ghHit E}y;**

1. KidtH rh. jpUQhdrk;ge;jk;> fjpH gjpg;gk;> jpUtiahW.

OUTCOME MAPPING:

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 2 | 2 | 1 | 2 |
| C02 | 2 | 1 | 2 | 2 | 3 |
| C03 | 2 | 2 | 1 | 1 | 2 |
| C04 | 2 | 2 | 2 | 1 | 2 |
| C05 | 3 | 2 | 2 | 3 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

இரண்டாம் ஆண்டு - நான்காம் பருவம்

தாள் - ,

22UTAMA45-1 தமிழ் இலக்கிய வரலாறு - பகுதி 2

(சார்புப் பாடம்)

நோக்கம் :

* தமிழ் இலக்கியங்களின் போக்குகளை வரலாற்றுப் பின்புலத்தில் கற்பித்தல்
* தமிழ் இலக்கியங்களின் பல்வேறு தன்மைகளையும் தனிச்சிறப்புகளையும்
* உணர்த்துதல்
* சிற்றிலக்கியம் பற்றிய நுணுக்கத்தினைக் கற்பித்தல்
* நாடகம் பற்றி இலக்கணத்தோடு கற்பித்தல்
* தற்கால ஊடகங்கள் பற்றிய அறிவினை ஊட்டல்

பயன் :

* தமிழ் இலக்கியங்களின் வரலாற்றுப்பின்னணியை அறிதல்
* பல்வேறு இலக்கியங்களின் தனிச்சிறப்புகளை உணர்தல்
* சிற்றிலக்கியம் எழுத ஆர்வம் ஏற்படுவது
* நாடக முறைமையை உணர்தல்
* தற்கால ஊடகங்களின் நிலையினைக் கற்றல்

கூறு 1 சிற்றிலக்கிய உருவாக்கம்: நாயக்கர் காலத் தமிழகம் – சிற்றிலக்கியங்கள் – பிள்ளைத்தமிழ், உலா – குறவஞ்சி – பள்ளு – அந்தாதி – கலம்பகம் – கோவை – பரணி – சதகம் – தூது; பாட்டியல் நூல்கள் – தொகுப்பு நூல் – சித்தர் இலக்கியம் – தனிப்பாடல் திரட்டுகள் ; தமிழில் இஸ்லாம் இலக்கியம் – உமறுப்புலவர் – வண்ணக்களஞ்சியப் புலவர் – செய்குதம்பிப் பாவலர் – குணங்குடி மஸ்தான் சாஹிப் – குஞ்ஞமுக லெப்பை காஜி ஆலிப்புலவர்; தனிமனிதர் இலக்கியம் – ஔவையார் – அருணகிரிநாதர் – அதிவீரராமபாண்டியன் – காளமேகப்புலவர் – பட்டினத்தார் – தாயுமானவர் – சிவப்பிரகாச சுவாமிகள்

கூறு 2 ஐரோப்பியர் வருகையும் தமிழ் இலக்கியமும் : ஐரோப்பியக் காலனித்துவத் தமிழ்ச்சமூகம் – கிறித்துவமும் தமிழும் – இராபர்ட் டி நொபிலி – ஜோசப் பெஸ்கி – சீகன் பால்கு – எல்லீஸ் – இரேனியஸ் – ஜி.யு.போப் – இராபர்ட் கால்டுவெல் ; தமிழ்நாட்டுக் கிறித்தவர்களும் தமிழும் – வேதநாயகம் சாஸ்திரியார் – வேதநாயகம் பிள்ளை – எச். ஏ. கிருஷ்ணப்பிள்ளை – ஆப்ரகாம் பண்டிதர்; சிற்றிலக்கியத் தொடர்ச்சி – குமரகுருபரர் – அண்ணாமலை ரெட்டியார் ; மரபும் புதுமையும்- கோபால கிருஷ்ண பாரதியார் – இராமலிங்க அடிகள் – மனோண்மணியம் சுந்தரம் பிள்ளை – அயோத்திதாச பண்டிதர்

கூறு 3 பின்காலனித்துவத் தமிழ்ச் சமூகத்தின் இயக்கங்களும் இலக்கியங்களும்: தொடக்ககாலப் புதினங்கள் – முனிசீப் வேதநாயகம் – பி. ஆர். இராஜமையர் – மாதவையா- தி.ம. பொன்னுசாமி; துப்பறியும் தழுவல் புதினங்கள் – சீர்திருத்தப் புதினங்கள் – தமிழுணர்வுப் புதினங்கள் – இயக்கப் பின்புலத்தின் புதினங்கள் – இந்தியத் தேசிய இயக்கமும் புதினமும் – திராவிட இயக்கமும் புதினமும் – பொதுவுடைமை இயக்கமும் புதினமும் – உலகப் போர்களும் புதினமும் – வட்டாரப் புதினங்கள் – வரலாற்று புதினங்கள் – சோதனை முயற்சிகள் – விளிம்புநிலை மக்கள் குறித்த புதினங்கள் ; தொடக்ககாலச் சிறுகதைகள்: திருமணம் செல்வக்கேசவராய

முதலியார் – மாதவையா – பாரதியார் – வ.வே.சு. ஐயர் ; காந்தியமும் சிறுகதைகளும் – திராவிட இயக்கமும் சிறுகதைகளும் – பொதுவுடைமை இயக்கமும் சிறுகதைகளும் – மணிக்கொடி எழுத்தாளர்கள் – வட்டாரச் சிறுகதைகள் – சோதனை முயற்சிகள் – விளிம்புநிலை மக்கள் குறித்த

சிறுகதைகள்; காலனித்துவத்தின் தொடக்ககாலக் கைவிதைகள்: இந்தியத் தேசிய விடுதலை இயக்கக் கவிஞர்கள் – பாரதியார் – தேசிக விநாயகம் – வெ. இராமலிங்கம் – சுத்தானந்த பாரதியார் – ச.து.சு. யோகியார் – பெரியசாமி தூரன்; திராவிட இயக்கக் கவிஞர்கள் – பாரதிதாசன் – முடியரசன் – சுரதா – வாணிதாசன்; பொதுவுடைமை இயக்கக் கவிஞர்கள் – ஜீவா – பட்டுக்கோட்டை கல்யாணசுந்தரம்; புதுக்கவிதைத் தோற்றமும் பல்வேறு போக்குகளும்; தமிழ்ச் சிறுகதைகளில் பெண்ணியம் – நவீனப் பெண் கவிஞர்களின் கவிதைகள் – தலித் கவிதைகள்- ஒரு வரலாற்றுப் பார்வை

கூறு 4 நாடகமும் வேறுபல் புதிய இலக்கியங்களும்: நாடக இலக்கியம் – புதிய நாடகங்களைப் படைத்தல் – மொழி பெயர்த்தலும் தழுவுதலும் – அச்சுப் பிரதியாக்குதல் – நாடக நிறுவனங்கள் – தேசிய இயக்கமும் நாடகமும் – திராவிட இயக்கமும் நாடகமும் – நவீன நாடக இயக்கம்; கட்டுரை இலக்கியம்- குழந்தை இலக்கியம் – வாழ்க்கை வரலாற்று இலக்கியம் – கடித இலக்கியம் – பயண இலக்கியம் – நாட்டுப்புற இலக்கியம் – அறிவியல் புனைகதைகள்; இலக்கியத் திறனாய்வு – மூலபாடத் திறனாய்வு – உரைமரபுத் திறனாய்வு – கல்வியாளர் திறனாய்வு – அழகியல் திறனாய்வு – சமூகவியல் திறனாய்வு – ஒப்பிலக்கியத் திறனாய்வு

கூறு 5 ஊடகங்களும் இலக்கியங்களும் – உலக நாடுகளில் தமிழிலக்கியம்: ஊடகங்களும் இலக்கியங்களும் – பத்திரிக்கையும் இலக்கியமும் – வானொலியும் இலக்கியமும் – திரைப்படமும் இலக்கியமும் – தொலைக்காட்சியும் இலக்கியமும் – கணினியும் இலக்கியமும் – ஊடகமும் தமிழ்மொழியும் உலக நாடுகளில் தமிழிலக்கியம்: இலங்கையும் தமிழிலக்கியமும் – புதினம் – சிறுகதை – கவிதை – நாடகம்; மலேசியாவும் தமிழ் இலக்கியமும் – தொடககாலம் – கவிதை – புதுக்கவிதை – சிறுகதை – புதினம்; சிங்கப்பூரும் தமிழ் இலக்கியமும்; உலகமயமாதலும் புலம்பெயர் இலக்கியங்களும்

பாடநூல்:

1. பஞ்சாங்கம். க., புதிய வெளிச்சத்தில் தமிழ் இலக்கிய வரலாறு, அன்னம்

வெளியீடு, தஞ்சாவூர்: 2017.

பார்வை நூல்கள்

1. தமிழண்ணல், புதியநோக்கில் தமிழிலக்கிய வரலாறு. சோலை நூலகம், மதுரை:

1980.

2. அருணன், தமிழ் இலக்கிய (வழி) வரலாறு, வசந்தம் வெளியீட்டகம், மதுரை: 2009.

3. வரதராசன்.மு., தமிழ் இலக்கிய வரலாறு, சாகித்தியஅகாதமி, புது டில்லி.

4. சுப்பிரமணியன். ச.வெ., தமிழ் இலக்கிய வரலாறு, உலகத் தமிழாராய்ச்சி

நிறுவனம்

5. விமலானந்தம். மது. ச., தமிழ் இலக்கிய வரலாறு, அபிராமி பதிப்பகம், சென்னை.

6. இமானுவேல். ஜான்., வைணவ விழுதுகள்,திருப்பதி தேவஸ்தான வெளியீடு.

7. அருணாச்சலம். மு., தமிழ் இலக்கிய வரலாறு – நூறாண்டுமுறை (14 தொகுதிகள்),

தி பார்க்கர் வெளியீடு, சென்னை: 2005.

இரண்டா**ம்** ஆண்டு - நான்காம் பருவம்

தாள் - நாடகத்தமிழ் - 22UTAME46-1

(Internal Elective -II , துறைசார் விருப்பபப் பாடம்-II)

**ehlfj; jkpo;**

**நோக்கம்:** தரப்புள்ளி - 4,மணி - 4

1. பழங்காலத்திலேயே தமிழர்கள் கலைகளில் விருப்பம் கொண்டவர்களாக இருந்தமையை விளக்குவது.

2. கூத்து ஆட்டம் போன்றவற்றிலிருந்து மேடைநாடகம் வளர்ந்ததை அறிவித்தல்.

3. வேந்தர்களுக்கும் பொதுமக்களுக்குமாக வேறுவேறு தளத்தில் நாடகமும் நடனமும் நடத்தப்பட்ட நிலையை தெரியப்படுத்துதல்.

4. திரைத்துறை வளர்ச்சிக்கு நாடகம் தொடக்கப்புள்ளியாக இருந்ததை விளக்குதல்.

**பயன் :**

1. மேடைநாடகத்தின் வழியே புராணங்களும் இதிகாசங்களும் நடிக்கப்பட்டதை அறிதல்.

2. கலைஞர்கள் வாழ்க்கையை போராட்டத்துடனேயே தள்ளியுள்ளதை தெரிதல்.

3. மேடைநாடகம் காலமாற்றத்திற்கு ஏற்ப பல நவீன தளத்தில் பயணித்து நவீனநாடகங்களாக மேடையற்ற நாடகங்களாக பல இசங்களை உள்ளடக்கிய வளர்த்த நாடகங்களாக வளர்ந்து பல்கலைக்கழகங்களில் தனித்துறையாக வளர்ந்து நிற்பதை ஆராய்ந்தறிதல்.

4. பல திரைப்பட கலைஞர்களுக்கான வழித்தடமாக நாடகத்துறை உள்ளமையை உணர்தல்.

**myF - 1 ehlf ,yf;fpa tuyhW:**

ehlfk; nrhy; nghUs; tpsf;fk; - ehlfk; Njhw;wk; tsHr;rp - ,yf;fpaq;fspy; ehlfk; $j;J tiffs; - ehlf E}y;fs; - ehlf Muha;r;rpfs;.

**myF - 2 ehlf muq;Ffs; mikg;Gk; cj;jpfSk;:**

ehlf Nkil cj;jpfs; - nka;ghL - tha;g;ghl;L - xg;gid - muqf; mikg;G - ciuahly; cj;jpfs;.

**myF - 3 jkpo; ehlf Kd;Ndhbfs;:**

jkpo; ehlff;fiy tsHj;j rq;fujh]; Rthkpfs; - xsit rz;Kfk; - gk;ky; rk;ge;j KjypahH - ethg; b v];. ,uhrkhzpf;fk; - b. Nf. v];. rNfhjuHfs; - jpUth&H jq;fuhR - mwpQH mz;zh - fiyQH fUzhepjp.

**myF - 4 ehlff; FOf;fs;:**

kJiu ghy rz;Kfhde;jh rig - ghyhkzp ehlf rig - ebfNts; vk;. MH. ,uhjh - kNdhfH ehlf rig - etPd ehlff;fiy $j;Jg;gl;liw - e.Kj;Jrhkp - ,e;jpuh ghHj;jrhuhjp - ep[ ehlf ,af;f K.,uhkrhkp - Qhdp - nrd;idf; fiyf;FO tpuiad; - ee;jd; fij u.uhR - fUQ;Rop MWKfk; - Nf.V FzNrfud; ep[j;jd; - Nfhky; Rthkpehjd;- ,uhkrhkp Nghd;;NwhH - ehlfj; jpwdha;tsHfs;

**myF - 5 ehlfj;jpd; ,f;fhy tsu;r;rp :**

r%f rPHjpUj;j ehlfq;fs; - thndhyp ehlfq;fs; - njhiyf;fhl;rp ehlfq;fs; - $j;Jg;gl;liw ehlfq;fs; - Nrhjid ehlfq;fs; - tPjp ehlfq;fs; - jypj; ehlfq;fs; - nkhop ngaHg;G ehlfq;fs; - jOty; ehlfq;fs; - gpd; etPdj;Jt ehlfq;fs; - FWk;glq;fs;

**ghlE}y;**

1. MW mofg;gd; - jkpo; ehlfj; Njhw;wKk; tsHr;rpAk; - mz;zhkiyg; gy;giyf;fof gjpg;G.

2. b.Nf. rz;Kfk - ehlff; fiy NCBH ntspaPL nrd;id.

**ghHit E}y;fs;**

1.uh.Fkhu Nty; - jkpo; ehlf tsHr;r>kzpthrfH gjpg;gk;> nrd;id.

2. K.jq;fuhR - Nkil ehlfq;fs;> mz;zkhiyg; gy;fiyf;fofg; gjpg;G

3. K.fpuhkrhkp - ehlf;fiy jkpo;g;gy;fiyf; fof ntsaPL> jQ;rht+H. 1995.

**OUTCOME MAPPING:**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 1 | 3 | 2 | 3 |
| C02 | 3 | 2 | 2 | 2 | 3 |
| C03 | 3 | 2 | 2 | 3 | 3 |
| C04 | 3 | 2 | 2 | 2 | 3 |
| C05 | 3 | 1 | 2 | 3 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

இரண்டாம் ஆண்டு - நான்காம் பருவம்

தாள் - இந்திய நிர்வாகம் - 22UTAME46-2

(Internal Elective -II , துறைசார் விருப்பபப் பாடம்-II)

இந்திய நிர்வாகம்

**4 தரப்புள்ளி**

**4 மணி**

கற்பித்த**ல்** நோக்க**ங்கள்**

1. இந்திய நிர்வாகம் முதல் மைய ,மகாண மற்றம் கிராம நிர்வாகம் வரை அறிமுகம் செய்வித்தல்.
2. சங்ககால ஆட்சிமுறை தொடங்கி பல்லவ , பாண்டியர் மற்றும் சோழர்கால நிர்வாக முறை வரை விளங்க வைத்தல்.
3. இடைக்கா இந்திய நிர்வாக சிறப்புகளை அறிய செய்தல்.
4. ஆங்கிலேய கால நிர்வாகத் தன்மைகளையும் நிர்வாக சீர்திருத்த சட்டங்களையும் அறிதல்
5. சுதந்திர இந்தியாவின் நிர்வாகத் தன்மைகள் தொடங்கி மைய மற்றும் மாநில நிர்வாக முறைமைகளை அறியச்செய்தல்

அலகு - 1:

பண்டைய இந்திய நிர்வாகம் (மௌரியர் காலம் நிர்வாகம் - குப்தர் கால நிர்வாகம் குஷானர் கால நிர்வாகம் - மைய அரசு - மாகாண அரசு - கிராம நிர்வாகம்

அலகு - 2:

இடைக்கால இந்திய நிர்வாகம் - டெல்லி சுல்தானியர் கால நிர்வாகம் -முகலாயர் கால நிர்வாகம் - ஷெர்ஷா நிர்வாகமுறை மைய அரசு - மாகாண அரசு - கிராம நிர்வாகம்

அலகு - 3:

பண்டைய தமிழக நிர்வாக முறை - சங்ககால ஆட்சிமுறை - பல்லவர் , பாண்டியர் கால நிர்வாகமுறை - சோழர்கால நிர்வாகம் - மைய அரசு மாகாண அரசு - கிராம நிர்வாகம் .

அலகு - 4:

ஆங்கிலேயர் கால நிர்வாகம் -மைய அரசு மாகாண அரசு - தல சுய ஆட்சி -நிர்வாக சீர்திருத்த சட்டங்கள்

அலகு – 5:

சுதந்திர இந்தியாவின் நிர்வாகம் - மைய அரசு , மாநில மாவட்ட நிர்வாகம் -பஞ்சாயத்து ராஜ்யமுறை - நிர்வாக சீர்திருத்த சட்டங்கள் .

**பாட நூல்**

1. இந்திய பொது நிர்வாகம் , ஆசிரியர் :டாக்டர்.க.வெங்கடேசன் , V .C பதிப்பகம் , சென்னை.

Reference Book

1. Public Administration, Principle, Practices, Prespectives, Author: Dr.K.Venkatesan,V.C Publications.

இரண்டாம் ஆண்டு - நான்காம் பருவம்

தாள் - பதிப்பியல் - 22UTAME46-3

(Internal Elective -II , துறைசார் விருப்பபப் பாடம்-II)

**பதிப்பியல்**

**4 தரப்புள்ளி**

**4 மணி**

**நோக்கம்**

* 1. மாணவர்களுக்குதமிழ் மொழியின் முக்கியத்துவத்தைப் பற்றி அறிய வைப்பது.
  2. அச்சு பதிப்பு முறை குறித்த தெளிவான அறிவினைப் பெறுதல்.
  3. பதிப்பு வரலாற்றின் வழி இலக்கியப் பதிப்பினை அறிந்துகொள்ளுதல்.
  4. பதிப்பு நெறிகளைப் போற்றுதல்.

**அலகு – 1**

பதிப்பியல் விளக்கங்களும் பதிப்பு வகைகளும் –பதிப்பு நெறிமுறைகள் – நூற்பதிப்பும் அச்சுத் தொழில் வரலாறும் – அச்சகங்களின் வகைகள் காகித வகைகள் – அச்செழுத்துகள்.

**அலகு – 2**

மூலச் சுவடி – பாடவேறுபாடு, வடிவ வேறுபாடு விளக்கங்கள் – பாட வேறுபாடு தோன்றக் காரணங்கள் –நூற்பதிப்புகளில் பாட வேறுபாடுகள் தருவதன் தேவை.

**அலகு – 3**

பதிப்புப் பணி – சொற்பிரிப்பு வரன்முறைகள் – நிறுத்தற் குறியீடுகள் வகைகளும் விளக்கமும் – அடிக்குறிப்பு – ஆய்வடங்கல் – சொல்லடைவும் பொருளடையும் – பதிப்புரை – அணிந்துரை, அச்சுப்படி தயாரித்தல் – சீர் பிரித்தல் – நிறுத்தற் குறிகள் இடுதல் – தலைப்புகள்.

**அலகு – 4**

பதிப்பாசிரியர் – நூற்பதிப்பாசிரியர் – சுவடிப் பதிப்புப் பணி – பெயர்த்து எழுதுவதன் முன் பின் பணிகள் – பதிப்பாசிரியர் கடமைகளும் தகுதிகளும் – படியெடுப்பதில் ஏற்படும் சிக்கல்கள் முன் அமைவு நெறி – பின் அமைவு நெறி பதிப்பு முன்னோடிகள்.

**அலகு – 5**

பதிப்பு நிறுவனம் – முற்கால அச்சகங்கள் – பதிப்பு வரலாற்றில் பல்கலைக்கழங்களும் சுவடி நூலகங்களும் – தமிழ்ச் சங்கங்கள் – பிற நிறுவனங்கள் – ஒப்பந்தங்கள் – நூலாசிரியர் வெளியிடுபவர் ஒப்பந்தம் – எழுத்துரிமை, பதிப்புரிமை, புத்தக விற்பனை உரிமை போன்றவை.

**கற்றல் விளைபயன்கள்**

1. தமிழ் மொழியில் உருவான அச்சும் பதிப்பும் பற்றி அறிவர்
2. பழமைவாய்ந்த தமிழ்ச் செல்வங்கள் குறித்து உணர்வர்
3. பதிப்பு வரலாற்றின் வழி இலக்கிய நீட்சியை அறிந்து கொள்ளல்.
4. பதிப்பு நெறிகளைக் குறித்து தெளிவு பெறுவர்.

**பாடநூல்கள்**

1. பதிப்புப் பார்வைகள், அ. விநாயகமூர்த்தி, பாலமுருகன் பதிப்பகம், காட்பாடி, 1983.
2. மூலபாட ஆய்வியல், அ. விநாயகமூர்த்தி, பாலமுருகன் பதிப்பகம், காட்பாடி, 1978.
3. சுவடிப்பதிப்பு நெறிமுறைகள் (ப.ஆ) தா.கோ. பரமசிவம், தமிழ்ப் பல்கலைக்கழகம்,
4. தஞ்சாவூர், 1987.
5. சுவடிப் பதிப்பியல், வே. இரா. மாதவன். பாவை வெளியீட்டகம். தஞ்சாவூர், 2020.
6. மு. சண்முகம்பிள்ளையின் பதிப்புப்பணி, சி. இலட்சுமணன், ஐந்திணைப் பதிப்பகம்,
7. சென்னை, 2004.
8. அச்சும் பதிப்பும், மா.சு. சம்பந்தன், தமிழர் பதிப்பகம், சென்னை, 1980.
9. அச்சுக் கலை, மா.சு. சம்பந்தன், தமிழர் பதிப்பகம், சென்னை. 1960.

**இரண்டாம் ஆண்டு – நான்காம் பருவk; - பிரிவு - IV**

Non Major Elective-II ஆட்சித்தமிழ்-II - 22UTAMN 47

தரப்புள்ளி - 2 , மணி – 2

**fw;wypd; Nehf;fq;fs; (LEARNING OBJECTIVES)**

1.பண்டைய மன்னர் காலத்து ஆட்சிமுறை தொடங்கி காலந்தோறும் ஆட்சிமுறை மாற்றங்களை எடுத்துக்கூறி ஆங்கிலேயே ஆட்சிமுறை வரையிலான் நடப்புகளை அறியச் செய்தல்.

2. செய்தல்.தமிழ் ஆளுமைகள் பிரகடனப்படுத்திய தமிழ் ஆட்சிமொழி விழிப்புணர்வைப் பெறச் செய்தல்..

3.தமிழுக்கான சங்கங்கள் இயக்கங்கள் வழி தமிழுக்குத் தகுமிடத்தை துறைதோறும் பெற விழிப்புணர்வை ஏற்படுத்துதல்.

4.ஆட்சிமொழிக் குழுவின் பணிகளின்வழி தமிழ்ப்பயிற்சிகளை வழங்கி ஆட்சிமொழி கலைச்சொற்கள் மற்றும் அகராதி உருவாக்கங்களை செய்யும் ஆர்வத்தைத் தூண்டல்.

**ghlj;jpd; ntspg;ghLfs;: (COURSE OUTCOME)**

1. தாய்மொழிக்கான அடையாளத்தை பிறமொழிகள் அழிக்காத வண்ணம் தாய்மொழி அறிவின் தகுதிப்பாடு உயர்வது,

2. தனிநபரின் செயல்பாடால் சாதிக்க முடியாத செம்மையை அரசால் தாய்மொழிக்கு செய்ய முடியும் என்பதை சாத்தியப் படுத்துதல்.

3. தட்டச்சுப்பொறி முதல் கணினிப்பொறி வரையிலான அதிகாரத்தை தாய்மொழியாம் தாய்மொழிக்குக் கொடுத்து வளர்க்கும் விழிப்புணர்வை பெறச்செய்தல்

4. நீதிமன்றம் முதல் அனைத்து நிறுவனங்களிலும் தாய்மொழிக்கான இடத்தை பெறச்செய்தல்.

5.கருத்தகருத்தரங்குகள், போட்டிகள் போன்றவற்றை நடத்தி தாய்மொழிக்கான உணர்வை பல்லாற்றானும் பெற்று இயங்கவைத்தல்.

அலகு-1

கலைச்சொற்கள் – கலைச் சொல்லும் தொடர்ச் சொற்களும் – மொழி பெயர்ப்பும் சொல்லாக்கமும் – கலைச் சொற்கள் – சொல்லாக்க விகுதிகள் – நேர்வடிவமும் எதிர்மறை வடிவமும் – சொற்பொருள் விரிவாக்கம் – சொல்லாக்க நிலையில் காரணப்பெயர்கள் – அறிஞரும் சொல்லாக்கமும் – இளங்கோவடிகள், பாவாணர், பன்மொழிப் புலவர், கீ.இராமலிங்கனாரின் சொல்லாக்கங்கள், நிறுவனங்களின் பங்கீடு – இதழ்களில் பங்கு – அகராதி – கல்லூரி, அறிவியல் தமிழாக்க முயற்சி – புதுச் சொல்லாக்கம் – தமிழ்ச்சொல் – பொருள் பொருத்தமுடைமை – வடிவில் சிறிதாக இருத்தல் – ஆட்சிச் சொற்களும் அமைப்பு முறையும் – காலத்திற்கேற்ற சொல் வடிவம் – ஆங்கிலமும் தமிழும்.

அலகு-2

மொழியாக்கம்–ஆட்சிமொழி – மொழியாக்கத்தின் இன்றியமையாமை – மறுமலர்ச்சி – அறிவு வளர்ச்சி – மொழிபெயர்ப்பு விளக்கம் – மொழி பெயர்ப்பாளர் தகுதிகள் – மொழி பெயர்ப்பு வகைகள் – சிக்கல்கள் – வேறுபடும் மொழிபெயர்ப்புகள் – கால வேறுபாடு.

அலகு-3

இலக்கியங்கள் வழங்கும் சொற்கள் – மெய்க்கீர்த்திகள் – வழக்குச் சொற்கள் – சொல்லும் பெயர்ப்பும் – தமிழ் இலக்கண மரபு – அரசுப் பணியில் மொழிபெயர்ப்புத் துறை – அரசு மொழி பெயர்ப்பாளர் – சட்டமன்றமும் மொழிபெயர்ப்பும் – மொழி பெயர்ப்புத் துறையும் பணியும் – சட்டமொழி ஆணையத்தின் மொழிபெயர்ப்புப் பணிகள் – அகராதிகள் – துறை நூல்கள் மற்றும் படிவங்கள் மொழிபெயர்ப்பு

அலகு-4

சிக்கல்களும் தீர்வுகளும் – சிக்கல்கள் – முதல் நான்கு நிலைகள் – தீர்வுகள் – நீதிமன்றத்தில் தமிழ்.

அலகு-5

பார்வைக்கும் பயன்பாட்டிற்கும் சில குறிப்புகள் – வரைவுகள் – படிவங்கள் – செயல்முறை ஆணை வரைவுப் படிவங்கள் – நேர்காணல், தற்காலிக நியமனம், பணிவரன்முறை செய்தல் – தகுதிகாண் பருவம் முடித்தல் – நிரந்தர நியமனம் – சம்பள அறுதியீடு படிவம் – சம்பள உயர்வு படிவம் – தற்செயல் விடுப்பு அனுமதி விண்ணப்பம் – ஈடுசெய் விடுப்பு விண்ணப்பம் – சிறப்புத் தற்செயல் விடுப்பு விண்ணப்பம் – அலுவலகக் குறிப்பு – ஈட்டிய விடுப்பு / மருத்துவ மகப்பேறு விடுப்பு விண்ணப்பம் – மருத்துவச் செலவினம் ஈடுசெய்தல் – விழா முன்பணம் விண்ணப்பம் – கல்வி முன்பணப்படிவம் – விடுப்புக்காலப் பயணச் சலுகை.

பாடநூல் : டாக்டர் த.பெரியாண்டவன், ஆட்சித் தமிழ் வளர் தமிழ்ப்   
 பதிப்பகம், சென்னை-95.

பாடநூல் : டாக்டர் த.பெரியாண்டவன், ஆட்சித் தமிழ் வளர் தமிழ்ப்   
 பதிப்பகம், சென்னை-95.

பார்வை நூல்கள் :

1.இராதா.செல்லப்பன் – கலைச்சொல்லாக்கம்,நாவல் பிரிண்டர்ஸ்.சென்னை.

2.கீ.இராமலி்ங்கனார் – என் வரலாறு,சைவசித்தாந்தநூற்பதிப்புக்கழகம்,சென்னை.

3.கீ.இராமலி்ங்கனார் – ஆட்சித்துறைத்தமிழ்,சைவசித்தாந்தநூற்பதிப்புக்கழகம்,சென்னை.

4.சு.சண்முகவேலாயுதம்- மொழிபெயர்ப்பியல்,உலகத்தமிழாராய்ச்சிநிலையம்,சென்னை.

5.துரை.சுந்தரேசன்-தமிழ்ஆட்சிமொழிஒருவரலாற்றுநோக்கு,தமிழ்ப்பல்கலைக்கழகம், தஞ்சை,

6. இராம.பெரியகருப்பன்- உங்கள் தமிழைத் தெரிந்து கொள்ளுங்கள், சிந்தாமணிப்பதிப்பகம், மதுரை.

7.கோ.முத்துப்பிள்ளை– அன்னைமொழியும் ஆட்சித்துறையும், சைவசித்தாந்த நூற்பதிப்புக்கழகம் , சென்னை

8.மணவை.முஸ்தபா. – காலம் தேடும் தமிழ், மீரா பதிப்பகம், சென்னை

9.வ.ஜெயதேவன் – தமிழ் அகராதியியல் வளர்ச்சி வரலாறு, ஐந்திணைப்பதிப்பகம், சென்னை

10.ஆட்சி சொல்லகராதி – தமிழ் வளர்ச்சித் துறை (வெளியீடு)

மூன்றாமாண்டு - ஐந்தாம்பருவம் - CORE COURSE- IX

PART -III - சங்கஇலக்கியம் (அகம்-புறம்) - 22UTAMC51

**நோக்கம் தரப்புள்ளி - 4,மணி - 6**

1. சங்க இலக்கியத்தைத் திணைகள் அடிப்படையில் அறிதல்

2. சங்க அக இலக்கியங்களை அன்பின் ஐந்திணைகள் அடிப்படையில் அறிதல்

3. சங்க இலக்கியத்தில் அமைந்த புற இலக்கியச் சிறப்பினை உணர்தல்

4. சங்க இலக்கியத்தில் அமைந்த மொழி, பண்பாடு, நாகரிகம், கலை ஆகியவற்றை அறிதல்

5. சங்கப் பாடல்களில் காதல், வீரம், புகழ், கொடை, போர் நெறி ஆகியவற்றை உணர்த்தல

**பயன்**

1. சங்க காலத்துத் தமிழர் வீரத்திலும் புகழிலும் சிறந்தவர்கள் என்பதை அறிதல்

2. சங்ககால அரசர்கள் ஆட்சி சிறப்பில் மிக்கவராக இருந்ததை உணர்தல்

3. மக்கள் நல்வாழ்வில் கவனம் செலுத்தி ஈகைசெய்வதில் சிறந்திருந்தமையை அறிதல்.

4. அகவாழ்வில் பண்பாடு மிக்கவராக இருந்ததை உணர்தல்

5. குடும்பம்,சமுதாயம் போன்றவற்றை அகவாழ்வால் செழுமையுற செய்தமையை விளங்குதல்

**அலகு - 1**

1.குறுந்தொகை (குறிஞ்சி)

பாடல் எண் 1. திப்புத்தோளார் பாடல், 4 - அடி

பாடல் எண் 2. இறையனார் பாடல் 5 - அடி

பாடல் எண் 3. தேவகுலத்தார் பாடல் 4 - அடி

பாடல் எண் 13. கபிலர், பாடல்: 14 தொல் கபிலர்

2.நற்றிணை (நெய்தல்)

பாடல் எண் 4. அம்மூவனார் பாடல் - 12 அடி

பாடல் எண் 11. உலோச்சனார் பாடல் 09 அடி

பாடல் எண் 15. அறிவுடைநம்பி பாடல் 10 அடி

பாடல் எண் 19. நக்கண்ணையார் படல் 10 அடி

**அலகு - 2**

3. அகநானூறு (முல்லை)

பாடல் எண் 4. குறுங்குடி மருதன் 17 அடி

பாடல் எண் 14. ஒக்கூர் மாசாத்தியார் 20 அடி

4. ஐங்குறுநூறு (மருதம்)

ஓரம்போகியார் கள்வன் பத்து, எருமைப் பத்து

**அலகு - 3**

5. கலித்தொகை - (பாலைக் கலி) பாடல் எண் 34, 35, இறுதி இருபாடல்

6. பரிபாடல்

1.(திருமால்) பாடல் எண்: 2 கீரந்தையார் பாடல்; 68 அடி

2. செவ்வேள் பாடல் எண் 5 கடுவன் இளவெயினார்

3. வையைப் பாடல் எண் 6 நல்லந்துவனார்

**அலகு - 4**

நெடுநல்வாடை முழுவதும்

**அலகு -5 (புறம் )**

பதிற்றுப்பத்து - ஆறாம்பத்து - ஆடுகோட்பாட்டுச் சேரலாதனை காக்கைப் பாடினியார்

நச்சொல்லையார்

பாடல் எண் 1. வடு வடு நுண்ணுயிர்

பாடல் எண் 2. சிறு செங்குவளை

புறநானூறு (பாண்டியன், சோழன்)

பாடல் எண் 6. பாண்டியன் பல்யாகசாலை முதுகுடுமிப் பெருவழுதி - காரி கிழார்

பாடல் எண் 7. சோழன் கரிகால் பெருவளத்தான் - கருங்குழலாதனார்

பாடல் எண் 9. பாண்டியன் பல்யாகசாலை முதுகுடுமிப் பெருவழுதி-நெட்டிமையார்

பாடல் எண் 10. சோழன் நெய்தலங்கானல் இளஞ்சேட் சென்னி -

ஊன்பொதிபசுங்குடையார்.

**பாடநூல்கள்**

1. குறுந்தொகை - தி.கௌரிப் பெருமாள் அரங்கனார் உரை

உலகத் தமிழாராய்ச்சி நிறுவனம்

தரமணி, சென்னை. மு.ப.

2. நற்றிணை - உரையுடன்

பின்னத்தூர் அ.நாரயணசாமி ஐயர் உரை

கழக வெளியீடு

சென்னை. மு.ப 1967

3.கலித்தொகை - நச்சினார்க்கினியருரை

பொ.வே. சோமசுந்தரனார் எழுதிய விளக்கவுரையுடன்

கழகம் சென்னை - 1973

4. ஐங்குநுறூறு

(மூலமும் உரையும்) - ஒளவை துரைசாமிப் பிள்ளை உரை

கழகம் சென்னை

5. பரிபாடல்

(மூலமும் உரையும்) - ஒளவை துரைசாமிப் பிள்ளை உரை கழகம் சென்னை

6.அகநானூறு - நா.மு.வேங்கடசாமி நாட்டார் உரை

கழகம் சென்னை

7.பதிற்றுப்;பத்து

(மூலமும் தெளிவுரையும்) -ஒளவை துரைசாமிப் பிள்ளை உரை

கழகம் சென்னை.

8.புறநானூறு (முதல் தொகுதி)

மூலமும் உரையும் - ஒளவை துரைசாமிப் பிள்ளை உரை

கழகம் சென்னை - 1986.

9. பத்துப்பாட்டு, இரண்டாம் தொகுதி

மூலமும் உரையும் -பெருமழைப்புலவர் பொ.வே. சோமசுந்தரனார் உரை

கழக வெளியீடு

சென்னை - மு.ப .1966.

**பார்வை நூல்கள்**

1. எட்டுத்தொகைச் சொற்பொழிவுகள் அனைத்தும் - கழக வெளியீடு, சென்னை 1962.
2. பத்துப்பாட்டு ஆராய்ச்சி - மா.இராசமாணிக்கனார், சாகித்திய அகாதெமி வெளியீடு புதுதில்லி 2011.

**OUTCOME MAPPING:**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 3 | 2 | 3 | 3 |
| C02 | 3 | 2 | 2 | 3 | 3 |
| C03 | 2 | 1 | 1 | 2 | 3 |
| C04 | 3 | 3 | 2 | 3 | 3 |
| C05 | 3 | 2 | 3 | 3 | 2 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

மூன்றாமாண்டு - ஐந்தாம்பருவம் - CORE COURSE- X

PART -III - புறப்பொருள் வெண்பாமாலை - 22UTAMC52

**நோக்கம் -** தரப்புள்ளி - 4,மணி - 6

1. தமிழர்களின் புறத்திணை வாழ்வியலை விளக்குதல்.
2. போர்த் தொடக்கமும் வளர்நிலையும் முடிவுமாகிய நிகழ்வுகளைப் புறத்திணை அடிப்படையில் உணர்த்தல்.
3. அரசரும் மக்களும், நாடு, மொழி இனங்காக்கின்ற நிலையில் ஒன்றுபடுகின்ற தன்மையினை உணர்த்தல்.
4. ஈதலும், கொடையும் அறத்தின்பாற்படுதலை விளக்குதல்.
5. நூலாசிரியரின் தனித்திறமையை உணரும்படி அமைந்துள்ளது.

**myF -1** ntl;rpg;glyk;> fue;ijg; glyk;

**myF -2** tQ;rpg;glyk;> fhQ;rpg;glyk;

**myF -3** nehr;rpg;glyk;> copiQg;glyk;

**myF -4** Jk;igg;glyk;> thifg;glyk;

**myF -5** ghlhz;glyk;> nghJtpay;glyk;

**கற்றல் விளைபயன்கள் :**

1. புறப்பொருள் பற்றிய நுட்பத்திணை அறிந்துகொள்வர்.
2. வஞ்சி, காஞ்சி நொச்சி, உழிஞை திணைத் துறைகளைப் பற்றியும் அவற்றில் அரசர்களின் வெற்றித் தோல்விப் பற்றியும் அறிந்துகொள்வர்.
3. தும்பையின் வீரச் சிறப்புகளை அறிவர்.
4. பாடாண்திணையின் பரிசில்வேண்டல் அரசனின்வாய்ப்புப் போன்றவற்றைத் தெரிந்துக்கொள்வர்.
5. கைக்கிளைப் படலம், பெருந்திணைப் படலம் பற்றிய நுட்பத்தைப் பற்றி அறிந்துக்கொள்வர்.

**பாட நூல் :**

1. இராமநாதன், சுப. (ப.ஆ.) 2003. புறப்பொருள் வெண்பாமாலை, அண்ணாமலைப் பல்கலைக்கழகம்.

**பார்வை நூல்கள்**

1. பசுபதிஇ ம.வே. (ப.ஆ.)இ புறப்பொருள் வெண்பாமாலைஇ உ.வே.பா. நூலகம்இ சென்னை.
2. சோ.ந.கந்தசாமிஇ புறத்திணை வாழ்வியல்இ தபக. தஞ்சை.
3. அருளம்பலவனார் உரைஇ புறப்பொருள் வெண்பாமாலை.
4. முனைவர் ச.சுபா~; சந்திர போஸ் - புறப்பொருள் வெண்பாமாலை உரை- இயல் வெளியீடு தஞ்சாவூர்.
5. முனைவர் சா.திருஞானசம்பந்தம் - புறப்பொருள் வெண்பாமாலை உரை, கதிர் பதிப்பம், திருவையாறு.

OUTCOME MAPPING:

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 2 | 2 | 1 | 2 |
| C02 | 2 | 1 | 2 | 2 | 3 |
| C03 | 2 | 2 | 1 | 1 | 2 |
| C04 | 2 | 2 | 2 | 1 | 2 |
| C05 | 3 | 2 | 2 | 3 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

மூன்றாமாண்டு - ஐந்தாம்பருவம் - CORE COURSE- XI

PART -III -ஊடகவியல் - 22UTAMC53

**நோக்கம் -** தரப்புள்ளி - 3, மணி - 6

1. ஊடக வகைகளை அறிந்துகொள்ளல்.

2. ஊடக பணிகளைத் தெரிந்து கொள்ளல்

3. ஊடகத்துறை வேலை வாய்ப்புக்கு வழிகாட்டல்.

**பயன்** -

1. செய்தியாளராதல்.

2. காட்சி ஊடக கலைஞராதல்.

3. டிஜிட்டல் பத்திரிக்கையாளராதல்.

4. சமூக மாற்றத்திற்கான படைப்புகளை உருவாக்குதல்.

அலகு -1 ஊடகவியல் அறிமுகமும் விளக்கமும்

அலகு -2 கொள்கைகளும் கோட்பாடுகளும், விளம்பரம்

அலகு -3 அச்சுவழி ஊடகங்களில் இதழ்கள்

அலகு -4 வானொலியும் தொலைக்காட்சியும்

அலகு -5 ஊடகப் பணியாளர்களுக்கான பயிற்சிகள்

**பாடநூல்**

1. ஊடகவியல் - முனைவர்.துரை மணிகண்டன் கமலினி பதிப்பகம், கச்சமங்கலம், அஞசல், தோகூர் வழி, தஞ்சாவூர் - 613 102.
2. மக்கள் தகவல் தொடர்பியல் - முனைவர் கி.இராசா, பாவை பப்ளிகே~ன்ஸ் 142, ஜான்கான்சாலை, இராயப்பேட்டை, சென்னை 14.

**பார்வை நூல்**

1. செ.தயாளன் ரூ வ.ஜெயா - மக்கள் தகவல் தொடர்பியல், ஜெயா பதிப்பகம், கோயம்புத்தூர் 1998.
2. முனைவர் மு.கோமதி - தகவல் தொடர்பு ஊடகவியலில் இலக்கியச் செல்வாக்கு மோகன் பதிப்பகம், 10, தண்டபாணி நகர், கோண்டூர் கடலூர் -2.
3. வெ.கிரு~;ணமூர்த்தி - தகவல் தொடர்பியல் மணிவாசகர் பதிப்பபம், சென்னை - 1991.
4. வெ.நல்லதம்பி - தொலைக்காட்சிகளும் பிற தகவல் துறைகளும், வள்ளவன் வெளியீட்டகம்
5. திருவாண்மியூர், சென்னை .4 1990.

**OUTCOME MAPPING:**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 2 | 2 | 3 | 3 | 3 |
| C02 | 3 | 2 | 3 | 3 | 3 |
| C03 | 2 | 1 | 3 | 3 | 3 |
| C04 | 2 | 2 | 3 | 3 | 3 |
| C05 | 2 | 1 | 3 | 3 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

மூன்றாமாண்டு - ஐந்தாம்பருவம் - CORE COURSE- XII

PART -III -திராவிடமொழிகளின் ஒப்பாய்வு - ஓர் அறிமுகம் - 22UTAMC 54

jhs; : jpuhtpl nkhopfspd; xg;gha;T - XH mwpKfk;

**நோக்கம்** தரப்புள்ளி - 4, மணி - 6

1. இனத்தின் அடையாளம் மொழி உள்ளதை புலப்படுத்துதல்ஃ
2. திராவிட பல மொழிகளின் தாய்மொழியாக தமிழுருந்த வரலாறை காட்டல்.
3. திராவிட மொழிக்குடும்பங்கள் மொழிகளின் தொன்மை என உணர்த்துவது.
4. மொழியின் சிறப்பு அந்தந்த மொழிகளின் குடும்பத்தில் நிறைந்திருப்பதை காட்டல்.

**பயன்** -

1. இந்திய மொழிகளின் ஆணிவேராக திராவிடமொழி அமைப்பு உள்ளதை அறிதல்
2. மொழிகளுக்கு ஏற்ப மக்களும் வாழிடமும் அமைவதை தெளிதல்.
3. இலக்கணங்களைப் போலவே மொழியியல் நோக்கும் தேவை என்பதை தெளிதல்.
4. உலகமொழிகளில் தமிழ்மொழியின் இடம் சிறந்தது உள்ளதைக் காட்டல்

அலகு -1

மொழியும் மொழியிலும் - வரலாற்றுக்கு முற்பட்ட மொழிநிலை ஆய்வு - திராவிட மொழிக் குடும்ப ஆய்வின் வரலாறு

அலகு -2

திராவிட மொழிகளும் உட்பிரிவுகளும் - தென் திராவிட மொழிகள் - நடுத்திராவிட மொழிகள் - வட திராவிட மொழிகள்

அலகு -3

ஒலியும் பரப்பும் - உயிரொகளின் இயையும் திரிபும் - ஒலி மாற்றங்கள் ( உயிரொலிகள்) மெய்யொலி மாற்றங்கள் - உருபன்களும் சொல்லாக்கமும்

அலகு -4

பெயர்ச்சொற்கள்: இடம், திணை, பால், எண் உணர்த்தும் முறை - வேற்றுமைகள் - மூவிடப்பெயர்கள், எண்ணுப்பெயர்கள்

அலகு -5

எண்ணுப்பெயர்கள் - வினைச்சொற்களின் அமைப்பும் சிறப்பும் - வினை வகைகள் - வினைச்சொற்கள் காலம் காட்டும் முறை - எச்சங்களும் முற்றுக்களும் - வினையடியாகப் பிறக்கும் பெயர்கள் வினைப் பொருட்கள் - திராவிட மொழிகளில் தொடரமைப்பு.

**பாடநூல்-**

1. திராவிட மொழிகளின் ஒப்பிலக்கணம் - திராவிடமொழி 1-2, டாக்டர் ச.அகத்தியலிங்கம்,மணிவாசகர் பதிப்பகம், பாரிமுனை, சென்னை.
2. திராவிட மொழிகளின் ஒப்பாய்வு- ஆசியவியல் நிறுவனம், சென்னை-19

**பார்வை நூல்-**

1. ஒப்பிய்வு ஓர் அறிமுகம் - தமிழண்ணல், சென்னை.
2. கால்டுவெல் ஒப்பிலக்கணம் ,சைவ சித்தாந்த நூற்பதிப்புக்கழகம்,சென்னை
3. மொழி நூல் - டாக்டர் சீனிவாசன், சைவ சித்தாந்த நூற்பதிப்புக்கழகம்,சென்னை

OUTCOME MAPPING:

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 2 | 2 | 1 | 2 | 3 |
| C02 | 2 | 1 | 2 | 2 | 3 |
| C03 | 2 | 2 | 2 | 2 | 3 |
| C04 | 2 | 2 | 2 | 2 | 3 |
| C05 | 2 | 2 | 1 | 2 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

மூன்றாமாண்டு - ஐந்தாம்பருவம் -INTERNAL ELECTIVE- III

PART -III -கோயிற்கலையும் பண்பாடும் - 22UTAME55-1

தரப்புள்ளி - 4,மணி - 4

**நோக்கம்**

1. தமிழர்கள் கட்டடக்கலையில் சிறந்து விளங்கியிருந்தமையைத் தெரிவித்தல்

2. சங்ககாலத்திற்கு முற்பட்ட காலத்திலும் கலைநயமுள்ளவர் என்பதை அறிவித்தல்.

3. காலந்தோறும் கோயில் கட்டுமானங்கள் மாற்றமுற்றிருப்பதை ஆராயவைத்தல்

4. அரசர்கள் போரைவிட நிரந்தரக் கலைகளை உருவாக்கியமையை தெரிவித்தல்.

5. மலைகளையும் கலைகளாக்கிய வன்மையையும் மென்மையையும் காட்டுவது.

**பயன்**

1. பல்வேறு மூலப்பொருள்களைக் கொண்டு சிற்பங்களை உருவாக்கியமையை அறிதல்.

2. ஒவ்வொரு அரசர்காலங்களிலும் ஒவ்வொரு வித கலைகள் உருவாகியுள்ளதை விளங்குதல்.

3. ஆயிரங்கணக்கான ஆண்டுகளைக் கடந்தும் கோயில்களைகள் அழியாமல் நிலைத்திருப்பதை வியத்தல்.

4. அறிவியல் கருவிகளின் துணையின்றி ஆற்றல்மிகு ஆலயங்களை அமைக்க முடியுமென ஆராய்ந்து அறிதல்

5. கோயில்கள் தோறும் வரலாறுகளும் சாதனைகளும் மறைந்து நிற்பதை ஆராய்ந்துணர்தல்.

**அலகு -1 சங்ககால கோயில்கள்**

கோயிற்கலையின் தோற்றம் - சங்ககாலக்கோயில்களும் இறையுருவங்களும் - சங்ககால மரவழிபாடு - சங்ககாலக் கட்டிடக்கலை -ஓவியக் கலை - நடுகல் வழிபாடு - நடுகல் அமைப்பு - நடுகல் வரலாறு - சருக்கல் வரலாறு - பள்ளிப்படைக் கோயில்கள்.

**அலகு -2 பல்வர் கோயில்கள்**

குடைவரை தோற்றம் - வளர்ச்சி - குடை வரையின் பொது அமைப்பு - மகேந்திரவர்மன் குடை வரைகள் - மாமல்லன் குடைவரைகள் - ஒற்றைக்கல் இரதங்கள் - பல்லவர் கால கட்டுமான கோயில்கள் - பல்லவர்கால சிற்பக்கலை - ஓவியக் கலை.

**அலகு - 3 பாண்டியர் கோயில்கள்**

பாண்டியர் குடைவரைகளின் பொதுத்தன்மை - பாண்டியர் குடைவரகள் - முத்தரையர் குடைவரைகள் - பாண்டியர் கட்டுமானக் கோயில்கள் - முற்காலப் பாண்டியர் - பிற்காலப் பாண்டியர் கோயில்கள் - ஓவியக்கலை.

**அலகு -4 சோழர் கோயில்கள்**

சோழர் கோயில்களின் பொதுத்தன்மைகள் - முற்காலச் சோழர் கோயிலகள் - விசயாலய சோழ கோயிலகள் - சீனிவாச நல்லூர் குரங்கநாதர் கோயில் - கொடுப்ப;ர் மூவர் கோயில் - பிற்காலச் சோழர் கோயில்கள் - தஞ்சை பெருவுடையார் கோயில் -கங்கை கொண்ட சோழீச்சுவரர் கோயில் - தாரசுரம் ஐராவதேசுவரர் கோயில் - ஓவியக்கலை - தஞ்சை பெரிய கோயில் ஓவியங்கள்.

**அலகு - 5 விஜயநகர - நாயக்கர் கோயில்கள்**

பொதுக் கூறுகள் - மண்டபங்கள் - நூற்றுக்கால் மண்டபங்கள் - ஆயிரங்கால் மண்டபங்கள் - வசந்த மண்டபங்கள் - துலாயிரம் - நீகானி - கோபுரங்கள் பிரகாரங்கள் - இசைத்தூண்கள் - புதிய கோயில்கள்- மீனாட்சி சுந்தரேசுவரர் கோயில் - திருவேங்கடநாதர் கோயில் - நாயக்கர் சிற்பக்கலை - இதிகாசச் சிற்பங்கள் - சமயம், புராணம் சிற்பங்கள் - நாட்டார் வழக்காற்றுச் சிற்பங்கள் - ஓவியங்கள் - அழகர் கோயில் - மதுரை மீனாட்சி சுந்தரேசுவரர் கோயில் ஓவியங்கள் - திருவண்ணாமலை, திருவெள்ளாரை, தில்லை நடராசர் கோயில், திருநள்ளார் கோயில் ஓவியங்கள் - செப்புத் திருப்பணிகள் - வரலாறு - சோழ, பாண்டியர், பல்லவர் காலகச் செப்புத் திருப்பணிகள்.

**பார்வை நூல்**

1. தமிழகக் கோயிற்கலை வரலாறு - முனைவர் அம்பை மணிவண்ணன்
2. தமிழக் கோயில்கள் - தமிழ்நாடு அரசு தொல்பொருள் ஆய்வுத்துறை வெளியீடு சென்னை.
3. கல்வெட்டியல் - ஆசிரியர்கள் நடன காசிநாதன், கு.தாமோதரன், ச. ஹரிஹரன், தமிழ்நாடு அரசு தொல்பொருள் ஆய்வுத்துறை, வெளியீடு 1980.

OUTCOME MAPPING:

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 1 | 2 | 3 | 3 |
| C02 | 3 | 2 | 2 | 3 | 3 |
| C03 | 2 | 2 | 2 | 3 | 3 |
| C04 | 2 | 1 | 3 | 3 | 3 |
| C05 | 2 | 2 | 3 | 3 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

மூன்றாமாண்டு - ஐந்தாம்பருவம் -INTERNAL ELECTIVE- III

PART -III - **tpsk;guf;fiy** - 22UTAME55-2

தரப்புள்ளி - 4,மணி – 4

கற்பித்த**ல்** நோக்க**ங்கள்**

1. ஊடகங்களில் உள்ள பிறதுறைகள் பற்றிய அறிமுகம்
2. விளம்பரங்கள் பற்றிய வகைகளையும் எண்ணிக்கை போன்றவற்றை அறிதல்
3. உற்பத்தியாளர் மற்றும் நுகர்வோர்களுக்கான நடுநிலைகளை அறிதல்
4. விளம்பரம் சார்ந்த ஒழுக்கம் மற்றும் நெறிமுறைகள் போன்றவற்றை அறிதல்
5. விளம்பர மொழியாடல், உத்திகள் மற்றும் சட்டங்களை அறிதல்

**அலகு 1 :** விளம்பரம்

விளம்பரம் - விளக்கங்கள் - விளம்பரத்தின் இயல்புகள் – அறிவிப்பும் - விளம்பரத்தின் தன்மைகள் - விளம்பர எல்லை - விளம்பர நோக்கங்கள் - விளம்பர வரலாறு - குறிக்கோள்கள்.

**அலகு 2: விளம்பர வகைகள், விளம்பரத்தின் பயன்கள் :**

விளம்பரங்களின் வகைகள் - விளம்பர தளங்களைத் தேர்ந்தெடுக்கும் பொழுது கவனிக்கப்பட வேண்டியவை - விளம்பரத்தினால் உற்பத்தியாளா;கள் அடையும் நன்மைகள் - விளம்பரத்தினால் நுகா்வோர் அடையும் நன்மைகள் - விளம்பரத்தினால் அரசும் பிற நிறுவனங்களும் அடையும் நன்மைகள் - விளம்பரத்தினால் சமூகம் அடையும் நன்மைகள்

**அலகு 3: விளம்பர நெறிகள் :**

விளம்பர ஒழுக்க நெறிகள் - தடை செய்யப்பட்ட விளம்பரங்கள் - விளம்பரத்திற்கான சில விதிமுறைகள் - விளம்பர வரைவின் அடிப்படைத் தத்துவங்கள்

**அலகு 4: விளம்பரப் பணிகள், விளம்பரத்தின் தாக்கம் :**

விளம்பரத்தின் பணிகள - விளம்பர நிறுவனங்கள் - விளம்பர அறங்கள் -விளம்பரத்தின் தாக்கம் - அகநிலை

**அலகு 5: விளம்பர மேம்பாடு :**

விளம்பரங்களின் மொழிநிலை - விளம்பர உத்திகள் - விளம்பரம் தொடா்பான சட்டங்கள்

**பாடநூல் :**

1. விளம்பரக்கலை, ச. ஈஸ்வரன், இரா. சபாபதி. பாவை பதிப்பகம் இராயப்பேட்டை சென்னை.

**பார்வை நூல்கள்**

1. அ.விநாயகமூர்த்தி, விளம்பரக்கலை, பாலமுருகன் பதிப்பகம், மதுரை.
2. கி.ராசா – மக்கள் தகவல் தொடர்பியல் – அறிமுகம், பாவை பப்ளிகேஷன், நிலையம், சென்னை-
3. இரா.சபாபதி–தமிழ்இதழ்களில்விளம்பரஉத்திகள்,குகன்பதிப்பகம், 5.வி.கே.கே.பில்டிங்,வடுவூர்.
4. விமல்நாத், விளம்பர உத்திகள், கண்ணதாசன் T.நகர், சென்னை.
5. விஜயராணி.இரா.தொலைக்காட்சிவிளம்பரங்கள்,கண்மணி பதிப்பகம்,வயலூர்சாலை,புத்தூர,திருச்சி.
6. விளம்பரம் செய்வது எப்படி? எஸ்.ரவிராஜ்,NBH, சென்னை.

**கற்றல் விளைபயன்கள்**

|  |  |
| --- | --- |
| CO1: | **விளம்பரத்திற்கான அறிமுகத்தையும். அதன் நோக்கத்தையும் மாணவர்கள் பெறலாம்.** |
| CO2: | **அரசாங்கம்,உற்பத்தியாளர்கள் மற்றும் நுகர்வோர் என அனைவரும் பயன்பெறக்கூடியதே விளம்பரம் என்பனவற்றை அறியலாம்.** |
| CO3: | **அறங்களை மீறும் விளம்பரங்கள் தடைசெய்யப்படும் என்பதையும் நுகர்வோர்களுக்கானதே விளம்பரம் ஆகியவற்றை அறியலாம்.** |
| CO4: | **விளம்பரம் தொடர்பான சட்டங்களை அறியலாம்.** |
| CO5: | விளம்பரத்திற்கான அறங்களை **அறிந்துகொள்ளலாம்.** |

மூன்றாமாண்டு - ஐந்தாம்பருவம் -INTERNAL ELECTIVE- III

PART -III - அறிவியல் தமிழ்- 22UTAME55-3

தரப்புள்ளி - 4,மணி - 4

**நோக்கம்:**

அறிவியல் சார்ந்த தேவையினை எடுத்துரைத்தல். தமிழின் பல்துறை பதிவுகளை விளக்குதல். தமிழர்தம் அறிவியல் அறிவு குறித்த செய்திகளை விவரித்தல். வானியல், மருத்துவம், கலைச்சொல்லாக்கம் போன்ற துறைகளில் தமிழர்கள் முன்னோடிகளாய் இருந்தமையைக் கற்பித்தல்.

**அலகு 1 அறிவியலும் அறிவியல் சார்ந்த விளக்கங்களும்**

அறிவியல் சொல்லும் பொருளும் - அறிவியல் சிந்தனை மற்றும் அறிவியல் வரலாறு – அறிவியல் அறிஞர்கள் - தமிழில் வெளிவந்த அறிவியல் ஆய்வுகள், நூல்கள், கட்டுரைகள், இதழ்கள் ஆகியவற்றின் பங்கு பணி – அறிவியலின் இன்றியமையாமை.

**அலகு 2 தமிழும் அறிவியலும்**

இலக்கண இலக்கியங்களில் பதிவாகியுள்ள அறிவியல் தகவல்கள் - தமிழும் கணிதமும் - தமிழும் மருத்துவமும் - தமிழும் வேளாண்மையும் - தமிழும் பொறியியலும் - தமிழும் உயிரியலும்- தமிழும் கணினியும்

**அலகு 3 அறிவியலும் சித்தர்களும்**

சித்தர்களின் அறிவியல் பதிவுகள் - சித்தர்களின் மருத்துவ அறிவு – சித்தர்களின் உயிரியல், உடலியல் அறிவு – சித்தர்களின் பன்முக அறிவியல் பார்வைகள்.

**அலகு 4 தமிழும் வானவியலும்**

தமிழிலக்கிய இலக்கணங்களில் பதிவாகியுள்ள கோள்கள், நட்சத்திரங்கள் பற்றிய பதிவுகள் - வானியல் பதிவுகளின் வழியாகப் பண்டைத் தமிழின் புலமை - சூரியன், சந்திரன், புதன், வியாழன், வெள்ளி, சனி ஆகிய தலைமைக் கோள்களின் இயக்கங்களைப் பற்றிய குறிப்புகளை அறிதல் - வெள்ளியின் இயக்கமும் மழை நிலையும் கண்டறிதல் - பிற கோள்கள்.

**அலகு 5 அறிவியல் கலைச் சொல்லாக்கம்**

அறிவியல் துறைகளில் கலைச் சொல்லாக்கத்தின் பங்கும் பணியும் - அறிவியல், கணிதவியல், வானியல், கணினியியல் முதலான பல்துறைகளின் கலைச் சொல்லாக்கங்கள் - கலைச் சொற்களை ஒலி பெயர்ப்பும், மொழிபெயர்ப்பும் செய்தல் - புது சொல்லாக்கம்.

**பார்வை நூல்கள்**

1. கு.வி.கிருஷ்ணமூர்த்தி அறிவியலின் வரலாறு, பாரதிதாசன் பல்கலைக்கழகம், திருச்சி. 2005
2. அ.சிவபெருமான் இலக்கியங்களில் வானியல்,அண்ணாமலைப் பல்கலைக்கழகம் பதிப்பு.
3. ந.கடிகாசலம் தமிழும் பிற துறைகளும், உலகத் தமிழ் ஆராய்ச்சி நிறுவனம், சென்னை
4. இராதா செல்லப்பன் கலைச் சொல்லாக்கம், நவல் கட் பிரிண்டஸ், சென்னை.
5. அ.சிவபெருமான் தமிழும் அறிவியலும், அண்ணாமலைப் பல்கலைக்கழகம் பதிப்பு.

**கற்றல் விளைபயன்கள் :**

1. இக்கால தமிழ் இலக்கியங்களின் உள்ளடக்கம் உருவம், உத்தி, குறித்து அறிதல்.
2. படைப்பாளர்களின் படைப்பாக்க உத்திகளை அறிதல்.
3. சிறுகதை வாசிக்கும் பழக்கத்தையும் அதனை விமர்சிக்கும் திறனையும் வளர்த்துக்கொள்ளுதல்.
4. தன்வரலாறு பற்றி அறிந்துக்கொண்டு தாமேக் கவிதைகளை உருவாக்கப் பழகுதல்.
5. மாணவர்களிடையே புதுக்கவிதை எழுதும் ஆற்றலை வளர்த்துக்கொள்ளல்.

மூன்றாமாண்டு - ஆறாம்பருவம் -CORE COURSE- XIII

PART -III -அற இலக்கியம்- 22UTAMC 61

தரப்புள்ளி - 5,மணி - 6

**கற்பித்தல் நோக்கங்கள்**

1. அற இலக்கியத்தின் வடிவம் உள்ளடக்கம் குறித்து அறிமுகம் செய்தல்
2. அற இலக்கியக் கல்வியின் தேவையை எடுத்துரைத்து தமிழ் அற இலக்கிய வரலாற்றை எடுத்துரைத்தல்
3. தமிழ் அற இலக்கயங்களின் தனித்துவம் விளக்கிக் கூறல்
4. தமிழில் காலந்தோறும் தோன்றியுள்ள இலக்கியங்களை விளக்கிக் கூறல்
5. மனித மனம் அமைதி பெறவும் சமூக அமைதி ஏற்படவும் உதவுதல்

அலகு -1 அறத்துப்பால்: துறவு, மெய்யுணர்தல், அவாவெறுத்தல், ஊழ் ( 34 -38)

பொருட்பால் : நல்குரவு - இழிவு - இரகம் - கயமை ( 105 -108)

அலகு -2

1. நாலடியார் - நட்பாராய்தல், அறிவுடைமை - இரண்டு அதிகாரங்கள்

2. நான்மணிக்கடிகை - பாடல் எண் 11 முதல் 20 வரை

3. திரிகடுகம் - 90 - 100 பத்துப்பாடல்கள்

அலகு -3

1. அறநெறிச்சாரம் - 10 பாடல்கள்

2. ஒளவையார் - நல்வழி 1 முதல் 10 பாடல்கள்

3. அதிவீரராமபாண்டியர் நறுந்தொகை 1 முதல் 10 பாடல்கள்

4. நன்னெறி - சிவப்பிரகாசர் 1 முதல் 10 பாடல்கள்

அலகு -4

1. ஆசாரக்கோவை பாடல் எண்: 1-10 பாடல்கள்

2. நன்னெறி - சிவப்பிரகாசர் 1 முதல் 10 பாடல்கள்

3. முதுமொழிக்காஞ்சி - சிறந்தபத்து, அறிவுப்பத்து பழியாப்பத்து 30 பாடல்கள்

அலகு -5

1. வேதநாயகம் பிள்ளை - நீதி நூல் (மாதரைப் படிப்பித்தல் 10

2. மூதுரை - ஒளவையார் முதல் பத்து வெண்பா

**பயன்** -

1. தமிழின் தொன்மையான அற இலக்கியங்கள் குறித்து அறிந்திருப்பர்.

2. திருக்குறளின் சிறப்பியல்களின் நோக்கில் விவாதிக்கும் திறன் பெற்றிருப்பர்

3. நாலடியார், நான்மணிக்கடிகை இலக்கியங்கள் பேசும் அறம் குறித்த செய்திகளை அறிவர்.

4. ஒளவையாரின் அறக்கருத்துகளின் வழி அக்காலச் சமூகத்தை உணரும் திறன்.

5. நீதி நூல் பேசும் ஐரோப்பியர் கால அறக் கருத்துகள் குறித்த தெளிவு ஏற்பட்டிருக்கும்

**பார்வை நூல்கள்:**

1. .ந.சுப்புரெட்டியார் - தமிழ் இலக்கியங்களில் நீதி-அறம் முறைமை, ஐந்திணைப் பதிப்பகம், சென்னை.
2. 2.க.த.திருநாவுக்கரசு - திருக்குறள் நீதி இலக்கியம், சென்னைப் பல்கலைக்கழக வெளியீடு
3. மு.பொன்னுசாமி -தமிழ் நீதி நூல் வரலாறு, இந்து பதிப்பகம்,கோவை -1994
4. ரா.இராகவையங்கார், ஆத்திசூடி, தமிழ்ப்பல்கலைக்கழகம், தஞ்சாவூர்
5. வேதநாயகம்பிள்ளை, நீதி நூல், பூம்புகார் பதிப்பகம், சென்னை

OUTCOME MAPPING:

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 2 | 2 | 3 | 3 |
| C02 | 3 | 3 | 1 | 3 | 3 |
| C03 | 3 | 2 | 2 | 3 | 3 |
| C04 | 3 | 2 | 2 | 3 | 3 |
| C05 | 3 | 2 | 3 | 3 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

மூன்றாமாண்டு - ஆறாம்பருவம் -CORE COURSE- XIV

PART -III - தண்டியலங்காரம்- 22UTAMC 62

**நோக்கம்** தரப்புள்ளி - 5,மணி - 6

1. செய்யுள்,கவிதைகளை நயத்துடன் கற்க வைத்தல்

2. அணிகளை அறிந்து அனுபவிக்க வைத்தல்.

3. படைப்பாளரின் படைப்பாளுமையை ஆராய்ந்துணரச் செய்தல்

**பயன்**

1. படைப்பின் புறத்தை மட்டுமன்றி அகத்தையும் அறிதல்

2. படைப்பின் நுட்பத்தை உணர்தல்.

3. படைப்பாளனின் படைப்பாளுமையை அணிகளால் ஆழ்ந்துணர்தல்

பாடநூல்: தண்டியலங்காரம் (பொருளணியல் மட்டும்)

அலகு -1 தன்மையணி மற்றும் உவமையணி (1,2 அணிகள்)

அலகு -2 உருவக அணி முதல் முன்ன விலக்கணி முடிய ( 3-6 அணிகள்)

அலகு -3 வேற்றுப்பொருள் வைப்பணி முதல் தற்குறிப்பேற்ற அணி முடிய ( 7- 12 அணிகள்)

அலகு -4 ஏது அணி முதல் அவநுதி அணி முடிய ( 13- 23 அணிகள்)

அலகு -5 சிலேடையணி முதல் பாவிக அணி முடிய ( 24 -35 அணிகள்)

**பாடநூல்/பார்வை நூல்**

1.தண்டியலங்காரம் உரை - முனைவர் ச.சுபாஸ்சந்திரபோஸ், இயல் வெளியீடு, தஞ்சாவூர்.

2.தண்டியலங்காரம் உரை - முனைவர் ஆ.திருஞனாசம்பந்தம், திருவையாறு

OUTCOME MAPPING:

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 2 | 2 | 1 | 2 |
| C02 | 2 | 1 | 2 | 2 | 3 |
| C03 | 2 | 2 | 1 | 1 | 2 |
| C04 | 2 | 2 | 2 | 1 | 2 |
| C05 | 3 | 2 | 2 | 3 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

மூன்றாமாண்டு - ஆறாம்பருவம் -CORE COURSE- XV

PART -III - இலக்கியத் திறனாய்வியல் - 22UTAMC 63

தரப்புள்ளி - 5,மணி - 6

**கற்பித்தலின் நோக்கம்:**

1. இலக்கியம் கற்பதற்கும் ஆராய்ச்சிக்கும் திறனாய்வின் தேவை உணர்த்தப்படுகிறது.
2. திறனாய்வின் சிக்கல்களை எளிமையாக புரிந்துகொள்ளுதல்
3. திறனாய்வின் வகைகளையும் நல்ல திறனாய்வு முறைகளயும் எடுத்துக் கற்றல்
4. திறனாய்வுப் போக்கை மாணவர்களுக்கு உணர்த்துவதன் மூலம் ஆய் வேட்கையைத் தூண்டுதல்
5. மாணவர்களை சிறந்த திறனாய்வளர்களாக உருவாக்குதல்

**பயன் :**

1. ஆராய்ச்சித்திறன் பெறுதல்.
2. காரணக் காரியங்களை அறிந்து கற்றல்.
3. காலந்தோறும் வளர்ந்து வந்துள்ள ஆய்வுப்போக்கால் புதியன அறிதல்.
4. யாரையும் எதையும் சந்தேகித்து உண்மை உணரும் திறன் பெறுதல்

**அலகு -1 திறனாய்வு வரலாறு**

இலக்கியம் விளக்கம் - இலக்கியத் தோற்றம் - வளர்ச்சி - இயல்பு - இலக்கியத்தின்பணி - திறனாய்வு - விளக்கம் - திறனாய்வாளர் தகுதிகள் - இலக்கியத்திறனாய்வின் வழிமுறைகள் - தமிழில் திறனாய்வு வரலாறு

**அலகு -2 திறனாய்வு வளர்ச்சி**

திறனாய்வும் இலக்கிய வளர்ச்சியும் - இலக்கிய ஆராய்ச்சி - ஆராய்ச்சிப் போக்குகள் - முன்னோடி ஆராய்ச்சிகள் - தமிழ் இலக்கியத் திறனாய்வளர்கள் மேலை இலக்கியத் திறனாய்ளர்கள்

**அலகு -3 திறனாய்வு வகைகள்**

தமிழிலக்கியத்தில் திறனாய்வுச் சிந்தனைகள் - திறனாய்வின் தேவை - திறனாய்வின் எல்லை - திறனாய்வு வகைகள் - படைப்புத்திறனாய்வு - மூலபாடத்திறனாய்வு - மரபு வழித்திறனாய்வு - முருகியல் - வாழ்க்கை வரலாற்றுவழித் திறனாய்வு

**அலகு -4 உரையாசிரியர்களின் தேவை**

உரையாசிரியர்களின் காலம் - தனித்தன்மை - இலக்கண உரையாசிரியர்கள் - இலக்கிய உரையாசிரியர்கள் - தத்துவ உரைகள் - உரையாசிரியர்களின் திறனாய்வுச் சிந்தனைகள் தற்காலம் வரை.

**அலகு - 5 நவீனத் திறனாய்வு அணுகுமுறைகள்**

புனைவியல் - சமூக சூழலியல் - உளவியல் - படிமவியல் - குறியீட்டியல் - சூழல் சார்ந்த அணுகுமுறை - கருத்தியல் சார்ந்த அணுகுமுறை - மார்க்சியம் - பெண்ணியம் - ஒப்பீட்டுமுறைத் திறனாய்வு

**பாடநூல்கள் :**

1. க.கைலாசபதி - இலக்கியத் திறனாய்வுபாட்டாளிகள் வெளியீடு, சென்னை
2. தா.ஏ.ஞானமூர்த்தி - இலக்கியத் திறனாய்வியல், த. மு. நகர் கோவை 1984

**பார்வை நூல்கள்**

1. சு.பாலசந்திரன் - இலக்கியத் திறனாய்வு, அணியகம் சென்னை.
2. ந.பிச்சமுத்து - திறனாய்வும் தமிழ் இலக்கியக் கொள்கைகளும், சக்தி புத்தக நிலையம்
3. க.பஞ்சாங்கம் - தமிழ் இலக்கியத் திறனாய்வு வரலாறு, அகரம் வெளியீடு, தஞ்சை
4. இரா.காஞ்சனா - இலக்கியமும் உளவியலும், விஷ்ணுபிரியா பதிப்பகம், மதுரை
5. அ.ச.ஞானசம்பந்தன் - இலக்கியக் கலை, பாவை பப்ளிகேசன்
6. முனைவர் சி.இ.மறைமலை - இலக்கியத் திறனாய்வு

OUTCOME MAPPING:

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 2 | 2 | 1 | 2 | 3 |
| C02 | 2 | 1 | 2 | 2 | 3 |
| C03 | 2 | 2 | 2 | 2 | 3 |
| C04 | 2 | 2 | 2 | 2 | 3 |
| C05 | 2 | 2 | 1 | 2 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

மூன்றாமாண்டு - ஆறாம்பருவம் -CORE COURSE- XVI

நாட்டுப்புற இலக்கியம்- 22UTAMC 64

தரப்புள்ளி - 5,மணி - 6

**பாட நோக்கம்:**

மாணவ - மாணவியர்களிடையே நாட்டுப்புற மக்களின் வாழ்வையும், வாழ்வியல் கூறுகளையும் படம்பிடித்துக் காட்டுவதே இப்பாடத்தின் நோக்கம் ஆகும்.

**மாணவர் பெறும் திறன்:**

1. நாட்டுப்புற இலக்கியத்தின் தோற்றம், வகைப்பாடுகளைக் கற்றல்.
2. நாட்டுப்புற மக்களின் வாழ்வியலோடு தொடர்புடைய செய்திகளாகிய கலைகள், பண்பாடுகள், நம்பிக்கைகள், பழக்கவழக்கங்கள், வழிபாட்டு முறைகள், விளையாட்டுகள் முதலியவற்றை நாட்டுப்புற இலக்கியங்கள் வாயிலாக அறிதல்.

**நாட்டுப்புறவியல்**

**அலகு - 1 நாட்டுப்புறவியல் அறிமுகம்**

நாட்டுப்புறவியல் வரலாறு - நாட்டுப்புறவியல் விளக்கம் - நாட்டுப்புற இயலின் வகைப்பாடு - நாட்டுப்புற இலக்கியங்களின் பண்புகள் - நாட்டுப்புறவியல் வளர்ச்சி வரலாறு - தொல்காப்பியம் குறிப்பிடும் பண்ணத்தி, பிசி, புலன் - இலக்கியங்கள் குறிப்பிடும் வள்ளைப்பாட்டு, வரிப்பாட்டு - நாட்டுப்புற இலக்கியமும் எழுத்திலக்கியமும்.

**அலகு - 2** **நாட்டுப்புறப் பாடல் வகைப்பாடு**

நாட்டுப்புறப் பாடல் வகைப்பாடுகள் - தாலாட்டுப் பாடல் - குழந்தைப் பாடல் - எண்ணுப் பயிற்சிப் பாடல் - காதல் பாடல் - தொழில் பாடல்கள் - கொண்டாட்டப் பாடல்கள் - வழிபாடு சார்ந்த பாடல்கள் - ஒப்பாரிப் பாடல்கள் - பழமொழிகள் - விடுகதைகள்.

**அலகு - 3 நாட்டுப்புறக் கதைகள்**

நாட்டுபுறக் கதைகள் - நாட்டுப்புறக் கதைகள் வகைபாடு - நாட்டுப்புறக் கதைகளின் நோக்கம் - அமைப்புமுறை - நாட்டுப்புறக் கதைப்பாடல்கள் - கதைப்பாடலின் மரபும் தன்மையும் - கதைப்பாடலின் அமைப்பு - கதைப்பாடல் காட்டும் நம்பிக்கை - கதைப்பாடல் காட்டும் பழக்க வழக்கங்கள் - கதைப்பாடல் காட்டும் அறக்கருத்துக்கள் - புராணக் கதைகள்.

**அலகு - 4 நாட்டுப்புறக் கலைகளும் திருவிழாக்களும்**

நாட்டுப்புறக் கலைகள் - நாட்டுப்புறக் கலைகளின் வகைப்பாடு - சிலம்பாட்டம் - காவடியாட்டம் - கரகாட்டம் - மயிலாட்டம் - கும்மி ஆட்டம் - ஒயிலாட்டம் - கோலாட்டம் - பொய்க்கால் குதிரை ஆட்டம் - தேவராட்டம் - கணியான் ஆட்டம் - வில்லுப் பாட்டு - கைவினைப் பொருட்கள் - சிற்ப வேலைப்பாடுகள்.

**அலகு – 5 நாட்டுப்புற நம்பிக்கைகள்**

பண்டைத்தமிழர்களின் நம்பிக்கைகளும் சடங்குகளும் - நம்பிக்கைகளும் - நம்பிக்கைகளின் வகைகள் - நாட்டுப்புறத் தெய்வங்கள் - கோயில் அமைப்பு - வழிபாட்டு முறைகள் - நாட்டுப்புறத் திருவிழாக்கள் - விழாக்களின் வகைப்பாடு .நாட்டுப்புற மருத்துவம் -- நாட்டுப்புற விளையாட்டுகள்.

**திட்டக் கட்டுரை:**

1. நாட்டுப்புறவியல் பாடல்கள்.

2. நாட்டுப்புறக்கலைகள்.

3. நாட்டுப்புற நம்பிக்கைகள்.

4. நாட்டுப்புற மருத்துவம்.

5. நாட்டுப்புறவியல் கோட்பாடுகள்

பாடநூல்:

1. டாக்டர் சு. சக்திவேல், நாட்டுப்புறவியல், மணிவாசகர் பதிப்பகம் சிதம்பரம்.

பார்வை நூல்கள்:

1. அகத்தியலிங்கம் நாட்டுப்புறவியல், அண்ணாமலை நகர் சிதம்பரம்
2. ஆறு இராமநாதன் நாட்டுப்புறக்கதைகள், கழக வெளியீடு.

OUTCOME MAPPING:

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 3 | 3 | 2 | 3 | 3 |
| C02 | 3 | 2 | 2 | 3 | 3 |
| C03 | 3 | 2 | 1 | 3 | 3 |
| C04 | 3 | 2 | 2 | 3 | 3 |
| C05 | 3 | 2 | 2 | 3 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

மூன்றாமாண்டு - ஆறாம்பருவம் - PART - III

Internal Elective - IV - ஒப்பிலக்கியம் - 22UTAME65-1

**பாடநோக்கம்: தரப்புள்ளி – 4,மணி - 4**

1. ஒப்பிலக்கியம் வழி உலக ஒற்றுமையை வளர்க்க இயலும்.
2. ஒரு மொழியிலுள்ள முழுமை, பிறமொழியில் உள்ள முழுமை ஆகியவற்றை அறிய முடியும்.
3. அடிக்கருத்து இலக்கிய வகை, காலப்பகுதி என்பன மொழி இலக்கியததில் பேசு பொருளாக்கப்படும்.
4. இலக்கியங்களைப் பிறதுறைகளுடன் ஒப்பிடும்போது புதிய சிந்தனைகள் கிடைக்கும்.
5. தாக்கக்கோட்பாட்டினால் இலக்கிய வரவுகளை உய்த்துணர முடியும்.

**பயன்** :

1. காலங்களுக்கு ஏற்ப இருவேறு இலக்கியங்களிடையே ஏற்படும் படைப்பு மாற்றங்களை அறிவர்.

2. இலக்கிய வெளிகளைத் தாண்டி பிறதுறை ஒப்பீட்டால் அறிவை விரிவு செய்வர்

3. பிறதுறையொடு ஒப்பிடும்போது தாய்மொழி இலக்கியம் வளரவேண்டிய அல்லது மாற்றிக்கொள்ள வேண்டிய அவசியத்தை கற்பர்.

4. தாய்மொழியொடு பிறமொழி அறிவை பெறுவர்.

**அலகு -1 ஒப்பியலக்கியத்தின் தோற்றம் வளர்ச்சி:**

ஒப்பீடும் - இலக்கியமும் - ஒப்பிலக்கியத்தின் பயன்கள் - இலக்கியங்களுக்கிடையே ஒப்பீடு - பொதுநிலை - அடிக்கருத்து - இலக்கியவகை - காலப்பகுதி – இயக்கம்.

**அலகு -2 இலக்கியமும் கவின் கலைகளும்:**

சிற்பம் - ஓவியம் - இசை - கட்டடக்கலை

**அலகு- 3 இலக்கியமும் பிறதுறைகளும்:**

இலக்கியமும் காந்தியத்துவமும் - இலக்கியமும் வரலாறும் - இலக்கியமும் சமூக அறிவியலும் - இலக்கியமும் உளவியலும் - இலக்கியமும் அறிவியலும் சார்பியல் கோட்பாடு - மனிதவள மேம்பாடு - நாட்டுப்புறவியல்.

**அலகு -4 தாக்கக்கொள்கை:**

தாக்கங்களின் வகைகள் - நேரடித்தாக்கம் - உணர்ச்சித்தூண்டல் - அயன்மை இலக்கியத்தாக்கம் - மறைமுகத்தாக்கம் – எதிர்மறைத்தாக்கம்

**அலகு - 5** அடிக்கருத்தியல் - புனைவுக்கூறுகள் - அடிக்கருத்தின் சிறப்பு

**பாடநூல்**

1. ம.திருமலை ஒப்பிலக்கியம் - கொள்கைகளும் பயில்முறைகளும், செல்லப்பா பதிப்பகம், மதுரை மு.ப.2008.

**பார்வை நூல்**

1. தமிழண்ணல், ஒப்பிலக்கியம் அறிமுகம், மீனாட்சி புத்;தக நிலையம், மதுரை - 1996.

**OUTCOME MAPPING:**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| CO/PO | P01 | P02 | P03 | P04 | P05 |
| C01 | 2 | 2 | 1 | 2 | 3 |
| C02 | 2 | 1 | 2 | 2 | 3 |
| C03 | 2 | 2 | 2 | 2 | 3 |
| C04 | 2 | 2 | 2 | 2 | 3 |
| C05 | 2 | 2 | 1 | 2 | 3 |

1-LOW , 2-MEDIUM , 3-HIGH

மூன்றாமாண்டு - ஆறாம்பருவம் - PART - III

Internal Elective - IV - மொழிபெயர்ப்பு - 22UTAME65-2

**நோக்கம்:**

1. காலந்தோறும் மொழிபெயர்ப்பின் பின்புலத்தைக் கற்பித்தல்.
2. மொழிபெயர்ப்பின் அவசியத்தையும்பல்வேறு தன்மைகளையும் தனிச்சிறப்புகளையும் உணர்த்துதல்.
3. மொழிபெயர்ப்பில் ஏற்படும் சிக்கல்களையும் தீர்ப்பதற்கான வழிமுறைகளையும் கற்பித்தல்.

**அலகு-1**

மொழிபெயர்ப்பியல் – விளக்கம் – அறிஞர்கள் கருத்து – மொழி பெயர்ப்புக்கலை – தோற்றம் வளர்ச்சி மேலைநாட்டில்- இந்தியாவில் –தமிழில் மொழிபெயர்ப்பு வரலாறு – பணிகள்.

**அலகு- 2**

மொழிபெயர்ப்பின் வகைப்பாடுகள் – சொல்லுக்குச் சொல் – விரிவான – முழுமையான – சுருக்கமான – தழுவல்- மொழியாக்கம் – மொழிபெயர்ப்பாளர் தகுதிகள் - மொழிபெயர்ப்பின் இன்றியமையாமை – பயனும் நோக்கமும்

**அலகு-3**

மொழிபெயர்ப்புக் கொள்கைகள் – மொழிபெயர்ப்புச் சிக்கல்கள் – சொல்பொருள் – பழமொழி- விடுகதை – மரபுச் சொல்- வழக்குச் சொல் – பொருள்கோள் – சிலேடை – இரட்டைக்கிளவி – குறிப்புப் பொருள் – உறவுமுறைச் சொற்கள் – ஆகுபெயர் – அடுக்குத்தொடர் - கலைச்சொற்கள்

**அலகு -4**

மொழிபெயர்ப்புப் பணிகள் – அறிவியல் துறை – சட்ட்த்துறை – ஆட்சித்துறை – ஆவணங்கள் – செய்தித்தாள் – மேடைப்பேச்சுகள் – தமிழ்க்கவிதை மற்றும் உரைநடைகள் - ஒலிபெயர்ப்புகள்

**அலகு -5**

மொழிபெயர்ப்புப் பயிற்சிகள் – தமிழில் இருந்து ஆங்கிலம் – ஆங்கிலத்தில் இருந்து தமிழ் மொழிபெயர்த்தல் – அலுவலகக் கடிதங்கள் மொழிபெயர்த்தல்.

**பயன்:**

மொழிபெயர்ப்பினால் ஒரு நாட்டின் மொழி,இன,பண்பாட்டு நிலைப்பாடுகளை அறிதல் - மொழிபெயர்ப்பினால் பல்வேறு மொழிகளின் தனிச்சிறப்புகளை உணர்த்தல்.

**பார்வை நூல்கள்;**

1. க.சண்முக வேலாயுதம்,மொழிபெயர்ப்பியல்,உலக் தமிழாராய்ச்சி நிறுவனம்,சென்னை.1985
2. சி.சிவசண்முகம்,வே.தயாளன்,மொழிபெயர்ப்பியல்,அன்னம் வெளியீடு,சிவகங்கை,1989
3. மு.வளர்மதி,மொழிபெயப்பியல்,திருமகள் நிலையம்,சென்னை.17.

மூன்றாமாண்டு - ஆறாம்பருவம் - PART - III

Internal Elective - IV - அகராதியியல் - 22UTAME65-3

**கற்பித்தல் நோக்கங்கள்:**

1. தமிழ்மொழியில் காலந்தோறும் வளர்ந்த வந்த அகராதி மரபை அகராதியியல் அடிப்படையில் அறிய செய்தல்.
2. பழந்தமிழில் சொல்வளத்தினைத் தொகுத்துச் சொல்லும் இலக்கண வகையான உரிச்சொல் மரபினையும் நிகண்டினையும் உணரச் செய்தல்.
3. சொற்பொருள் அறிதல் முறையினையும், ஒருமைப் பொருட் தன்மை, பன்மைப்பொருட் தன்மை ஆகிய சொற்பொருள் வகைகளையும் அறிமுகப்படுத்துதல்.
4. அகராதி வகைகளை அறிந்துகொள்ளச் செய்தல்.
5. அகராதி உருவாக்க நெறிமுறைகளைக் கற்பித்து, அகராதி உருவாக்குதல் தொடர்பாக ஆர்வ மூட்டுதல்.

**அலகு 1 -** அகராதி வரலாறு:

அகராதியியலும் அகராதிச் சொற்பொருளியலும், அகராதியியலும் மொழியியலும், உலக அகராதி வரலாறு, தமிழ் அகராதி வரலாறு, உரிச்சொல் மரபு, நிகண்டு மரபு, ஒருமொழி இருமொழி அகராதி மரபு, இக்கால நிலை.

**அலகு 2 -** சொற்பொருளியல்:

சொல் - உலகப்பொருள் தொடர்பு - பொருள் முக்கோணக் கொள்கை, கருத்துப் பொருள், குறிப்புப் பொருள், பயன்பாட்டெல்லை, பொருள் உறவும் சொல் வகைப்பாடும், பல்பொருட்சொற்கள், ஒப்புருச் சொற்கள், ஒருபொருட் பலசொற்கள், மீச்சொற்கள் - உட்பொருட்சொல், எதிர்ச்சொல்.

**அலகு 3 -** அகராதி வகைகள்:

வகைப்பாட்டுக் காரணிகள், கலைக் களஞ்சியங்கள், மொழி அகராதிகள் - ஒருமொழி, இருமொழி பன்மொழி அகராதிகள், கால அடிப்படையிலானவை - குறித்த காலநிலை அகராதி, வரலாற்று அகராதி, ஒப்பியல் அகராதி, மீவிளக்க அகராதி, தகுமொழி விளக்க அகராதி, சிறப்பகராதி, மின்னணு அகராதிகள், சொல் வகைகள், புதிய வகைப்பாடுகள்.

**அலகு 4 -** அகராதி உருவாக்க அடிப்படைகள்:

திட்டமிடல், தரவு மூலங்கள், ஆதார நூல் தொகுதி சொல்லடைவு உருவாக்கம், சொல் தெரிவு, பதிவு தெரிவு, சொல் வேறுபாடுகள், கட்டுடை வடிவம், கட்டிலா வடிவம், சொல்லடுக்கு, சொல் விரிவு, ஆக்கச்சொல், பொதுச்சொல் அகராதிச் சொல், கூட்டுச்சொற்கள், அகராதி கூட்டுச்சொற்கள், மொழி வேறுபாடுகள், தனிமனிதப் பேச்சு, வட்டார வழக்கு, தகுமொழி, இரட்டை வழக்கு.

**அலகு 5 -** அகராதி உருவாக்கம்:

அகராதிப் பதிவுக்கூறுகள் – தலைச்சொல் பகுதி - பொருட் பகுதி, தலைச்சொல், அடிப்படை வடிவம், அடிப்படை வடிவத் தெரிவு, எழுத்துப் பெயர்ப்பு, உச்சரிப்பு, இலக்கணக் குறிப்பு, சொல்மூலம், சொற்பிறப்பு, சொற்பொருள் தரும் முறைகள், குறுக்கு நோக்கீடு, மேற்கோள், விளக்கக் குறிப்பு, குறிப்பான்.அச்சுப்படி தயாரித்தல் - சொல் வரிசை முறை, அகர வரிசை, பிற வரிசை, பதிவு வரிசை முறைகள், பதிவுத்தொகுப்பு, தொடர் பதிவு, துணைப்பதிவு, முன்னுரை, பயன்பாட்டாளர் குறிப்பு, மாதிரி பதிவு, பின்னிணைப்புகள்.

**கற்றல் விளைபயன்கள்:**

1. தமிழ்மொழியின் அகராதி, அகராதியியல் அறிவைப் பெறுவர்.
2. தமிழ்மொழிக்கே உரிய உரிச்சொல், நிகண்டு ஆகியன குறித்து அறிந்துகொள்வர்.
3. சொல்லும் பொருளும் தமக்குள் கொண்டுள்ள உறவினை அறிந்து மொழியின்கண் சொற்பொருள் அறியும் முறைமையை கற்றுக்கொள்வர்.
4. அகராதி வகைகளை அறிந்துகொள்வதோடு, அவற்றை உருவாக்கவும் பயிற்சி பெறுவர்.

**பாட நூல்கள்:**

1. சித்திரபுத்திரன், எச்., 2002, தமிழ் அகராதியியல், அனன்யா வெளியீடு, தஞ்சாவூர்.
2. சித்திரபுத்திரன், எச்., 2004, சொல்லும் பொருளும், அன்னம், தஞ்சாவூர்.
3. சுந்தரசண்முகனார், 1965, தமிழ் அகராதிக்கலை, புதுவை பைந்தமிழ்ப் பதிப்பகம், புதுச்சேரி.
4. மாதையன். பெ., 1985, அகராதியியல், தமிழ்ப் பல்கலைக்கழகம், தஞ்சாவூர்.
5. ஜெயதேவன். வ., 1985, தமிழ் அகராதியியல் வளர்ச்சி வரலாறு, ஐந்திணைப் பதிப்பகம், சென்னை.

**பார்வை நூல்கள்:**

1. வீராசாமி. தா.வே., 1984, அகராதிக்கலை, தமிழ்ப் புத்தகாலயம், சென்னை.
2. ஜெயதேவன். வ., 1977, தமிழ் அகராதியியல், அன்பு நூலகம், சென்னை.
3. சுந்தர சண்முகனார், 1990, தமிழ்நூல் தொகுப்புக் களஞ்சியம், மாணிக்கவாசகர் பதிப்பகம், சிதம்பரம்.
4. சண்முகம். செ.வை, 1989, பொருண்மையியல், அனைத்திந்திய தமிழ் மொழியியற்கழகம், அண்ணாமலை நகர்.

மூன்றாமாண்டு - ஆறாம்பருவம் - Skill Based Subject - IV

**படைப்பிலக்கியம் - 22UTAMS66**

**நோக்கம்** தரப்புள்ளி - 2, மணி - 2

1. மொழியை பயிலுதல் எனும் தளத்திலிருந்து கடந்து மொழியை ஆளுமை செய்யும் தளத்திற்கு அழைத்துச்செல்லல்.
2. படைப்பாற்றலில் ஏற்படும் சிக்கல்களை களைய திறன் கூட்டல்.
3. வாசிப்பு அனுபவத்தைத் தாண்டிய படைப்பனுபவ இன்பத்தை உணர செய்தல்
4. தமிழ் படிப்போன் படிப்பாளியாக மட்டுமன்றி படைப்பாளியாக வேண்டிய அவசியத்தை புலப்படச்செய்தல்.
5. படைப்பு முயற்சியில் சான்றோரின் படைப்பு மேதமையை உணர்த்துதல்.

**பயன்**

1. பயிலும் மொழியை ஆர்வத்துடன் பயிலும் சுவை கூடும்.
2. குடும்பம்,சமுதாயம் மற்றும் அரசியல் கருத்துகளைக் கவிதை,சிறுகதை போன்ற கலைநயத்துடன் வெளிப்படுத்தல்.
3. கலைத்துறையின் சிந்தனைகளைத் துளங்கச் செய்தல்.
4. இதழியல், தொலைக்காட்சி போன்றவற்றில் படைப்பாக்கம் தரக்கூடிய நிலையை அடைதல்.
5. நாடகம்,திரைப்படம் போன்ற கலைகளில் ஈடுபடச் செய்தல்.

**அலகு -1 :**

கவிதை இயற்றுதல் - மரபுக் கவிதை, புதுக்கவிதை, வசனக்கவிதை, நவீனக்கவிதை, ஹைக்கூ கவிதை புனைதிறன் வளர்த்தல்

**அலகு -2 :**

சிறுகதை படைத்தல் - சிறுகதை வாசிப்புப் பயிற்சி அளித்தல் - கதைக்கரு தேர்ந்தெடுக்க பயிற்றுதல் - உரையாடல் உத்திகளைப் பயிற்றுவித்தல் - கதையின் முதல்,நடு மற்றும் முடிபு பகுதிகளை வளர்த்தல் மற்றும் புனைதல் திறன் புகட்டல்

1.கதை சொல்லாட்சி

2.பக்க வரையறை

1.ஒருபக்க கதைகள்

2.பக்க கதைகள்

3.பத்தி கதைகள்

4.ஓரிரு வரிக் கதைகள்

5.படக் கதைகள்

3.உத்திமுறை

4. தலைப்பு பொருத்தம்

5.கதையின் பிரிவுகள்

1.அரசியல் கதைகள்

2.வரலாற்றுக் கதைகள்

3.அறிவியல் கதைகள்

4.பெண்ணீய கதைகள்

5.சிறுவர் கதைகள்

6.சமூக சாடல் கதைகள்

7.வழக்காற்று கதைகளில் புனைவு கதைகள்.

**அலகு -3 :ஓரங்க நாடகம் - இயற்றல் - பயிற்சியளித்தல்**

**அலகு -4 :பேச்சுக்கலை ஃ மடல் வரைதல் பயிற்சி பட்டறை நடத்தி திறன் கொடுத்தல்.**

**அலகு -5: 1. வழிப்புணர்வு சார்ந்த - விளம்பரம்**

பலகையில் எழுதுவதற்கு பயிற்சியளித்தல்

1.கவிதை வடிவில்

2.உரைநடை வடிவில்

3.வழக்காற்று ஃ பேச்சு வழக்கு சொல்லாட்சி பயன்படுத்துதல்

**பாடநூல் :**

1. அகிலன் - படைப்புக்கலை, தமிழ்ப்புத்தகாலயம், சென்னை.

**பார்வை நூல்கள் :**

1. கி.வா.ஜனந்நாதன் கவிபாடலாம்,மணிவாசகர்,பதிப்பகம்,சென்னை.1
2. மு.சுந்தரமுத்து - படைப்புகள், சுவடு பதிப்பகம், சென்னை.
3. அ.கி.பரந்தாமன் - நல்ல தமிழ் எழுத வேண்டுமா? , 184 , பிரகாசம்;சாலை,சென்னை - 8
4. தி.மு.தெய்வசிகாமணி - மேடைத்தமிழ் - ஈசன்ரூகோ,சென்னை - 3
5. கமலா கந்தசாமி - எப்போதும் வெற்றிதரும் பேச்சுக்கலை -நர்மதா பதிப்பகம்,சென்னை.

\*\*\*